



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ११] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 13, 1982 (फाल्गुन 22, 1903)

No. 11] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 13, 1982 (PHALGUNA 22, 1903)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अन्य संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 28 नवम्बर 1981

सं. पी. 1047-प्रशा. ।—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थायी ग्रेड । अधिकारी तथा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर सचिव के रूप में कार्यरत, श्री आर पण्डित का 21-7-1981 को देहान्त हो गया।

दिनांक 6 फरवरी 1982

सं० ए० 110016/1/81-प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग के निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों/निजी सचिव को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आवेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में डेस्क अधिकारी के पद पर कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है:—

क्र०	नाम	अवधि	अभ्युक्ति
------	-----	------	-----------

1	2	3	4
1.	श्री एम० सी०	2-3-82 से आगामी बुराना	
		आवेशों तक	

1	2	3	4
2.	मुकुल चटर्जी	2-3-82 से 1-6-82 तक	इनकी नियुक्ति तर्थ प्राधार पर है।
3.	योगेन्द्र नाथ	21-2-82 से 1-3-82 तक	
4.	डी० आर०	16-1-82 से 1-3-82 मध्यान्त तक	
5.	एच० एस०	1-2-82 से 30-4-82 भाटिया	
		तक	

2. उपर्युक्त अधिकारी कार्यक्रम और प्रशासनिक सुधार विभाग के का० झा० सं० 12/1/74-सी० एस० (1) दिनांक 11 दिसम्बर, 1975 की मर्ती के अनुसार ₹० 75/- प्र० मा० की दर से विशेष वेतन प्राप्त करेंगे।

दिनांक 8 फरवरी 1982

सं० ए० 32014/1/82-प्रशा० ।।।—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय के निम्नलिखित सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, अनुभाग अधिकारी के पद पर तर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है—

क्र. स.	नाम	पदोन्नति की अवधि
1	.2	3
1.	श्रीमती तजेन्द्र कार	1-2-82 से 3 मास की अवधि के लिए

1	2	3
2.	श्री एस. आर. गेहलन	1-2-82 से 12-3-82 तक
3.	श्री के. पी. सेन	8-2-82 से 1-3-82 तक
4.	श्री श्री. सी. गुप्ता	1-2-82 से 1-3-82 तक

दिनांक 19 फरवरी 1982

सं. ए. 32014/3/79-प्रश्ना। —संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में निम्नलिखित स्थायी वरिष्ठ वैयक्तिक सहायकों (के. स. स्ट. से. का ग्रेड स) को राष्ट्रपति द्वारा उनके नामों के सामने निर्दिष्ट तारीख से अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में पूर्णतः अनंतिम, अस्थायी और तदर्थ आधार पर निजी सचिव (के. स. स्ट. से. का ग्रेड क) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है :—

क्र. सं.	नाम	अवधि
1.	श्री जोगिन्दर सिंह	10-2-1982 से 9-5-1982 तक
2.	श्री आर. एल. ठाकर	29-1-1982 से 28-4-1982 तक

सं. 32014/1/81-प्रश्ना। —संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में निम्नलिखित चयन ग्रेड वैयक्तिक सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा नीचे उलिखित तारीखों से उसी संवर्ग में पूर्णतः अनंतिम, अस्थायी और तदर्थ आधार पर वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के. स. स्ट. से. का ग्रेड स) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है :—

क्र. सं.	नाम	अवधि
1.	श्री पी. पी. सिक्का	29-1-82 से 28-4-82 तक अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो।
2.	श्री ओ. पी. देवरा	10-2-82 से 9-5-82 तक अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो।

2. सर्वश्री पी. पी. सिक्का और ओ. पी. देवरा अवगत कर लें कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के. स. स्ट. से. का ग्रेड स) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर है और उन्होंने के. स. स्ट. से. का ग्रेड स में विलयन का अध्यवा उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का कोई हक नहीं होगा।

य. र. गंधी
अवर सचिव (प्रश्ना)
संघ लोक सेवा आयोग

ग्रह मंत्रालय

महानिदेशालय, के. रि. प. बल

नई दिल्ली-110022, दिनांक 22 फरवरी 1982

सं. एफ-2/7/81-स्था.—राष्ट्रपति, निम्नलिखित कमांडेन्टों को, जो फिलहाल अवैतनिक रूप से उप महानिरीक्षक का पद ग्रहण किये हुए हैं, उनकी नियमित पदानेता के फल-स्थरूप आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व प्लिम बल में उप महानिरीक्षक के पद पर अस्थाई रूप में नियुक्त करने हैं :—

1. श्री इन्द्रा सिंह
2. श्री एम. पी. सिंह

3. श्री के. आर. के. प्रसाद
4. श्री एस. एन. माथुर
5. श्री एस. बी. एन. राओ

ए. के. सरी
महानिदेशक (स्थापना)

केन्द्रीय आंदोलिक सुरक्षा बल

महानिदेशक का कार्बालय,

नई दिल्ली-110019, दिनांक 16 फरवरी 1982

सं. ई-16013(2)/3/76-कार्मिक—राज्य काउन्सिल को प्रत्यावर्तित होने पर श्री जयप्रकाश, भा. प. स. (कर्ना. 65) ने 1 अक्टूबर 1981 की पूर्वाह्न से के. बी. सु. ब. यूनिट, भिलाई इस्पात लि., भिलाई, के कमांडेन्ट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं. ई-16014(1)/5/76-कार्मिक—श्री डी. डी. टूटेजा की सेवाएं गुजरात राज्य को पन: सौंपे जाने पर उन्होंने 1 जनवरी, 1982 के पूर्वाह्न से के. आ० स० स० ब० यूनिट आई० ओ० सी० गुजरात रिफाइनरी, बडोदा, के कमांडेन्ट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं. ई-32015(1)/1/81-कार्मिक—राष्ट्रपति, श्री बल-राज महेता को 1 फरवरी 1982 के पूर्वाह्न से पूनर्नियुक्त आधार पर, के. ओ० स० स० ब० मुख्यालय, नई दिल्ली में उप महानिरीक्षक (फायर) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं. ई-38013(4)/16/81-82-कार्मिक—भिलाई से स्थानांतरित होने पर श्री सी. एस. वरदाराजा ने 19 नवम्बर, 1981 के पूर्वाह्न से के. ओ० स० स० ब० यूनिट, एस. एच. ए. आर. केन्द्र के सहायक कमांडेन्ट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं. ई-38013(4)/19/81-कार्मिक—स्थानान्तरण होने पर, श्री एस. धंगाचन ने 24 दिसम्बर, 1981 के पूर्वाह्न से के. ओ० स० स० ब० यूनिट, एस. एच. ए. आर. केन्द्र के सहायक कमांडेन्ट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं. ई-38013(4)/19/81-कार्मिक—कुवरमेल को स्थानान्तरण होने पर, श्री एस. धंगाचन ने 24 दिसम्बर, 1981 के अपराह्न से के. ओ० स० स० ब० यूनिट, एस. एच. ए. आर. केन्द्र के सहायक कमांडेन्ट के पद का कार्यभार छोड़ दिया। उन्होंने 11 दिसम्बर, 1981 के पूर्वाह्न से के. ओ० स० स० ब० यूनिट आई० डी० पी० एल०, मुजफ्फरपुर, के सहायक कमांडेन्ट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं. ई-38013(4)/19/81-कार्मिक—मुजफ्फरपुर को स्थानान्तरण होने पर, श्री गुरबचन सिंह ने 1 दिसम्बर, 1981 के पूर्वाह्न से के. ओ० स० स० ब० मद्रास को स्थानांतरित होने पर श्री बी० ए० देवाया ने 31 अक्टूबर, 1981 के अपराह्न से प्रशिक्षण रिजर्व, वैक्षण क्षेत्र मद्रास के सहायक कमांडेन्ट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं. ई-38013(4)/21/81-कार्मिक—राष्ट्रपति, कमांडेन्ट श्री आर. पी. शर्मा को 19 दिसम्बर, 1981 से जिस

तारीख से उन्होंने के ओ. सू. ब. यूनिट बी. आई. ओ. पी. विप्राजिट नंबर-5, बच्चेली में सहायक कमांडेट के पद का कार्यभार संभाला है, प्रोन्त करके के ओ. सू. ब. में उक्त पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं. ई-38013(4)/21/81-कार्मिक—राष्ट्रपति, श्री वाई. पी. सभरवाल को 1 दिसम्बर, 1982 से, जिस तारीख से उन्होंने के ओ. सू. ब. यूनिट, एफ. बी. पी. फरवका में सहायक कमांडेट के पद का कार्यभार संभाला है, प्रोन्त करके के ओ. सू. ब. में उक्त पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

• सं. ई-38013(4)/21/81-कार्मिक—राष्ट्रपति, श्री जी. एस. बालाग्न को 8 दिसम्बर, 1981 के पूर्वाह्न से, जिस तारीख से उन्होंने के ओ. सू. ब. यूनिट आई. पी. सी. एल. बड़ौदा के सहायक कमांडेट के पद का कार्यभार संभाला है, प्रोन्त करके के ओ. सू. ब. में उक्त पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सुरेन्द्र नाथ
महानिदेशक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 18 फरवरी 1982

सं. 11/44/81-प्रश्ना-।—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री एल. सी. शर्मा और अन्वेषक के पद पर कार्यरत श्री एन. एस. भट्टाचार को उसी कार्यालय में तारीख 1 फरवरी, 1982 के पूर्वाह्न से एक वर्ष से अनधिक अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर प्रतिनियुक्ति पर सहायक निदेशक (आंकड़े संसाधन) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. उक्त अधिकारियों की इस कार्यालय में सहायक निदेशक (आंकड़े संसाधन) के पद पर प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति वित्त मंत्रालय के समय-समय तथा संशोधित कार्यालय ज्ञापन सं. एफ. 1 (11) ई. ।।। बी/75 तारीख 7-11-1975 में निर्धारित प्रतिनियुक्ति की शर्तों के अधीन शासित होगी।

3. श्री शर्मा और श्री भट्टाचार का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

दिनांक 19 फरवरी 1982

सं. 10/20/81-प्रश्ना-।—राष्ट्रपति, भारतीय सांख्यिकीय सेवा के ग्रेड ।।। के अधिकारी श्री के. एन. श्रीनिवासन को, जिन्हें सेवा के ग्रेड ।। में पदोन्नति के लिए अनुमोदित किया गया है, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में तारीख 6 फरवरी, 1982 के अपराह्न सं । वर्ष से अनधिक अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर प्रतिनियुक्ति पर सहायक महापंजीकार (जन्म और मृत्यु सांख्यिकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री श्रीनिवासन का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

दिनांक 23 फरवरी 1982

सं. 10/20/79-प्रश्ना-।—इस कार्यालय की तारीख 18 जून, 1981 की समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपति, कलकत्ता में भारत के महापंजीकार के कार्यालय (भाषा

प्रभाग) में श्रीमती कृष्ण चौधरी की भाषाविज्ञ के पद पर तदर्थ नियुक्ति की अवधि को, इस कार्यालय की तारीख 28-3-1979 की अधिसूचना सं. 12/5/74-आर. जी. (प्रश्ना-।।) के पैरा 2 में अन्तर्विष्ट शर्तों के अधीन तारीख 25 सितम्बर, 1981 तक सहर्ष बढ़ाते हैं।

2. श्रीमती चौधरी का मुख्यालय कलकत्ता में होगा।

दिनांक 24 फरवरी 1982

सं. 11/37/80-प्रश्ना-।—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अन्वेषकों को उनके नामों के सामने दर्शित कार्यालयों में तारीख 28 फरवरी, 1982 तक की और अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरे जाएं, जो भी अवधि पहले हो, विद्यमान शर्तों के आधार पर पदोन्नति द्वारा पूर्णतः अस्थाई रूप से तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं:—

क्र०	अधिकारी का नाम	जिस कार्यालय में कार्यरत है
सं०		
1	2	3
	सर्वेश्वरी	
1.	के० एस० रावत	भारत के महापंजीकार का कार्यालय, नई दिल्ली।
* 2.	आर० ई० चौधरी	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, महाराष्ट्र, बम्बई।
3.	एम० तेज किशोर सिंह	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, मेघालय, शिलांग।
4.	एस० एस० बाहरी	भारत के महापंजीकार का कार्यालय, नई दिल्ली।
5.	एम० एन० सरकार	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता।
6.	शमशेर सिंह	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, राजस्थान, जयपुर।
7.	चौ० पूर्णचन्द्र राव	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, आनंद प्रदेश, हैवरा-बाद।
8.	के० के० अलोककर	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, महाराष्ट्र, बम्बई।
9.	एम० एल० शर्मा	जनगणना कार्य निदेशक कार्यालय, मध्य प्रदेश, भे
10.	के० आर० नरायण	जनगणना कार्य निदेश कार्यालय, कर्नाटक,
11.	एच० एस० मीणा	जनगणना कार्य निदेशक कार्यालय, विहारी

1	2	3
	सर्वश्री	
12.	ए० सी० रेड्डी	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, आनंद प्रदेश, हैदराबाद।
13.	के० के० शर्मा	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, आनंद प्रदेश, हैदराबाद।
14.	एस० एस० निकेत	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, बिहार, पटना।
15.	निर्मल भट्टाचार्य	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, असम, गोहाटी।
16.	एम० पी० झाला	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, गुजरात, अहमदाबाद।
17.	जे० सी० दत्त	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, नागार्लैण्ड, कोहिमा।
18.	पी० के० रौत	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, उड़ीसा, भुवनेश्वर।
19.	डी० के० चौधरी	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, त्रिपुरा, अगरतला।
20.	आर० एम० सिंह	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
21.	जी० एस० गिल	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, पंजाब, चंडीगढ़।
22.	लाखन सिंह	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
23.	एम० एल० शर्मा	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, दिल्ली, दिल्ली।
24.	जे० थोमस मकाऊ	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, तमिलनाडु, मद्रास।
25.	सी० एल० शर्मा	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, हिमाचल प्रदेश, शिमला।
26.	एस० पी० वेसाई	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, गोवा, दमन, दीव और पणजी।
27.	एम० एस० रामचन्द्रन	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, कर्णाटक, बंगलौर।

2. उपरोक्त पद पर तदर्थं नियुक्ति संबंधित अधिकारियों को सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तबर्थं तौर पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पद पर तदर्थं नियुक्तियों को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रह किया जा है।

*श्री आर० ई० चौधरी की सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर तदर्थं नियुक्ति की अवधि को 30 मंवर, 1981 तक ही बढ़ाया जासा है, क्योंकि श्री चौधरी की उस तारीख को मृत्यु हो गई थी।

पी० पद्मनाभ
भारत के महापंजीकार

श्रम मंत्रालय

श्रम व्यूरो

•शिमला-171004, दिनांक मार्च 1982

सं. 23/3/82-सी. पी. आई.—जनवरी, 1982 में अंतर्राष्ट्रीय श्रीभिरों का असिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) दिसम्बर, 1981 के स्तर से 1 अंक घट कर 459 (चार सौ उन्नसठ) रहा। जनवरी, 1982 माह का सूचकांक (आधार वर्ष 1949=100) पर परिवर्तित किए जाने पर 558 (पाँच सौ अठावन) आता है।

जितनेंद्र नाथ शर्मा
संयुक्त निदेशक

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

सीमाशुल्क, उत्पादन शुल्क तथा स्वर्ण नियंत्रण
अपील अधिकरण का कार्यालय

नहर दिल्ली, दिनांक 19 फरवरी 1982

फा. स. 6(89)सी.उ.स्व.अ.अ./81—श्री राधा कृष्ण ने, जो पिछले दिनों संगठन और प्रबन्ध सेवाएं निदेशालय (सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क), नहर दिल्ली, में तकनीकी सहायक के पद पर कार्य कर रहे थे, 1 फरवरी 1982 (पूर्णाह्न) से सहायक रजिस्ट्रार, अपील अधिकरण (सीमाशुल्क, उत्पादन शुल्क तथा स्वर्ण नियंत्रण) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

आर. एन. सहगल
रजिस्ट्रार

भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नहर दिल्ली-110002, दिनांक 19 फरवरी 1982

के. वा. ले. प. 1/106-70—सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड तथा पदने निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, कलकत्ता कार्यालय में कार्यरत श्री बीः एन. बैनजी, लेखा परीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) अपनी अधिवर्षिता आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31-10-1981 (अपश्याह्न) से सरकारी सेवा से सेवा निष्पत्त हो गये।

दिनांक 20 फरवरी 1982

सं० वा० ले० प० 1/125-81—अपर उप नियंत्रक महालेखापरीक्षक (वा०) निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों (वा०) को पदोन्नत करके लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं और आगे आवेदन दिए जाने तक प्रत्येक नाम के सामने नीचे कालम 4 में लिखित कार्यालयों में नीचे कालम 5 में लिखित तारीखों से उसी रूप में तैनात करते हैं।

क्र०	अनुभाग अधिकारी (वा०) का नाम	कार्यालय जहां पदोन्नति से पहले कार्यरत थे	कार्यालय जहां पदोन्नति के बाद लेखापरीक्षा अधिकारी (वा०) के रूप में तैनात किए गए	लेखापरीक्षा अधिकारी (वा०) के रूप में तैनाती की तारीख
1	2	3	4	5
सं०	सर्वथी			
1.	अरविन्द मिश्र	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पर्देन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा (कोयला) कलकत्ता	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पर्देन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा (कोयला) कलकत्ता	29-8-81
2.	कमान मेन	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पर्देन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, कलकत्ता	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पर्देन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, हैदराबाद	23-9-81
3.	श्यामलाल प्रसाद सरकार	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पर्देन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा रांची	महालेखाकार द्वितीय आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद	30-11-81
4.	राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल	कार्यालय महालेखाकार- मध्य प्रदेश, ग्वालियर	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पर्देन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा बम्बई	21-9-81
5.	रमेश चन्द्रा	भारत के नियंत्रक-महालेखा- परीक्षक का कार्यालय, नई दिल्ली	वा० ले० प० एवं पर्देन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, हैदराबाद	29-9-81
6.	प्रमिया कुमार राय चौधरी	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पर्देन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा कलकत्ता	महालेखाकार-II आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद	22-10-81

एम० ए० सोमेश्वरराव
उपनिदेशक (वा०)

कार्यालय : निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-2, दिनांक 3 फरवरी 1982

सं. प्रशासन-1-कार्यालय आदेश 433—निदेशक लेखा- परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व एतत्वद्वारा इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारियों को 840-1200 रु. के समय वेतनमान में लेखापरीक्षा अधिकारियों के स्थायी पदों के प्रति प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तिथियों से स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं :—

कम संख्या, नाम और लेखा परीक्षा अधिकारियों के रूप में स्थायी नियुक्ति की तिथि

1. श्री एम. एम. एस. ओब्राय	1-12-1981
2. श्री के. पी. भट्ट	12-1-1982

विष्णु सहाय वर्मा
संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा
(प्रशासन)

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा

वाणिज्य, निर्माणकार्य तथा विविध

नई दिल्ली, दिनांक 18 फरवरी 1982

कार्यालयादेश संख्या प्रशासन-1/235—इस संगठन के श्री श्याम सुन्दर भ्राताकर, लेखा परीक्षा अधिकारी को दिनांक 1-6-1981 से लेखा परीक्षा अधिकारी के स्थायी पद पर नियुक्त किया जाता है।

स. र. मुख्यमंत्री
निदेशक लेखा परीक्षा

महालेखाकार महाराष्ट्र का कार्यालय

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1982

कृ. प्रशासन-1/सामाज्य/31-खण्ड-111/सी/1 (1)/11—
महालेखाकार महाराष्ट्र (1) बम्बई अधीनस्थ लेखा सेवा के निम्न-

सिलिंग सदस्यों को उनके नाम के सम्बन्ध निर्दिष्ट किये गये दिनांक से आगामी आष्टो तक स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी/लेखा परीक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

क्र. नाम	दिनांक
1. श्री श्री. डॉ. लोडे	25-1-1982 (पूर्वाह्न)
2. श्री आर. आर. कुलकर्णी	27-1-1982 (पूर्वाह्न)

स. र. सपरा

वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग
कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-110066, दिनांक 19 फरवरी 1982

सं. प्रशा. 1/1172/1/1 (पी. सी.-11) — राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (रु. 2250-125/2-2500) के स्तर-11। में स्थानापन्न रूप में कार्य करने हेतु छ: माह की अवधि अथवा नियमित प्रबन्ध हो जाने तक के लिए, इसमें जो भी पहले हो, उनके नाम के सामने लिखी तारीखों से, तदर्थ आधार पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं :—

1. श्री आर. कृष्णामूर्ति	12-10-1981 (पूर्वाह्न)
2. श्री के सम्पत कुमार	15-10-1981 (पूर्वाह्न)
3. श्री आर. के. माधुर	12-10-1981 (पूर्वाह्न)

सं. प्रशा. 1/1172/1 (पी. सी.-11) — राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों, (जो उनके नामों के सामने यथा लिखी प्रतिनियुक्ति पर है), को उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (रुपये 2250-125/2-2500) के स्तर-11। में स्थानापन्न रूप में कार्य करने हेतु छ: माह की अवधि अथवा नियमित प्रबन्ध हो जाने तक के लिए, इनमें जो भी पहले हो, उनके नाम के सामने लिखी तारीखों से, तदर्थ आधार पर, "अनुक्रम नियम के अधीन" सहर्ष नियुक्त करते हैं :—

श्री वी. एस. जफा—15-10-1981—संयुक्त सचिव, व्यवस्था विभाग (सिविल) वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली।

श्री बी. स्वामीनाथन—12-10-1981—विशेष कार्य अधिकारी (वित्त) राडार तथा संचार-परियोजना कार्यालय, रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली।

सं. प्रशा. 1/1798/5/1—श्री एस. एल. शास्त्री, रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक, जो रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली के राडार तथा संचार परियोजना कार्यालय में वरिष्ठ लेखा अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति पर थे, के द्वारा दिनांक 8 दिसम्बर 1980 को 58 वर्ष की आयु (उनकी जन्म तिथि 8 दिसम्बर 1922 होने के कारण) प्राप्त कर लेने पर उन्हें 31 दिसम्बर 1980 (अपराह्न) से पैंचान स्थापना को अन्तरित कर दिया गया था और तबनुसार वे मूल नियम 56(ए.) की शर्तों के अनुसार दिनांक 31 दिसम्बर 1980 (अपराह्न) से रक्षा लेखा विभाग के संस्था बल पर नहीं रहे।

आर. के. माधुर
रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

आईनेस फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 18 फरवरी 1982

मं. 1/82/ए०/ए०—राष्ट्रपति भारतीय सहायक चिकित्सा अधिकारी स्वीकृत करते हैं। तदनुसार, उनके नाम आईनेस फैक्टरी नफरी में प्रत्येक के सामने उल्लिखित तारीख से निकाल दिया जाता है :—

क्र०	नाम एवं पद	फैक्टरी के नाम जहां नियुक्ति की गई	दिनांक	कैफियत
1.	डा० के० रमेश बाबू, सहायक चिकित्सा अधिकारी	आईनेस फैक्टरी, बेरनगांव	26-3-81	त्याग पद दिया
2.	डा० कृपानिधि नायक, सहायक चिकित्सा अधिकारी	बेहिकल फैक्टरी, जबलपुर	12-5-81	(अपराह्न) —वही—
3.	डा० डी० के० सेंधा, सहायक चिकित्सा अधिकारी	आईनेस फैक्टरी, बेरनगांव	14-8-81	—वही—
4.	डा० भुपिन्दर सिंह, सहायक चिकित्सा अधिकारी	आईनेस फैक्टरी, कानपुर	27-6-81	—वही—
5.	डा० आर० आर० विलियम्स, सहायक चिकित्सा अधिकारी	आम्युनिशन फैक्टरी, किरकी	21-9-81	—वही—
6.	डा० बी० एन० राव मुबुधि, सहायक चिकित्सा अधिकारी	आम्युनिशन फैक्टरी, किरकी	1-10-81	—वही—
7.	डा० एस० पी० जिन्दल, सहायक चिकित्सा अधिकारी	क्लोविडग फैक्टरी, ग्राहजहाँपुर	19-10-81	बरखास्त किए गए (अपराह्न)

सं० 2/82/ए०/एम०—राष्ट्रपति महोवय निम्नलिखित सहायक चिकित्सा अधिकारियों को प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तारीखों से आगामी आवेदन न होने तक आर्डनेंस फैक्टरियों में नियुक्त करते हैं—

क्र०	नाम एवं पद	नियुक्ति स्थान	दिनांक
सं०			
1.	डा० के० पद्मानाम्‌न सहायक चिकित्सा अधि- कारी	गणकैरिज फैक्टरी जबलपुर	1-7-81 (पूर्वांक)
2.	डा० (कुमारी) रीता ढोले, सहायक चिकित्सा अधिकारी	कार्डिहट फैक्टरी श्रुतकाड़	15-7-81 (पूर्वांक)
3.	डा० रंगदेव बिश्वास, सहायक चिकित्सा अधि- कारी	वेहिकल फैक्टरी, जबलपुर	7-9-81 (पूर्वांक)
4.	डा० लीलाधर एन० खाड़गी, सहायक चिकित्सा अधिकारी	आर्डनेंस फैक्टरी, आर्डनेंस फैक्टरी	1-10-81 (पूर्वांक)
		सी० एस० गौरीशंकरण, एडीशनल डी० जी० ओ० एफ/सदस्य (कार्मिक)	

वाणिज्य मंत्रालय

वस्त्र विभाग

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 9 फरवरी 1982

सं० 10(1)/82-सी० एल० बी०-11—कपास नियन्त्रण आवेदन, 1955 के सङ्ग 17 मे० प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० 10(1)/67-सी० एल० बी० 11/बी०, दिनांक 29 सितम्बर, 1967 के अधिलंबन मे०, मे० एतद् द्वारा निवेश देता हुए कि—

- (1) प्रत्येक उत्पादक को, वस्त्र आयुक्त कार्यालय, कपास शाखा, बम्बई को रजिस्टर्ड पोस्ट से, आनेवाले माह की 10 तारीख को या उस के पूर्व, अन्तलग्नक 'अ' पर दिए हुए फार्म मे०, भारतीय कपास के स्टाक का (वर्तमान तथा अनुबंधित) मासिक विवरण भेजना होगा।
- (2) उत्पादक के अलावा, प्रत्येक 'अ' वर्ग के लाइसेंस धारक को, वस्त्र आयुक्त कार्यालय, कपास शाखा बम्बई को रजिस्टर्ड पोस्ट से, प्रत्येक वर्ष 10 मार्च और 10 सितम्बर को या उसके पूर्व अन्तलग्नक 'ब' पर दिए हुए फार्म मे०, उसके द्वारा क्रमशः फरवरी तथा अगस्त के अन्तिम दिन को धारण किया हजा, भारतीय कपास का स्टाक विस्तारे वाला विवरण भेजना होगा।

अनुलग्नक—अ

'अ' वर्ग कपास लाइसेंस संख्या—
सम्बद्ध मूल वर्ष मे०
ओसत मासिक उपभोग }'

वस्त्र आयुक्त,

कपास शाखा, न्यू० सी० जी० ओ०

बम्बई-20

को समाप्त होने वाले माह के लिए भारतीय कपास का वायदा तथा स्टाक के बारे में रिटर्न।
(हर 170 किलोग्राम की गांठों की संवादी संख्या के साथ 1000 किलोग्राम के मेट्रिक टन मे० संख्या अभिवार में)
मिल का नाम—

पता—

कपास का वर्णन	को समाप्त होने वाले माह का मिल धारित स्टाक, किया हुआ कपास मिल की सीमा के सभी का स्टाक गोदामों में और/या बाहर, ग्रामी केन्द्रों को लेकर	पूरा पता जहाँ कपास के लिए संभं 2,3 तथा 5 का	प्रभुक्ति			
1	2	3	4	5	6	7

जोड़ी हुई सूची अ
के अनुसार मिल
यहाँ कपास का वर्णन करें।

ऊपर दी हुई जानकारी पूर्ण तथा यथार्थ है।

सूचना:— इस संदर्भ मे० मूल वर्ष का तात्पर्य समय पर सशोधित वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० 10(1)/73-74/ सी० एल० बी० 2, दिनांक 19-12-1974 का स्पष्टीकरण 1 मे० निर्दिष्ट मूल वर्ष होगा।

मिलों के लिए तथा मिलों द्वारा

अनुलग्नक—बी

फरवरी/अगस्त, 19—के अन्त के भारतीय कपास के स्टाक के बारे में रिटर्न

लाइसेंस सं० आ/

पता—

लाइसेंस धारक का नाम—

फरवरी/अगस्त, 19—के अन्तिम दिन को भारतीय कपास का वार्षिक स्टाक

(10000 किलोग्राम के मेट्रिक टनों के इंक
170 किलोग्राम की गाठों के प्रतिवार में इंकों
सहित)

संख्या	संलग्न शेडुल के अनुसार कपास का वर्णन	निजी खाते पर कपास बिन विका	बिका है परंतु उठाया नहीं	जोड़ 3-4	मिलें	दूसरे	जोड़ ग्राहक 6-7	कुल धारित स्टाक स्तंभ 5-स्तंभ 8	प्रम्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

- मुद्दना :— (1) ऊपर दिखाई जाने वाली कपास की मात्रा में दोनों, समाहित होंगे।
 (2) ऊपर दिया हुआ कपास कर वर्णन, सूची में विए हुए कपास के वर्णन के मेल में होगा। और दूसरी किसी भी पद्धति में नहीं होगा।
 (3) जहाँ तक फरवरी के प्रत में धारण किए हुए स्टाक का संबंध है, फार्म 10 मार्च तक तथा अगस्त के प्रत में धारण किए हुए स्टाक का संबंध है फार्म 10 सितम्बर तक, फार्म भरकर कपास शाखा, वस्त्र आयुक्त का कार्यालय, बम्बई 20 को भेज दिए जाएं।
 (4) यदि, भरने के लिए कोई सूचना न हो तो 'निल' रिटर्न अवश्य भेजा जाए।

घोषणा

मैं, एस्व व्वारा घोषित करता हूँ कि मैंने उपरोक्त व्वारे, मेरे कार्यालय के रिकार्ड तथा किताबों से मिलान में है तथा मैं यह विवास विलाता हूँ कि वे पूरे शर्थार्थ हैं।

दिनांक

स्थान

लाइसेंस धारक के हस्ताक्षर

अनुलग्नक अ तथा ब की सूची

भारतीय कपास के प्रकारों की सूची

- (1) बंगल व्वेशी
- (2) धोलरास
- (3) वगाड़
- (4) पी. ए. 320-एफ्
- (5) जे-34
- (6) बिकानेरी नर्मा
- (7) एम. पी. विरनार
- (8) 197/3
- (9) वी/797
- (10) संजय (सी. जे. -73)
- (11) दिग्गिवजय
- (12) गावरानी
- (13) जयाधर
- (14) लक्ष्मी-बी
- (16) हस्पी 'बी'

- (17) सूयोधर
- (18) खानदेश
- (19) विरनार
- (20) वाई 1
- (21) ज्योतिं
- (22) ए. के. 235 व 277
- (23) ए. के. एच. 4
- (24) ए. 51/9
- (25) एफ्-414
- (26) एच-777
- (27) अगटटी
- (28) एस. 147
- (29) कम्बोडिया-सी
- (30) सी. आ. -2
- (31) खोड़वा-2
- (32) एस. आर. टी. -1
- (33) 1007
- (34) एम. सी. य. य. 5 (बी) महाराष्ट्र
- (35) एम. सी. य. य. 5 (ओ) व. भारत
- (36) एम. सी. य. 7
- (37) कम्बोडिया-बी
- (38) कम्बोडिया-ए
- (39) लक्ष्मी-ए
- (40) निमकर
- (41) एच. 4
- (42) शंकर-4
- (43) वरा लक्ष्मी-डी (एम. पी.)
- (44) वरालक्ष्मी-सी (महाराष्ट्र)

- (45) वरालक्ष्मी-बी (गृजरात)
 (46) वरालक्ष्मी-ए (तामील नाई, आ प्र. तथा कर्नाटक)
 (47) सूबिन
 (48) अन्य प्रकार
 (निर्दिष्ट की जानेवाली)

दिनांक 16 फरवरी 1982

सं. सी. ई. आर./1/82—सूती वस्त्र (नियंत्रण आदेश, 1948, के खण्ड 22 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए,

सं. सी. ई. आर./2/82—सूती वस्त्र (नियंत्रण), आवेदन, 1948 के खण्ड 20 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, एतद्-द्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं. सी. ई. आर./2/77 दिनांक 15-4-1977 की शेड्यूल (II) के युप (vii) तथा (viii) में निम्न-लिखित बुद्धि करता हूँ।

मैं, एतद्-द्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं. सी. ई. आर./1/68, दिनांक 2 मार्च, 1968 में, निम्नलिखित अन्य संशोधन करता हूँ अर्थात्—

उक्त अधिसूचना में—

दूसरे पैराप्राप्त मैं, उप-पैरा (अ) की मद (4), उप-पैरा (ब) की मद (5) तथा उप-पैरा (स) की मद (2) में, आनेवाले अंक, अध्यक्ष तथा मार्क “34.49 s” के बदले, अंक अध्यक्ष तथा मार्क “40.49 s” प्रतिस्थापित किया जाएगा।

मूल काउंट	अनुमती काउंट की श्रेणी	न्यूनतम	रक्तना				
ग्रुप	वार्प	वेप्ट	वार्प	वेप्ट	लोंग कलाय रिड पिक्स	शॉटिंग रीड पिक्स धोती/साडी रीड पिक्स	
VII	32	40	30-34	38-42	60×56	72×52	56×52
VIII	35	43	34-36	42-44	64×60	76×56	60×56

मृह अधिसूचना 1 मार्च, 1982 से कार्यान्वित होगी।

संदर्भ—फाईलसंख्या सी.सी.०/टेक/एन० टी० सी० जन०

सुरेश कुमार,
अतिरिक्त वस्त्र आयुक्त

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

मार्च-20, दिनांक 1 फरवरी 1982

सं. सी. ई. आर./3/82—सूतीवस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खण्ड 22 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं एतद्-द्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं. सी. ई. आर./3/69, दिनांक 19 सितम्बर, 1969 में निम्नलिखित संशोधन करता हूँ, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना में—

- पैराप्राप्त 3 ई के उप-पैराप्राप्त (बो) के पहले परतुक में, “अधिकतम फुटकर भूल्य से ज्यादा” इन शब्दों के बाद आने वाली संख्या “6.36 रु.” के बदले “7.31 रु.” यह संख्या जोड़ दी जाएगी।
- पैराप्राप्त 3 ई के उप-पैराप्राप्त (बो) के नीचे पहले परतुक में “अधिकतम फुटकर भूल्य से ज्यादा” इन शब्दों के बाद आने वाली संख्या “6.36 रु.” के बदले “7.31 रु.” यह संख्या जोड़ दी जाएगी।

ये संशोधन तुरन्त कार्यवाही में आयंगे।

म. वा. चौबूरकर
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

(इ. बी./पी. आर/सी. सी. पी/82)

सं. ए.-12025/1/6/80-प्रशासन(11)-क.—राष्ट्र-परिषिक्त, श्री हरीप्रसाद शुक्ला को 16 जनवरी, 1982 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिए ब्रॅनकर सेवा केन्द्र, भागलपुर में सहायक निदेशक ग्रेड 1 (प्रोफेर्सेंसिंग) के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 8 फरवरी 1982

सं. ए.-12025(1)/4/81-व्यवस्था 11(क)—राष्ट्र-परिषिक्त, श्री वी. श्रीरामसूदु को 3 फरवरी 1982 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिए भारतीय हथकरघा प्रद्योगिकी संस्थान, सेलम में उप-निदेशक (बूनाई) के पद पर नियुक्त करते हैं।

पी. शंकर
अतिरिक्त विकास आयुक्त (हथकरघा)

पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय

(प्रकाशन अनुभाग-1)

मह विली, दिनांक 18 फरवरी 1982

सं. प्र।/1 (1178)—महानिवेशालय, पूर्ति तथा निपटान

एतद्देवारा निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड 11) श्री टी. जे. एन्थोनी को दिनांक 30-1-1982 के पूर्वाह्न से पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक (ग्रेड 11) के पद पर स्थानापन्न रूप से स्थानीय तद्दर्श आधार पर नियुक्त करते हैं।

2. सहायक निदेशक (ग्रेड 11) के रूप में श्री एन्थोनी की तदर्थ नियुक्ति में उन्हें नियमित नियुक्ति का हक नहीं होता और की गई तदर्थ सेवा ग्रेड में वरियता और पदोन्नति तथा स्थायीकरण की पात्रता के लिए नहीं गिनी जायेगी।

3. श्री एन्थोनी ने निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में दिनांक 30-1-82 (पूर्वाह्न) को सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड 11) का पदभार छोड़ दिया और दिनांक 30-1-82 के पूर्वाह्न से ही पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक ग्रेड-1। का पदभार सम्भाल लिया।

एम. एन. कपूर
उप निदेशक (प्रशासन)

इम्प्रात और सान मंत्रालय

(सान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 1982

स. 1431 बी./ए.-19011 (4-एस. आर)/78-19बी—
खनिज समन्वयेण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कार्पोरेशन लि.) में स्थाई भर्ती होने के फलस्वरूप श्री सिधारी राम, डिलिंग इंजीनियर (कॉनिष्ट) ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की सेवाओं को दिनांक 19-11-77 (अपराह्न) से त्याग दिया है।

दिनांक 19 फरवरी 1982

स. 1507बी/ए.-19012(2-ए. जी-जी. एस. एम.)/
79-19.—मदर डेयरी, डांकनी में परावर्तन पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भूभौतिकीय श्री जी एस. मुख्यजी ने सहायक भूभौतिकीय विद के पद का कार्यभार केन्द्रीय भूभौतिकी प्रभाग, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में दिनांक 16-11-81 (पूर्वाह्न) से सम्भाल लिया है।

स. 1518बी/19/78/19सी.—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के डिलर श्री आर. आर. के. नायर को दिनांक 21-1-81 (अपराह्न) से मृत्यु किया जा रहा है ताकि वे डिलिंग इंजीनियर के रूप में केरल खनिज समन्वयेण एवं विकास परियोजना (केरल मिनरल एक्सप्लोरेशन एवं डेवलपमेंट प्रोजेक्ट (यू. एन. डी. पी.) में प्रतिनियुक्ति के आधार पर प्रथमतः 31-5-81 तक की अवधि के लिए अपना कार्यभार सम्भाल सकें।

जे. स्वामी नाथ
महा निदेशक

आकाशवाणी: महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 फरवरी 1982

स. 4(54)/81-एस—महानिदेशक आकाशवाणी एतद्देवारा श्री डी. एस. नागभूषण को 1 फरवरी 1982 से अगले आदेश तक आकाशवाणी भद्रवती में अस्थागी रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 18 फरवरी 1982

सं. 4(41)/81-एस-।—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री अनिल कुमार राय, प्रसारण निष्पादक आकाशवाणी, जोधपुर को 21 जनवरी 1982 से अगले आदेश तक, आकाशवाणी मूरतगढ़ में अस्थाइ रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 फरवरी 1982

सं. 4(20)/81-एस-।—महानिदेशक, आकाशवाणी श्रीमती प्रेम किशोर को 12 जनवरी 1982 से अगले आदेश तक आकाशवाणी मध्रास में, अस्थाइ रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

हरीश चन्द्र जयाल
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 19 फरवरी 1982

सं. 10/13/81-एस. 3—महानिदेशक आकाशवाणी श्री कलजीत सिंह को 30-1-1982 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक उच्च शक्ति प्रीष्ठि, आकाशवाणी खामपुर में अस्थायी रूप में सहायक इंजीनियर के पद पर नियुक्त करते हैं।

एच. एन. विश्वास
प्रशासन उपमहानिदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 20 फरवरी 1982

सं. 1/2/81-एस.-दो—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्देवारा श्री एस. एन. साही, कॉनिष्ट लेखा अधिकारी मूर्ख लेखा कार्यालय नई दिल्ली 9-2-82 (पूर्वाह्न) से लेखा अधिकारी समाचार सेवा प्रभाग आकाशवाणी, नई दिल्ली के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं. 1/2/81-एस.-दो—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्देवारा श्री एस. एन. साही, कॉनिष्ट लेखा अधिकारी मूर्ख लेखा कार्यालय नई दिल्ली 9-2-82 (पूर्वाह्न) से लेखा अधिकारी समाचार सेवा प्रभाग आकाशवाणी, नई दिल्ली के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

एस. वी. सोषाद्री
उपनिदेशक प्रशासन
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 फरवरी 1982

सं. ए-12026/11/81-स्थापना—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक, श्री आर. डी. चारी, लेखा अधिकारी (तदर्थ) के छट्टी की कालावधि में तदर्थ वरिष्ठ लेखाकार श्री वी. एम.

नेती को 14 जनवरी, 1982 के पूर्वाह्न से तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से अस्थायी लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सहाया हैदर
संयुक्त निदेशक
कृत विज्ञापन और इस्य प्रशार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 18 फरवरी 1982

सं. 12025/23/79-प्रशासन-।—राष्ट्रपति ने श्री जे. एस. खमरे को 14 दिसम्बर, 1981 (अपराह्न) से आगामी आवेशों तक राष्ट्रीय मलौलन कार्यक्रम में सहायक निदेशक (कीट विज्ञान) के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

टी. सी. जैन
उप निदेशक प्रशासन

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 फरवरी 1982

मि. सं. 2-1/79-स्था. (1)—सहायक सम्पादक (हिन्दी) के पद पर श्री ओ. पी. गप्ट की तदर्थ नियुक्ति 7-12-81 से 6-6-1982 तक या पद नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हों, बढ़ा दी गई है।

के. जी. कृष्णामूर्ति
निदेशक प्रशासन

ग्रामीण विकास मंत्रालय

विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 15 फरवरी 1982

सं. ए. 19023/22/78-पृ. तृ.—श्री वी. कृष्णन, विषयन अधिकारी, (निलम्बनाधीन) को केन्द्रीय सिविल सेवा (इणीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1965 के अनुसार दिनांक 6-7-1978 (पूर्वाह्न) से सरकारी सेवा से हटाया गया था।

2. सेवा से हटाने के आवेश के विरुद्ध श्री कृष्णन द्वारा दिनांक 24-8-78 को भारत के राष्ट्रपति भी अपील किए जाने पर राष्ट्रपति ने सेवा से हटाने के आवेश को रद्द कर दिया और कृषि विषयन सलाहकार को निरीक्षण निदेशों के साथ मामला भेज दिया। तदानुसार कृषि विषयन सलाहकार ने श्री कृष्णन को सरकारी सेवा में बहाल कर दिया और आवेश विद्या कि श्री कृष्णन के निलम्बन को जारी रखा माना जाए।

3. निदेशों और नियमों की उचित अनुपालन करते हुए श्री कृष्णन को अब उपरोक्त संदर्भित नियमों के अनुसार दिनांक 31-12-1981 के पूर्वाह्न से सेवा में हटाया गया है।

वी. ए.ल. मनिहार

निदेशक प्रशासन

कृत कृषि विषयन सलाहकार
भारत सरकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 11 फरवरी 1982

सं. पी. ए./79(4)/80-आर.-।।।—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्री उन्नीकट रामचन्द्र मेनोन, महायक, को सहायक कार्मिक अधिकारी (रु. 650-960) के पद पर कार्य करने हेतु भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में पूर्वाह्न 16 जून, 1982 से अपराह्न 3 फरवरी, 1982 तक तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 15 फरवरी 1982

सं. विप्राह्ल/3(262)/78-प्रशासन-2239—निदेशक, परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्री एचरिल केसवन मोहन, अर्थ-स्थायी पर्यवेक्षक, बी. टेक, भारी बाहन कारखाना, रक्षा मंत्रालय, को वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड (एस. बी.) पद पर वी. ए. आर. सी. मेरे जनवरी 29, 1982 (पूर्वाह्न) से अधिग्राहक आवेशों तक अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

ए. शासकुमारा मेनोन
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु उड्जी विभाग

विशुद्ध प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 11 फरवरी 1982

सं. विप्राह्ल/3 (262)/78-प्रशासन-2239—निदेशक, विशुद्ध प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई एटद्वारा इस प्रभाग के एक स्थायी प्रवरण कोटि लिपिक श्री ए. एच. पुनवानी को फरवरी 8, 1982 के पूर्वाह्न से मार्च 24, 1982 के अपराह्न तक के लिए उसी प्रभाग में महायक कार्मिक अधिकारी के पद पर अस्थायी स्पृह से नियुक्त करते हैं, यह नियुक्ति सहायक कार्मिक अधिकारी श्री ए. मोहम्मद जली के स्थान पर की जा रही जिन्हें प्रशिक्षण के लिए भेजा गया है।

आर. क्षु. बाजपेयी
सामान्य प्रशासन अधिकारी

क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 16 फरवरी 1982

सं. कमनि/211 (16)/77-प्रशासन/3183—परमाणु उड्जी विभाग के क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने महायक क्रय अधिकारी श्री डी. आर. सर्वारे की छट्टी मंजूर किये जाने पर क्रय महायक श्री एम. गनेशन को रजपते 650-30-740-35-810 द. रो. -35-880-40-1000 द. रो. -40-1200 के बेतन क्रम में तारीख 12 अक्टूबर, 1981 (पूर्वाह्न) से तारीख 22 जनवरी, 1982 (अपराह्न) तक के लिए तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक क्रय अधिकारी नियुक्त किया है।

दिनांक 17 फरवरी 1982

सं. कमनि/23/79-स्थापना/3299—परमाणु उड्जी विभाग के क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने राज्यालय भंडार अधिकारी श्री आर. एन. गृहा की छट्टी मंजूर हो जाने पर भंडारी श्री लक्ष्मण हरीशचन्द्र बागडे को रजपते 650-30-740-35-810-द. रो. -35-880-40-1000-द. रो. -40-1200 के बेतन क्रम में तारीख 14-5-1981 (पूर्वाह्न)

से तारीख 25-6-1981 (पूर्वाह्न) तक के लिए तदर्थ आधार पर स्थानापन सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त किया है।

श्री. जी कलकर्णी
सहायक कार्मिक अधिकारी

बम्बई-400001, दिनांक 16 फरवरी 1982

सं. क्रमांक/2/15/80-स्थापना/3175—परमाणु उर्जा विभाग के काय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी भंडारी श्री बी. एस. शर्मा को रूपमे 650-30-740-35-810-ए. रो-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 के बेतन क्रम में तारीख 28 जनवरी 1982 (पूर्वाह्न) से अन्य आदेशों तक इसी निदेशालय में अस्थायी रूप से स्थानापन सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त किया है।

के. पी. जोसेफ
प्रशासन अधिकारी

परमाणु उर्जा विभाग
नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500 762, दिनांक 15 जनवरी 1982

आदेश

सं. ना ई स/का प्र 5/2606/2367/75—जब कि नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के अनुरक्षण ईंधन संयंत्र के मध्यदगार 'बी' (कार्मिक कूटांक 2367) श्री मोहम्मद मजहूल्दीन को दिनांक 17-12-1980 से 20-2-81 पर्यन्त अवकाश की स्वीकृति दी गयी थी;

और जब कि उक्त श्री मजहूल्दीन स्वीकृत अवकाश की समर्पित पर दिनांक 21-2-81 को काम पर नहीं लौटे, तथा काम पर से अप्राधिकृत: अनुपस्थित रहे हैं;

और जब कि उक्त श्री मजहूल्दीन को दिनांक 4-6-1981 को निर्गमित सार द्वारा काम पर आने के लिए निदेश दिया गया;

और जब कि उनके निवासीय पते निवास सं. 20-5-624/1, काजी पुरा, हैदराबाद-2, को पावती सह पंजीकृत डाक द्वारा प्रेषित तार की डाक प्रति सं. ना ई स/का प्र 4/955, दिनांक 04-6-81 को डाक प्राधिकारियों ने बिना वितरित किए हुए इस अभ्युक्त के साथ वापस कर दी, "व्यक्ति भारत छोड़ कर चला गया है प्रेषक को वापस किया जाता है";

और जब कि उक्त श्री मजहूल्दीन ने इस प्रकार नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के स्थायी आदेशों के अनुच्छेद 39(5)/केन्द्रीय नागरिक सेवा (आचरण) नियम 1964 के नियम 3(1) के अनुसार कदाचरण का कार्य किया;

और जब कि उक्त श्री मजहूल्दीन को आरोप के ज्ञापन सं. ना ई स/का प्र 5/2606/2367/1793, दिनांक 19-10-81 द्वारा उनके विरज्वध आरोप तथा प्रस्तावित कार्यवाही की सूचना दी गई;

और जब कि दिनांक 19-10-81 को उक्त आरोप के ज्ञापन को उनके निवासीय पते निवास सं. 25-5-624/1, काजीपुरा, हैदराबाद-500 002 को पावती सह पंजीकृत डाक द्वारा प्रेषित किया गया, उसे डाक प्राधिकारियों ने बिना वित-

रित किए हुए इस अभ्युक्त के साथ वापस कर दिया, "व्यक्ति भारत छोड़कर चला गया है प्रेषक को वापस किया जाता है";

और जब कि श्री मजहूल्दीन दिनांक 21-2-81 के बाद से काम पर से अप्राधिकृत: अनुपस्थित रहे हैं तथा नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र को अपना पता-ठिकाना नहीं सूचित किया है, इस प्रकार उन्होंने नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र से स्वेच्छापूर्वक अपनी सेवा को त्याग दिया है;

और जब कि अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट थे कि नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के स्थायी आदेशों के अनुच्छेद 41/केन्द्रीय नागरिक सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण व अपील) नियम 1965 के नियम 14 की व्यवस्थाओं के अंतर्गत जांच करना किंतु व्यावहारिक नहीं है,

और जब कि अधोहस्ताक्षरी इस अनंतिम निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि उक्त श्री मजहूल्दीन सेवा में रखने के लिए उपयुक्त व्यक्ति नहीं थे तथा उक्त श्री मजहूल्दीन पर सेवा से निष्कासन का दंड अधिरोपित किया जाना चाहिए;

और जब कि अधोहस्ताक्षरी इस अनंतिम निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि उक्त श्री मजहूल्दीन सेवा में रखने के लिए उपयुक्त व्यक्ति नहीं थे तथा उक्त श्री मजहूल्दीन पर सेवा से निष्कासन का दंड अधिरोपित किया जाना चाहिए;

और जब कि उक्त श्री मजहूल्दीन को इस उपयुक्त अनंतिम निष्कर्ष की सूचना ज्ञापन सं. ना ई स/का प्र 5/2606/2367/2207, दिनांक 23-12-81 के द्वारा दी गई;

और जब कि उक्त श्री मजहूल्दीन को पावती सह पंजीकृत डाक द्वारा उनके निवासीय पते निवास सं. 20-5-624/1, काजी पुरा, हैदराबाद-500 002, पर भेजे गए उक्त ज्ञापन को डाक प्राधिकारियों ने बिना वितरित किए हुए इस अभ्युक्त के साथ वापस कर दिया, "व्यक्ति भारत से चला गया, प्रेषक को वापस किया जाता है";

और जब कि मामले के अभिलेखों पर ध्यान पूर्वक विचार करने के पश्चात् अधोहस्ताक्षरी इस अनंतिम निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि श्री मजहूल्दीन पर सेवा से निष्कासन का दंड अधिरोपित किया जाए;

अतः, अब, अधोहस्ताक्षरी नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के स्थायी आदेशों के अनुच्छेद 43/केन्द्रीय नागरिक सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण व अपील) नियम 1965 के नियम 19(1) को परमाणु उर्जा विभाग की आदेश सं. 22(1)/68-प्रशा-11, दिनांक 7-7-79 के साथ संयोजित करते हुए तथा उनमें प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा उक्त श्री मजहूल्दीन को सेवा से तत्काल प्रभाव से निष्काशित करते हैं।

पी. गोपालन
प्रशासनिक अधिकारी

श्री मोहम्मद मजहूल्दीन
नि. सं. 20-5-624/1,
काजी पुरा,
हैदराबाद-500 002

परमाणु सेवन प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक 14 फरवरी 1982

सं. प.ख प्र-1/7/79-भर्ती—परमाणु उर्जा विभाग, परमाणु सेवन प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु सेवन प्रभाग के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक और स्थानापन सेवा श्री आर. एस. गुप्त को उसी प्रभाग में 14 जनवरी, 1982 से अश्व आदेश होने तक तदर्थ स्वप से स्थानापन सहायक सेवा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 18 फरवरी 1982

सं. प. स. प्र-1/36/81-भर्ती—परमाणु उर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतबूद्धवारा श्री सालाउद्दवीन अहमद को परमाणु खनिज प्रभाग में 1 अगस्त, 1981 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अधिकारी ग्रेड "ए" नियुक्त करते हैं।

म. स. राव
वरिष्ठ प्रशासनिक एवं लेखा अधिकारी

तारापुर परमाणु विजलीघर

डाकघर-टी.ए.पी.पी., दिनांक 11 फरवरी 1982

सं. टी.ए.पी.एस/19(3)/76-आर—मुख्य अधिकारी, सारापुर परमाणु विजलीघर, परमाणु उर्जा विभाग इस विजलीघर में स्थायी सहायक लेखापाल श्री म. रा. वेलणकर को श्री.पी.एम.एम. बशीर, सहायक लेखा अधिकारी के स्थान पर, जो छट्टौरी पर गए हैं, इसी विजलीघर में रु. 650-30-740-35-880-द. रो.-40-960 के वेतनक्रम में दिनांक 6 अक्टूबर, 1981 की पूर्वाह्न से 5 फरवरी, 1982 तक के लिए तदर्थ आधार पर सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

पी. उण्णीकुण्णन
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

पर्यटन एवं नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 23 फरवरी 1982

सं. ए. 32013 (म. वि. उ. म. नि.) (तवर्थ) /1/80-स्था. 1—9 नवम्बर, 1981 की समसंख्यक अधिसूचना के अनु-

कम में राष्ट्रीय, भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्नलिखित निदेशकों को इसी विभाग में मौसम विज्ञान के उप महानिदेशक के पद पर की गई तदर्थ नियुक्ति की अवधि की दिनांक 27-11-1981 से 3 माह की अवधि के लिए या पदों के नियमित रूप में भरे जाने तक जो भी पहले हो, बढ़ाते हैं :—

1. डा. ए. के. मुख्यी
2. डा. ए. ए. रामशास्त्री
3. डा. एस. एम. कल्तशेष्ठ

एच. एम. चौधरी
मौसम विज्ञान के उप महानिदेशक
मौसम विज्ञान के कार्यवाहक महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक फरवरी 1982

सं. ए. 32014/6/81-ई. एस.—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित सहायक विमान संचार अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से अन्य आदेश होने तक रु. 650-30-740-35-880-40-1000-द. रो.-40 द. रो-1200 के वेतनमान में नियमित आधार पर नियुक्त किया है :—

कम सं.	नाम	तारीख
1.	श्री गुरमूल सिंह	29-1-82
2.	श्री आर. ममत	29-1-82
3.	श्री गुरमूल सिंह	29-1-82

सुधाकर गोप्ता
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1982

सं. ए. 32013/9/81-ई. सी.०—राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित तकनीकी अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से छः मास की अवधि के लिए वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आघार पर नियुक्त किया है और उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है :—

क्र०	नाम	वेतनमान तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्य ग्रहण करने की तारीख
संवेदी				
1.	डी० बी० अग्निहोत्री	नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद	वैमानिक संचार स्टेशन, लखनऊ	31-1-82 (पूर्वाह्न)
2.	एस० लाल एम० कुमार	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	रे० नि० एवं विकास एकाक, नई दिल्ली	29-1-82 (पूर्वाह्न)
3.	एस० आर० बी० रमण	रे० नि० श्री विकास एकाक, नई दिल्ली	वैमानिक संचार स्टेशन, तिरुचिरापल्ली	27-1-82 (पूर्वाह्न)
4.	ए० वेमालिंगम	रे० नि० श्री विकास एकाक, नई दिल्ली	वैमानिक संचार स्टेशन, भुवनेश्वर	14-1-82 (पूर्वाह्न)

प्रेम चन्द्र
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 17 फरवरी 1982

सं. ए. 32013/4/79-है. एस.—राष्ट्रपति ने सर्वश्री एन. जय सिंह और आर. सी. गृष्मा की दीर्घ विमान निरीक्षक के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति दिनांक 14-11-1981 के बाद और 30-6-1982 तक अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने की स्वीकृति प्रदान की है।

जगदीश जनदर्शन
सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा
बम्बई, दिनांक 16 फरवरी 1982

सं. 1/66/81-स्था.—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा श्री प्रम. जी. जोशी को, जिन्हें तदर्थ आधार पर मृत्यु कार्यालय, अव्वद्वारा में परियात लेका अधिकारी नियुक्त किया गया था, (दीर्घ से इस कार्यालय की अधिनियमन सं. 4/1/80-स्था. दिनांक 13-1-81) 29 अगस्त, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी कार्यालय में नियमित आधार पर स्थानापन स्पष्ट से परियात लेका अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं. 1/509/82-स्था.—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा नई दिल्ली शाखा के तकनीकी सहायक, श्री एच. जे. सचदेव को नियमित आधार पर 13-12-81 के ग्राहण में आगामी आदेशों तक अ. ड. भ. के., लच्छीवाला, देहुगढ़ शाखा में स्थानापन स्पष्ट से महानिदेशक अभियंता नियुक्त करते हैं।

दिनांक 18 फरवरी 1982

सं. 1/125/82-स्था.—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा नई दिल्ली के पर्यावरक श्री एच. जी. कनकाचलम को 22 अक्टूबर, 1981 के पूर्वाह्न में आगामी आदेशों तक उसी शाखा में स्थानापन स्पष्ट से उप परियात प्रदन्धक नियुक्त करते हैं।

एच. एन. मलहांडा
उप निदेशक (प्रशा.),
कृते महानिदेशक

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय

मीमा शूल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शूल्क
नयी दिल्ली, दिनांक फरवरी 1982

सं. 4/82—श्री ए. आर. मर्गवंशन ने, जो पहले, मस्तकालय, शिलांग में अधीक्षक ग्रेड 'बी' के पद पर कार्यरत थे, निदेशालय के दिनांक 23-12-81 के पश्च मी. सं. 1041/2/81 के अनुमार निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, मीमा शूल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शूल्क के कलकत्ता मित्ति पूर्वी प्रादर्शिक यूनिट में दिनांक 3-2-82 (अपराह्न) से निरीक्षण अभिनाशी ग्रुप बी के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

एम. वी. मर्गवंश
निरीक्षण अधिकारी

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1982

सं. ए-42016/1/80-प्रशा. चार/स्था एक.—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग निम्नलिखित अधिकारियों की, रु. 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 के वेतनमान में अतिरिक्त सहायक निदेशक (हाइड्रोमेट्री) के पद पर तदर्थ नियुक्ति को 31-8-81 के बाद और छ: महीने अर्थात्: 28-2-1982 तक अथवा पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक जो भी पहले हों, बढ़ाते हैं:—

1. श्री डॉ एम भद्रान
2. श्री ए पी सन्ना
3. श्री विनोद कौल
4. श्री एस वेक्टारमन
5. श्री रवीन्द्र सक्सेना
6. श्री एल पी भूयान

दिनांक 16 फरवरी, 1982

सं. ए.-19012/907/81-स्था. पांच—अध्यक्ष केन्द्रीय जल आयोग श्री वी. ए. संथीगजन, महानियर, इजीनियर, नदी विकास (संयुक्त नदी आयोग) अन्वेषण संकाल, नई दिल्ली की 5 सितम्बर, 1981 को हाईड्रोमेट्री को संक्षेपर्वक सूचित करते हैं।

सं. ए. 19012/1 (9)/82-स्था. एक—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री ए. के. सिन्हा, दीर्घ व्यावसायिक सहायक (प्रकाशन) को रु. 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 के वेतनमान में अतिरिक्त सहायक निदेशक (शकाशन) के ग्रेड में 30-1-82 (पूर्वाह्न) से तीन महीने की अवधि अधिकारी पद को नियमित आधार पर भरे जाने तक जो भी पहले हो, स्थानापन स्पष्ट में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं. ए-19012/950/81-स्था. पांच 1—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्वारा श्री सहरीरायक पी. अब्राहम, पर्यावरक करों अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इजीनियर (इजीनियरी) के ग्रेड में स्थानापन स्पष्ट में पूर्णतया अस्थायी तथा तदर्थ आधार पर रु. 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 के वेतनमान में 11 अगस्त, 1981 की अपराह्न से 6 महीने की अवधि के लिये अधिकारी पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 फरवरी 1982

सं. ए-19012/955/81-स्था. पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री एस के बास को अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इजीनियर (इजीनियरी) के ग्रेड में रु. 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 के वेतनमान में 1-11-81 के अपराह्न से छ: माह की अवधि अधिकारी पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, स्थानापन स्पष्ट में पूर्णतया अस्थायी तथा तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं। उन्होंने सूखा क्षेत्र अध्ययन उप-डिवीजन-दो, केन्द्रीय जल आयोग, औरंगाबाद के कार्यालय में उसी तारीख तथा समय से कार्यभार संभाल लिया है।

के. एल. भण्डाला
अवर सचिव
केन्द्रीय जल आयोग

केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण

नई बिल्ली-110066, दिनांक 16 फरवरी 1982

सं. 22/1/81-प्रशासन-। (ती)---अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण एतद्वारा, श्री एम के बानी, निर्माणक, को केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण में केन्द्रीय विद्युत् इजीनियरी (ग्रुप बी) सेवा के अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इजीनियर के ग्रेड में, 30 अबत्बर, 1981 अपराह्न से स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, नियुक्त करते हैं।

सं. 22/6/81-प्रशासन-। (बी)---अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण, एतद्वारा निम्नलिखित तकनीकी सहायकों/निर्माणकों को केन्द्रीय विद्युत् इजीनियरी (ग्रुप बी) सेवा के अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इजीनियर के ग्रेड में प्रत्येक के सामने लिखी तारीख में केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण में, आगामी आदेश होने तक स्थानापन्न क्षमता में, नियुक्त करते हैं।--

क्रम सं.	नाम	कार्यभार सम्भालने की तारीख
१	राव श्री	सर्वश्री
२	डी. एच. राव	28-1-1982 (पूर्वाह्न)
३	ए. के. भाटिया	28-1-1982 (पूर्वाह्न)
४	एम. के अभिमन्यु	28-1-1982 (पूर्वाह्न)
५	डी. के गिल्लोआ	28-1-1982 (पूर्वाह्न)
६	रूप किशोर	28-1-1982 (पूर्वाह्न)
७	के. आर. देवनाथ	28-1-1982 (पूर्वाह्न)
८	के. एस. गाघव	29-1-1982 (पूर्वाह्न)
९	एस. भरकार	29-1-1982 (पूर्वाह्न)
१०	एम. के. संडेलवाल	30-1-1982 (पूर्वाह्न)
११	आई. बी. राव	28-1-1982 (पूर्वाह्न)

सन्तोष विश्वाम
अवर सचिव

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी कार्यवाहक का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और स्टैण्डर्ड कोमिकल्स एण्ड बृड परीजर्वेटिवज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
बंगलूर, दिनांक 16 फरवरी 1982

सं. 737/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के अवसान पर स्टैण्डर्ड कोमिकल्स एण्ड बृड परीजर्वेटिवज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर गे काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी निघटित कर दी जाएगी।

पी. टी. गजबानी
कम्पनी का रजिस्ट्रार
बंगलूर, कर्नाटक

कम्पनी अधिनियम 1956 और “अरविन्द सालवेक्स प्राइवेट लिमिटेड”

पार्टिचेरी, दिनांक 16 फरवरी 1982

सं. 127/560(5)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि “अरविन्द सालवेक्स प्राइवेट लिमिटेड” का नाम आज रजिस्टर से हटा दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

दी कोटेश्वर राव
कम्पनीयों का रजिस्ट्रार
पार्डिंगरी

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं भेसर्स नवलाल भण्डारी एण्ड सन्स प्राइवेट लिमिटेड, हन्दौर के संबंध में
राजिलगर, दिनांक 17 फरवरी 1982

सं. 6139/82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445(2) के अन्तर्गत सूचित किया जाता है कि भेसर्स नवलाल भण्डारी एण्ड सन्स प्राइवेट लिमिटेड, हन्दौर को मध्य प्रदेश, उच्च न्यायालय, खण्डपीठ हन्दौर के आदेश दिनांक 27 अप्रैल, 1981 के द्वारा परिसमाप्त करने का आदेश दिया गया है तथा सरकारी समापक, हन्दौर को उक्त कम्पनी का समापक नियुक्त किया गया है।

सुरेन्द्र कमार सक्सेना
कम्पनी रजिस्ट्रार
मध्य प्रदेश, ग्वालियर

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं पोद्वारा हजिनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
बम्बई, दिनांक 17 फरवरी 1982

सं. 623/18246/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 को उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि पोद्वारा हजिनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ओम प्रकाश जैन
कम्पनी का अतिरिक्त रजिस्ट्रार
महाराष्ट्र, बम्बई

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं मूलूकतला फार्मस एण्ड कन्सट्रूक्शन्स प्रा. लि. के विषय में

हैदराबाद, दिनांक 22 फरवरी 1982

सं. 2127/टी. प. आई./560—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर मूलूकतला फार्मस एण्ड कन्सट्रूक्शन्स प्रा. लि. का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगा।

पी. यस. गजबानी
कम्पनी का रजिस्ट्रार
आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद

प्ररूप आइ.टी.एन.एस. -----.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

1. श्री विसी बहेहो पिता मृ. साधु बहेहो, ग्राम गाडकन
था. सहीदनगर, भुबनेश्वर।

(जन्मतरक)

2. श्री रविन्द्रनाथ जेना, पिता जयराम जेना, ग्रा.
हलदीविसत, पो. धारपुर, जिला कटक।

(अस्तारिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज, भुबनेश्वर

भुबनेश्वर, दिनांक 6 फरवरी 1982

निर्देश सं. 8/आ. ए. सी./ए./आर./81-82—अतः
मुझे, पि. के. मिश्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है :

और जिसकी सं. 4735 है, तथा जो नयापली में स्थित है
(और इससे उपावधि अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रीजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भुबनेश्वर में रीजस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
20-6-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उदादेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण में हृड़ किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक वे
द्रष्टव्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

मोहर []

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षयः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्स्वन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मौजा नयापली, थाना नं. 1, खाता नं. 273, जमिन एवं रिया
ए. 0-530, भुबनेश्वर, जिला पूरा।

पि. के. मिश्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैंज, भुबनेश्वर

तारीख : 6-2-1982
मोहर []

प्रस्तुप धार्या० दी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए.(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 जनवरी 1982

निवेदित सं. सि. आर. नं. 62/31595/81-82/ए.
सी. क्यू./बी.—यह: मभ्फे, मंजू. माधवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 3208/3, अब एम-2 है, तथा जो सि. वि.
रोड, ॥। क्रास, बनिमंटप इन्डस्ट्रीयल एक्सटेन्शन, मंडी
मोहल्ला, मैसूर में स्थित है (और इससे उपादान अनुसंधान
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, मैसूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 18-6-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के भी ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

'क' अन्तरण से हुई किसी आद की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायितव में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

'ख' ऐसी किसी आद या किसी धन या अम्य आस्तियों को,
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

यह: भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं
उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपस्थान (1) के अधीन
निम्नलिखित अधिकारी, घर्ता:—

3—496 GI|81

1. श्रीमती चंद्रकान्तम्मा, 3391, 6ठा मेन रोड,
तिलक नगर, मंडी मोहल्ला, मैसूर।
(अन्तरक)
2. श्री अलंकाशर विसेन्ट, वि. मंकानिकल इजीनियरिंग
इन्डस्ट्रीज, सि. वि. रोड क्रास, मंडी मोहल्ला,
मैसूर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति हे अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अक्षितयों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में
से किसी अधिकत द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य अधिकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास शिखित
में किये जा सकेंगे।

संघोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
पर्यायोजित होता, जो उन प्रकाशन में दिया गया है।

मनूसूची

(दस्तावेज सं. 1101/81-82 ता. 18-6-81)
भूमि का नं. 16, फि 3208/3, अब एम-2, सि. वि.
रोड, ॥। क्रास, बनिमंटप इन्डस्ट्रीयल एक्सटेन्शन, मंडी
मोहल्ला, मैसूर इसके पूर्व, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण में,
एकान्त सम्पत्ति है।

मंजू. माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, बंगलूर

तारीख : 22-1-1982
माहर :

प्रह्लाद प्राईंट बीं एन० एच०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 22 जनवरी 1982

निम्नेश सं. सि. आर. नं. 62/31972/81-82/ए.
सी. क्यू./बी.—यह: मुझे, मंजु माधवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 185, 186, 193, 194 है, तथा जो बन्नी
मंटप एक्सटेन्शन, मंडी मोहल्ला में स्थित है (और इससे उप-
बद्र अनुदूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-7-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरुक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अन्तरित—

1. श्री टि. अंगमुख चौटियार, श्री टि. परमल
चौटियार, श्री टि. कुम्हराम चौटियार, श्री टि.
कन्दस्वामी, 457, केम्पनजाम्बा, अग्नारा, मैसूर।
(अन्तरक)

2. श्री आर. पी. वेन्कटाचलम, श्री आर. पी. कृष्ण
मूर्ति, श्री आर. पी. शेकर, श्री आर. पी. मनोहर
नं: 609/1, वीणा शेशम्मा रोड, 8 कास, कै.
आर. मोहल्ला, मैसूर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जापोनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्र फिली अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 1532-1 ता. 21-7-81)
भूमि का नं. 185, 186, 193, 194, बन्नी मंटप
एक्सटेन्शन, मंडी मोहल्ला, मैसूर।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 22-1-1982
मोहर :

प्रस्तुति आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 27 जनवरी 1982

निर्देश सं. सि. आर. न. 62/31075/81-82/ए.
सो. क्यू./बी.—यतः मुझे, मंजु माधवन,
सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं. 133, बिंगड रोड है, तथा जो बंगलूर में
स्थित है (और इससे उपावर्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 18-6-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, प्रसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
घायित्र में कमी करने या उससे बचन में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

1. श्री मीर गुलाम अली खान, 23/1/365, अलिजा
कोट्टला, हैदराबाद।
(अन्तरक)
2. श्री वाई. फर्नाणडीस, 133, बिंगड रोड, बंगलूर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाकी में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बंध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सुन्दरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पूरिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मंजु सूची

(वस्तावेज सं. 914/81-82 ता. 18-6-81)

घर का नं. 133, बिंगड रोड, बंगलूर-2, डिविजन नं.
60, इसके उत्तर में 26, बिंगड रोड, दक्षिण में यूनियन
फार्मसी तथा काटेज जिसके नं. 28, बिंगड रोड है, पूर्व में
बिंगड रोड और पश्चिम में 26, बिंगड रोड तथा नं. 4,
किंग स्ट्रीट है।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभास (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

तारीख : 27-1-1982

मोहर :

प्रूल्प आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 फरवरी 1982

निवेश नं. पि. आर. नं. 1413/एक्वी./23-।।/8।-82—अतः मूर्ख, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. आर. एस. नं. 195 पैकी है, तथा जो
उधना में स्थित है (और इससे उपावदध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जन, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य के कम के दृश्यमान
प्रतिफल के अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह-
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और (अन्तरिती)
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरके के
बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

वनूसूची

(ज) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

मिलकत जो आर. एस. नं. 195 (पैकी) उधना, जून,
1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-।।, अहमदाबाद

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 1-2-1982
मोहर :

प्रधान आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री मोहम्मद सलिल अब्दुल रहमान इस्माइल मुस्तफा-बाला, अब्दुल इहीम इश्यिलबाला, बेजलपुर, ब्रांच।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 1, फरवरी 1982

निदेश न. पि. आर. नं. 1414/एक्वी./23-11/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सकार प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 15-80-4 पैकी है, तथा जो नानपुरा,
कावारशनल, सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के
कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981
को पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

2. श्री सुरबाला दीनेशचंद्रा मोदी, 12/89, राणी
तालाब, मधिन रोड, सूरत।

(वन्तुती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्लॉइ भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो 15-80-4 (पैकी) कावारशनल, नानपुरा,
सूरत जून, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सकार प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

तारीख : 1-2-1982
सोहूर ॥

प्रूफ बाइं, टी. एन्. एस्. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 फरवरी 1982

निवेश नं. पि. आर. नं. 1415/एक्वी./23-11/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नोट नं. 4427, छपगोर शेरी है, तथा जो
संग्रामपुरा, सुरत में स्थित है (और इससे उपायदृष्ट अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि दृश्यपूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिष्ठात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण
ट्रिभित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
में अधीन लग्ज द्वारे के अन्तरक के वाचिक में
कभी कहुने या उससे बद्ध नहीं सुविधा के लिए;
गौरु/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री मागाभाई दयालजी दसाई, 120 सनगुम सोसा-
यटी, उम्रा जाकट नाका, सुरत।
(अन्तरक)
2. श्री मोहनलाल भगतलाल मोदी, जूनदा बाजार,
संग्रामपुरा, सुरत।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है [1]

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभरी के
पास निवित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है [1]

अनुसूची

मिलकत जो नोट नं. 4427, छपगोर शेरी, संग्रामपुरा,
यथाविधि जून, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 1-2-1982
मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. ---:

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 फरवरी 1982

निवेश नं. पि. आर. नं. 1416/एकी. /23-11/81-
82—अतः मझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. आर. एस. नं. 206 है, तथा जो रान्दरे,
सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1. श्रीमती मणीदेव गोपालभाई प्रेमाभाई का विधवा,
रान्दरे।

(अन्तरक)

2. जनता को.-ओ.-हा.-सोसायटी का प्रमुख और
सचिव, सलेमान आदम पटेल और रामभाई
कृष्णभाई, रान्दरे, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हूँहूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
लिए।

अनुसूची

मिलकत जो आर. एस. नं. 206, रान्दरे, जून, 1981
में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथात् :—

तारीख : 1-2-1982
मोहर :

प्रलेप थाई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 1 फरवरी 1982

निदेश नं. पि. आर. नं. 1417/एक्टी./23-11/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. प्लाट नं. बी, ईनड 168, न्यू है, तथा जो
एक्सटेंशन, उद्योगनगर, उधना में स्थित है (और इससे उपा-
बद्ध अन्तर्मुखी में और पैर्स रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट
अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरामान
प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि दूसरामान प्रतिपाल के उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसरामान प्रतिफल से, ऐसे दूसरामान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ है किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक और दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. दी उधना उद्योगनगर सहकारी संघ लिमिटेड, संदल
रोड नं. 10, उद्योगनगर, उधना, सुरत।
(अन्तरक)
2. ए. आर. सी. फार्मसीकल प्राइवेट लिमिटेड, 89,
सरदारनगर, सुरत डेरी रोड, सुरत-395008।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधारहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, यहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो प्लाट नं. बी/एन./168, उधना, सुरत
जून, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

तारीख : 1-2-1982

मोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 फरवरी 1982

निवेश नं. पि. आर. नं. 1418/पक्वी./23-11/81-82—अतः मर्म, जी. मी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. नोंद नं. 230, गंगी शंरी, नवाप्रा है, तथा
जो सूरत में स्थित है (और इसमें उपानिध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्म यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्घेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त सम्पत्ति के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या नका अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मर्म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4-496GT/81

1. श्रीमती नर्मदाबेन ईश्वरलाल, श्री अंपकलाल ईश्वरलाल, श्री शिशिकान्त ईश्वरलाल, श्री अशोक कमार ईश्वरलाल, श्री रसीकलाल ईश्वरलाल, श्रीमती मीनाबेन ईश्वरलाल, श्रीमती जयश्री ईश्वरलाल, श्री मोहनलाल छबील-दास, श्री नटवरलाल छबीलदास, श्री ठाकराम छबीलदास, श्री कान्तीलाल छबीलदास, मर रहते हों —हरपीण, धोबी शेरी, सूरत।

(अन्तरक)

2. श्री विठ्ठलदास गोपालदास पांचाल, 8/225-2,
गोपीपांडा, सांगड़ीया बाड़ी, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रेई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तात्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिनकेत जो नोंद नं. 230, वाड़ नं. 3, गंगी शंरी,
नवाप्रा, जून, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 1-2-1982

मोहर [1]

प्रस्तुप बाई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-।, अहमदाबाद

फ़ूलगढ़ा, दिनांक 1 फ़रवरी 1982

निम्नलिखित प्राप्ति नं 1419/एक्वी /23-11/81-82—अत मझे, जी मी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पास 'एन अधिनियम' कहा गया है), की भाग
269-घ नं ३०११ राशी प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का
लाला दे दि ७ अप्रैल सम्पादित, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है।

जीरे दि ३०११ नाम नं २१-इन्ड-129 है, तथा यो
उपना, राज्यालय नं ३०११ (जोर इसमें उपावदध अनभूती भा-
ओं और प्राप्ति का नाम है), रजस्ट्रीकर्ण अधिकारी के कार्या-
लय, १०८ राजस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) दि ५ अप्रैल, अर्जन रेज, 1981
यो प्राप्ति ना उपावदध यो आयार मूल्य से कम के द्विगुणान
प्रतिफल हो। अतीतीय की गण्ड है और मझे यह विश्वास
करना ना हो दि ३०११ नं ३०११ सम्पादित सम्पादित वा उचित बाजार
मूल्य, त एक अन्तिफल है, एस दृश्यमान प्रतिफल का
प्राप्त होने वाला है और अन्तरक (अतरका) और अतीतीरी
(अन्तीरी नाम) के दीप्ति एवं अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, नि. राज्यालय उद्देश्य गे उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तवित, न्य गे कथित नहो किया गया है।

(क) अन्तरण में हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिहे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 वा 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रणोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहो किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में
संतुष्टि के लिए,

यो या, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, नि. राज्यालय अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अन्तिरित व्यक्तियों, अर्थात्।--

1. दी उधना उद्योगनगर सहकारी सघ, रोड नं. 10,
उधना।

(अन्तरक)

2. श्री शिवदास काजी पटेल, 17-ग, राम निवास,
गाठुगा रोड, गाठुगा, बम्बई-400019।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किया जा सकेगा।

प्रकाशनः--हरसं प्रयोग शक्ति और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के एरिभाषित है,
वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसंधान

सिलकत जो प्लाट नं २१-इन्ड-129, उधना, नं, 1981
में रजिस्ट्री की गयी है।

जी सी. गर्ग
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-।।, अहमदाबाद

तारीख 1-2-1982
मोहर

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 फरवरी 1982

निदेश न. पि. आर. नं. 1420/एक्स्ट्री./23-1-81-

82—अतः मझे, जी. सी. गर्भ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 106-ए, बी, 112-बी, 113-बी है,
115-बी, 116-बी, एस. नं. 47 है, तथा जो उम्मा, सूरत
में स्थित है (ओर इससे उत्तरांग अनुसूची में और पूर्ण स्त्रा से
वर्णित है), रजिस्ट्रेटर अधिकारी के दस्तावेज़, पुरुष
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य रो.. 50 के दस्तावेज़
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोत्तम संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्तावेज़ प्रतिफल से, ऐसे दस्तावेज़ प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरक) शौर
अन्तरिती (अन्तरीती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
या या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(अ) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे दबने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी ज्ञ या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त आधारभूत, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, को धारा 269-ग के अनुसरण
में, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नटवरलाल छगनलाल मोदी, राणी तलाव, दाब-
गरवाड़, सुरत, श्री प्रवीणचन्द्रा छगनलाल मोदी,
राणी तलाव, दाबगरवाड़, सुरत।

(अन्तरक)

2. (1) श्री शाह गौतमलाल जीवरामभाई, ओसवाल
मोहल्ला, गोपीपुरा, सुरत, (2) श्री पीयुप बाबुलाल
शाह, 35, कल्पना सोसायटी, अठाजन रोड,
सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यादि थों गर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो उम्मा, एस. नं. 106-ए, बी, 113-बी,
115-बी, 116-बी और एस. नं. 47, जून, 1981 से
रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्भ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

तारीख : 2-2-1982
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -----

**प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 फरवरी 1982

निदंश न. पि. आर. नं. 1421/एक्वी./23-11/81-
 82—अतः मुझे, जी. सी. गर्म,
 बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-स के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/ रु. से अधिक है
 और जिसकी म. नोंद नं. 3000-ए, वार्ड नं. 3 है, तथा जो
 रसदायपुरा, चलामवार्ड, सुरत में स्थित है (और इसमें उपा-
 बद्द अनेसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
 अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितायों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
 फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
 विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उभत जीध-
नियम के अधीन कर देने के अन्तराल के दायित्व में
कमी कहने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
आर/या

(क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में समिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मरेसर्स हसमुखलाल ठाकोरदास का भागीदारों :— (1) श्री ठाकोरदास चूणीलाल, (2) श्री हसमुखलाल चूणीलाल, (3) श्री वसंतलाल चूणीलाल, (4) श्री प्रवीणनंद चूणीलाल, 3-1814, सनावहपुरा, मरता।

(अन्तरक)

2. श्री बालुभाई^१ परमाभाई^२ राणा, श्री मनोहरभाठे^३ बालुभाई^४, श्री प्रदीपचन्द्र बालुभाई^५, श्री महेशभाई^६ बालुभाई^७, 3-3409, नवापुरा, हनुमान मंडेकर, मुरता।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वानुसन्धान संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाचीहायां करता है।

उक्त नम्यति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्त्रेप ;—

- (क) इस सूचना के राज्यों में प्रसारण की तारीख से 45 दिन की अवधि या नतमन्वयी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (छ) इस सूचना के राज्यवाले प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त म्यावर सम्पत्ति में हृत-बद्ध किसी प्रन्थ अधिकार द्वारा धरोहरस्ताकारी के पास लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वटों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-वें में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नंद न. 3000-ए, वार्ड नं. 3, रसतामपुरा,
चालायवार्ड, जन. 1981 में रजिस्टर की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
कर आयुक्त (निरीक्षण)
रंग-।।. अहमदाबाद

तारीख : 2-2-1982
माहर :

प्रसूप भाई.टी.एन.एस.-----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 फरवरी 1982

निम्नलिखित नं. पि. आर. न. 1422/एक्वी/23-11/81-82—अतः मझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी स. नोंद नं. 455, वार्ड नं. 6, कालसावार्ड है। तथा जो भानुस्त्रापुण, सूरत में स्थित है (और इसमें उपायदृढ़ अनुसूची में और पर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 26-6-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँह यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्त्ति:—

- 1 (1) श्री बलवन्त भाई धारजलाल कापड़ीया खद और संयुक्त हिन्द कट्टुम्ब का कर्ता और अवलकंत बेठा दोवयांग का रक्षाकर्ता, 407, रुशीराज एपार्टमेन्ट, अठवा लाईन्स, सूरत।
- (2) महेन्द्र भाई धारजलाल, खद और हिन्द संयुक्त कट्टुम्ब का कर्ता, दादवाला बिल्डिंग, तीसरी मंजिल, मदाशिव कास लेन, कानडा-वाडी, गोरगाम, बम्बे-4।
- (3) नीलेश महेश भाई, बम्बे-41 -वही-
- (4) सूरेश भाई धारज भाई कापड़ीया, खद और हिन्द गंगाकृत कट्टुम्ब का कर्ता और मैनेजर और रक्षाकर्ता छोटा बच्चा जीगेश का, के द्वारा

- 201, रुशीराज एपार्टमेन्ट, दीवाली बाग, अठवा सूरत।
- (5) श्रीराजभाई धारजलाल कापड़ीया खद और हिन्द संयुक्त कट्टुम्ब का मैनेजर, वीरगंड एपार्टमेन्ट, अठवा लाईन्स, सूरत।
- (6) नाथनभाई धारजलाल कापड़ीया खद और हिन्द संयुक्त कट्टुम्ब का कर्ता और मैनेजर और अवयस्क बच्चा असकाशे का रक्षाकर्ता, 201, रुशीराज एपार्टमेन्ट, अठवा, सूरत।
- (7) प्रवीणकुमार धारजलाल कापड़ीया खद और हिन्द संयुक्त कट्टुम्ब का कर्ता और रक्षाकर्ता और अवयस्क बच्चा कांशाल का रक्षाकर्ता, 53 वी मंजिल, प्लाट नं. 17, दालिङ्डनगर, अठवा गेट, सूरत।
- (8) कनचनगोरी धारजलाल कापड़ीया, 407, रुशीराज एपार्टमेन्ट दीवाली बाग, सूरत।
- (9) मनज्जलावेन, धारजलाल चूनीलाल कापड़ीया का पुत्री, के द्वारा जसवन्तलाल मणीलाल, 43 वाकर्मा मोसायीटी, मजरा गेट, सूरत।
- (10) चीत्रालेखा - धारजलाल चूनीलाल कापड़ीया का पुत्री, 201, रुशीराज एपार्टमेन्ट, दीवाली बाग अठवा लाईन्स, सूरत।

(अन्तरक)

2. (1) श्री चन्द्रकान्त मगनलाल अरीदाला,
- (2) श्री जसवन्तलाल मगनलाल अरीदाला,
- (3) श्री विनेश चन्द्र मगन लाल अरीदाला,
- (4) श्री हरीशचन्द्र मगनलाल अरीदाला,
- (5) श्री दीपक कमार मगनलाल अरीदाला, महीधर-प्रा, कामथ रोड, सूरत।

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कहाँ भी आशेष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधाहेस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टोकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नोद नं. 455, वार्ड नं. 6, कालसावार्ड, मालरपुर जून, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

तारीख : 2-2-1982
मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 फरवरी 1982

निवेश नं. पि. आर. नं. 1423/एक्वी/23-11/81-
82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आर. एस. नं. 35 हिस्सा 1-23 है तथा जो
नवागाम, सूरत में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में आर
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सत्य पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करते या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आग्रहियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
क्रम अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्धाति :—

1. (1) गोरेथन भाई श्रीकमभाई पटेल,
(2) श्री प्रवीणचन्द्रा गोरेनभाई पटेल,
(3) श्री जयप्रकाश गोरेनभाई पटेल,
(4) श्री गजेन्द्रा गोरेनभाई पटेल,
(5) श्री जशभाई श्रीकमभाई पटेल,
(6) श्री रमेशचन्द्रा जशभाई पटेल,
(7) श्री राजन्द्रा जशभाई पटेल,
(8) काणुभाई जशभाई पटेल, शानतीनिकेतन-
123 मूल डगरी रोड, सूरत।

(अन्तरक)

- 2 श्री नलीन भाई भाईलाल भाई पटेल, कांजी मंदान,
रूरता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन दो अवधि या तत्त्वान्तरी व्यक्तियों पर सूचना
को तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त रथावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जा नवागाम, आर. एस. नं. 35-हिस्सा-1-बी,
जून, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

तारीख : 2-2-1982
मोहर :

प्रस्तुप आइ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 फरवरी 1982

निवेश नं. पि. आर. नं. 1424/एक्वी/23-11/81-
82--अतः मूर्ख, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा
269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आर. एस. नं. 35 हिस्सा 1-ए है तथा जो
35-हिस्सा-1-बी, टी. पी. एस-8, एफ. पी. 15, नवागाम
सरत में स्थित है (और इसमें उपादान अनुसूची में और गूण रूप
में वर्णित है), रोजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सरत में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
जन, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रवृत्ति नंपति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तम अनुरग लिखित में वास्तविक
रूप में लिखा नहो : क्षण गया है -

(क) अन्तरण य है किसी आय को बात, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, मूर्ख, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधास (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री गोर्धनभाई श्रीकमभाई पटेल, श्री प्रवीणचन्द्र गोर्ध-
भाई पटेल, श्री जलप्रकाश गोर्धनभाई पटेल, गनेन्द्र
गोर्धनभाई पटेल, जशभाई श्रीकमलाल पटेल, , श्री
रमेशचन्द्रा जशभाई पटेल, श्री राजेन्द्रा पशभाई पटेल,
कानाभाई पशभाई पटेल, शान्तीनिकेन-123,
ममूल डायरी रोड, सरत।

(अन्तरक)

2. श्री प्रमुह और सचिव, रवपन हवेन को-ओ-है-सोसा-
यटी, श्री महेन्द्रा जशभाई पटेल, नीशा एपार्टमेन्ट,
काजी भैदान, सुरत जगदीशभाई रवेभाई पटेल,
मान्यडीयाडे, गोपीपुरा, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर सुधार
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगी जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नवागाम, आर. एस. नं. 35, हीसा-1-बी,
1-ए, टी. पी. एस. एफ. पी-15-जून, 1981 में रजि-
स्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़-11, अहमदाबाद

तारीख : 2-2-1982

मोहर :

प्रस्तुप माइर्स.टी.एन.एस.-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 फरवरी 1982

निदेश नं. पि. आर. नं. 1425/एक्वी/23-11/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,
आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. रो अधिक है
और जिसकी म. नोंद नं. 347, वार्ड नं. 11 है। तथा जो
मरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
30-6-1981

को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में
बास्तविक रूप से की थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हो हॉ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वा
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भद्र-हाउ अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिपने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, जै, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1—

1. श्री प्रबीणचन्द्रा मगनलाल गांधी, सायण बजार, मेन
रोड, सूरत।

श्रीमती नीरनजनाबेन प्रबीनचन्द्रा गांधी, सायण बजार,
मेन रोड, सूरत।

(अन्तरक)

2. दैशली असोसीयेट्स, 7-कीरन एपार्टमेंट्स, नान-
परा पिमालीथावार्ड, सूरत।

(अन्तरिती)

के यह सूचना आरी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आपेक्षणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निवित भैं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नोंद न. 347, वार्ड न. 11, सूरत यथाविधि
जून, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम अधिकारी
महायक आपकर आयकत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

तारीख : 2-2-1982
मोहर

प्रकृष्ट प्राइंटी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आजन रोज़-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 फरवरी 1982

निदेश न. पि. आर. न. 1426/एक्यौ/23-11/81-82—अतः मःके, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी म. नोद नं. 1976, वार्ड नं. 5, दलाल सदन
है। तथा जो गीकानता में रोड, हारीपुर, मूरत में स्थित है
(और इससे उपावक्तु अनुसूची में और पर्ण स्पष्ट में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य पर कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
नियित में वास्तविक स्पष्ट में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त
अधिनियम के पश्चीम कर वेने के अन्तरक के
शापित्व में कमी रखने या उमंग उपने में सुविधा
के निम्न; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन पर, अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27, F
प्रयोजनार्थी अन्तरिती तारा प्रकर नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए, आ, छिपाने में प्रविधि के
लिए;

अतः ग्रन्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

1. श्री जयनतीलाल मोतीराम दलाल, कौण्ठनभाग, बीजी
वालसीवाड़ा, बी. पी. रोड, बस्टे-4, श्री वसनत-
लाल मोतीराम दलाल, 5/1976, हारीपुर, गोका-
नता, मूरत।

5-496GI/81

श्री वाणीकान्त मोतीराम दलाल, ए-16-7, विग-
नेश्वर एस्टेट, नानपूर, गुरुत।

(अन्तरक)

- 2 (1) जगदीशचन्द्र रामजी भाई मोजी, कवृत्तस्नाना
द्याम (सूरत)।
(2) नारायण मानगरी दायानीया, शास्त्रीनगर,
खातोद्वा हाउसिंग कालानी, मूरत-2।
(3) डा. अरुणचन्द्र बालचन्द्र दैधीया रामनाथ
महादेव एल, हरीपुर, गोजर पूलीया, मूरत।
(4) अरविन्द चंपदलाल कार्डिया, श्रीमती मन्जु-
लालिन जयनतीलाल कापड़ीग, उच्चाक्ता बचा-
विमल कशाल कापड़ीया, हरीपुर मैन रोड
मूरत।
(5) गजेश चन्द्रलाल गांधी, विनोदभाई चन्द्र-
लाल गांधी, मोहनलाल चन्द्रलाल गांधी, 5/
666, हरीपुर, मैन रोड, मूरत।
(6) श्रीमती सूरीनालाल बीनदेलाल शाह,
श्री महेन्द्र विनोदलाल शाह, श्री भारत विनोदलाल
शाह, श्री कैलाश विनोदलाल शाह, मी-1
केनद्राडी, मैन रोड, बस्टे-4।
(7) श्री रीशचन्द्र धनमूलाल शाह, लहार
पोल, नरीमान हाल के सामने, मूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरा मरक वर्तीना प्राप्ति के प्रबंधन के
लिए कार्यशालिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के घटने के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी अविक्षयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भवोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिमाणित हैं, उन्हीं व्यञ्जित होता जो उभ अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नोद नं. 1976, वार्ड नं. 5, दलाल सदन,
गोकानता, हारीपुर, मूरत जून, 1981 में रजिस्ट्री की गयी
है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
उर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

तारीख : 2-2-1982

संहर :

प्रलेप शाई० टी० एन० एस०—

आधिकार प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आधा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 फरवरी 1982

निवेदन नं. पि. आर. न. 1427/एक्टी/23-।।/8।-82—अतः मूर्ख, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ष के प्रयोग पद्धति प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये ने अधिक है

और जिसकी सं. वार्ड नं. 10, नोट नं. 745 है। तथा जो अस्तवाजी रोड, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्तर्वाची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्भूत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेंग से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसमें बदले में सुधार के आए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तिम द्वारा पक्का करी नहीं किया गया था तथा जारा नाहिं था, लिपाने में संतुष्टि ने लिया;

अतः, यह, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुपर्यामें, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ष की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिनियम, अर्थात् :—

1. सुसमीनाबेन मुजेन्द्रा मजुमदार, हारीनक मार, मुजेन्द्रा मजूमदार, अरपना आर भवसार, मुजेन्द्रा नन्दकुण्ड लाल का पत्री, 12 पांडार, बालक, सानातांशु, बस्बा।

(अन्तरक)

2. (1) श्री दीपक कमार प्रभुदास, (2) हरेश कमार प्रभुदास, गोपीपुरा, टीपावाद, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिखाती के पास लिखित में लिए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्तर्गत 20-र में परिभाषित है, वह अर्थ दोगा, जो उस प्रधार में दिया गया है।

अमृतची

मिलकत जो नोट नं. 745-ए-2, वार्ड 10, अस्तवाजी रोड, सूरत जून, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-।।, अहमदाबाद

तारीख : 3-2-1982

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईडी टी. एन. एस. ——————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 फरवरी 1982

निदेश नं. पि. आर. न. 1428/एक्सी/23-11/81-
82—अतः मूर्ख, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. वार्ड न. 13/60/बी 1-एस. न. 45 है।
तथा जो अतवा गांव, सरत में स्थित है (आंग इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में शाँर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1981
को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है,
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरग के लिय तय पाया गया प्रतिफल,
निम्ननिम्न उद्देश्य में उक्त अन्तरग लिखित में वास्तविक
का भूमिका नहीं हिला गया है:—

(क) अन्तरग से कुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए। शोर/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ प्रत्यारिता द्वारा प्रलट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री जयनतीलाल रंगीलदास खाण्डवाला, 43-
रथस रोड, बांबे-6।
- (2) श्रीमती शरोजबेन शांतिलाल खाण्डवाला खाण्ड-
वाला शोरी सूरत।

- (3) नानुभाई उर्फ इंश्वरलाल रंगीलदास खाण्डवाला
46, रथस रोड, बांबे-6।
- (4) अश्विन शांतिलाल खाण्डवाला, 80, जेपीयन्सी
रोड, बांबे-6।
- (5) नलिनीबेन नानुभाई उर्फ इंश्वरलाल खाण्डवाला
46, रथस रोड, बांबे-6।
- (6) मुकुंद उर्फ शरदचन्द्र रंगीलदास खाण्डवाला
जीवन विहार - मानव भवित्व रोड, बांबे-6।
- (7) वदनाबेन मुकुंदचन्द्र उर्फ शरदचन्द्र खाण्डवाला
जीवन विहार - मानवभवित्व रोड, बांबे-6।
- (8) सगीर अमीत मुकुंद उर्फ शरदचन्द्र खाण्डवाला
जीवन विहार मानवभवित्व रोड, बांबे-6।

(अन्तरक)

2. (1) प्रश्नत कोपरेशन, 15-11, प्रसाद चेमेबसे,
बांबे-4000004, (2) शानतीचन्द्र रवीचन्द्र भवेरी,
वीकोडोरोपा गांडीन-पोस्ट ऑफीस बिल्डिंग, यथा-
कला, बांबे।

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बान में स्पाष्ट होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोलस्ताभरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रयं कोगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मानसूची

मिलकत जो वार्ड न. 13/60/बी 1, एस. न. 45,।
अतवा, सूस्त पूर्ण, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

तारीख : 3-2-1982
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के प्रधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 फरवरी 1982

निवेश नं. पि. आर. नं. 1429/एक्वी/23-11/81-82—अस: मूर्ख, जी. सी. गग्न, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-व के प्रधीन संक्षम प्रशिक्षण को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. टी. पी. एम. 5, एफ. पी. 249-जी है। तथा जो 37-जी फलाम एवं वर्णित किया गया है उधर से स्थित है (और इसमें उपादान अनुमती में और एर्ण रुप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण के कार्यालय, मुरह में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1981

को पूर्वोक्त व्यक्ति के उचित बाजार मूल्य कम में कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए ग्रन्तित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का फलाम है कि यहाँपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्गतों) और अन्तरिती (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण से लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया विनियोगित उद्देश्य से उचित अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) गा उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाया या किया जाना चाहिए जा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री बद्रा भाई पारयुभाई पटेल, गांव वाराद, मालुखा वारदोली।
(अन्तरक)
2. श्रीमती असुमनीबेन धनसुख भाई, गालेमानडी, मोती शेरा, सूरत।
(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करने पर्याप्ति के अंतर्गत कार्यवाहियों करना है।

उक्त सूचना के प्रतीक्षा के अंतर्वर्ती प्राप्तेः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नापीन ने 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में प्रमाण होती हो, के भोनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरों के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौर वदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वज्री प्रवृद्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जा गढ़ोद - नोंद नं. 2363-3, टी. पी. एस. 5, एफ. पी. नं. 249-जी, जून, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

तारीख : 3-2-1982
मोहर :

जी. सी. गग्न
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

प्रकृष्ट प्राईंटी एस., एस.—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 फरवरी 1982
निदेश नं. पि. आर. न. 1430/एक्वी/23-11/81-
82—अतः मुझे, जी. सी. गर्म,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हस्ते
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन मध्यम पारिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी माज़ूरा एस. नं. 26, सरत है। तथा जो सूरत
में स्थित है (और इसमें उपादृष्ट अनुमूल्य में और पृष्ठ से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
जून, 1981

को पूर्वोक्त मम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के
बृशमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्दे ये
रिष्टाम छाने का गारंग है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से अधिक है और
अभ्यरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे प्रतिशत के तिए तर यादा गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरग लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अस्तित्व में हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या फ़िलो वा या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे मारतीय आयतर अधिनियम, 1922
(1922 दा 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनावधि प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् : —

1. श्रीमती रामीलालेन अमृतलाल गंधी, नवचेतन सोसा-
टी, मज़ूरा भागल, सूरत।
(अन्तरक)
2. पौरबी द्यीलस का भागीदारों, श्री गुणवन्तराथी
मगतलाल दंवे, 17, महादेवनगर सोसायटी,
सूरत।
(अन्तरिती)

का यह सूचना जारा नरन पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिन के
तिए कार्यकारियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी अवित्यों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से
किसी अवित द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अवित द्वारा, प्रधानदृष्टाक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकगे।

इष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम न प्रधान 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उम प्रधानमें विया गया है।

अमृतसूची

मिलकत जो माजुरा भागल एस. नं. 26, यथाविधि जून,
1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्म
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

तारीख : 3-2-1982
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 फरवरी 1982

निवेश नं. पि. आर. न. 1431/एक्सी/23-11/81-
82—अतः मुझे, जी. सी. गर्म,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति त्रिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी में वार्ड नं. 1, नोट न. 1393-1394-95 है। तथा जो टी. पी. एस. 2, एफ. पी. 43, फ्लाट नं. 31,
मूरत में स्थित है (और इससे उपावदध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मूरत
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) चन्द्राबदन भगवानदास एच. यु. एफ. कर्ता और^{खुद} सामाप्तुरा, हीरा मोदी शेरी, (2) प्राणलाल
भगवानदास, सूरत, (3) धनसुखलाल भगवान-
दास एच. यु. एफ. कर्ता और खुद कलमभुखातियार
प्राणलाल भगवानदास, (4) प्रवीणचन्द्रा भगवानदास
खुद और एच. यु. एफ. कर्ता, (5) सरेशचन्द्रा
भगवानदास खुद और एच. यु. एफ. (6) उमीलाबेन,
कन्तनलाल भगवान की विधवा, खुद और एच. यु.
एफ. कर्ता, मनिश, चंतन, देवेन्द्रा, मग्नामपूर,
मूरत।

(अन्तरक)

2. (1) कान्तीलाल नागीनदास चौहान, (2) शकुन्तला
कान्तीलाल चौहान, 3/बी, पंचशील एपार्टमेंट,
अन्यानी बाड़ी, मूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो वार्ड न. 1, नोट न. 1393-1394-1395,
टी. पी. एस. आर. पी. पी. 43, फ्लाट 31, जून, 1981
में रजिस्ट्री की गयी है।

तारीख : 3-2-1982

मोहर :

जी. सी. गर्म
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

प्रश्नपत्र आई० टी० एम० एम०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा की
269-व (1) के अधीन मूल्य
भारत सरकार
कार्यालय, प्रायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 फरवरी 1982

निदेश सं. 185/जून/81—यतः मुझे, आर. रविचंद्रन, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं. आर. एम. सं. 1632 (फ्लैट सं. 116 से 128) फस्ट फ्लॉर, ब्लाक "ए", "शिवालय निर्माण", डोर सं. 190 है, तथा जो कमांडर-इन-चीफ रोड, एगमोरे, मद्रास-8 में स्थित है (और हमसे उपाबृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, पेरीयमेंट, मद्रास (आकूमेंट सं. 745/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-4-1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मुश्किल के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रस्तियों को, जिनके भारताय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए तथा छिपाने से पुर्विका न हो;

यतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अस्ति:—

1. सी. यू. शाह चैरिट्टेस, मद्रास।
सं. 140, वेपेरी हाई रोड मद्रास।

(अन्तरक)

2. श्री एस. बी. राजू, मद्रास।
पूर्व श्री मुकु राजा सं. 360 एन. एस. सी. बोस
रोड मद्रास-600001।

(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवृत्ति पर उत्तमप्रभावी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की प्रवृत्ति, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 204 में परिचायित है, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(भीम और निर्माण—फ्लैट सं. 116, 128, फस्ट फ्लॉर, ब्लाक "ए", "शिवालय निर्माण", डोर सं. 190, कमांडर-इन-चीफ रोड, एगमोर, मद्रास-8, आकूमेंट सं. 745/81)।

आर. रविचंद्रन
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर अध्यक्ष (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-1, मद्रास

तारीख : 8-2-1982
मोहर :

प्रस्तुत बाईं, दौ. पत्. पत्. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 फरवरी 1982

निदेश सं. 14/जून/81—यतः मर्क, आर. रविचंद्रन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित भाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. 698, पून्द्रमल्ली हाई रोड है, तथा जो
अमिन्जीकरै, मद्रास में स्थित है (और इसमें उपायदूध अन्मृती
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, मैट्मियम, मद्रास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-4-1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित भाजार मूल्य में कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित भाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों)
(अंतरितरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

1. श्री एम. सिवशन्मुगम।

(अन्तरक)

2. श्री पी. जेयसीलन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिये;
जौर/या

अन्तरकी

(भूमि--698, पून्द्रमल्ली हाई रोड, अमिन्जीकरै, मद्रास
डाकूमेंट सं. 1837/81)

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

आर. रविचंद्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

अल: ब.प, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के मध्ये, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख: 9-2-1982
मोहर:

प्रह्लप आई० टी० एम० एस०---

1. श्रीमती पार्वति अम्माल और अदर्श।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास
मद्रास, दिनांक 10 फरवरी 1982

निवेश मे. 176/जून/81—यतः मूर्ख, आर. रविचंद्रन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. शन्मूगा नगर है, तथा जो आन्डीपट्टी गांव,
सेलम टाउन में स्थित है (और इसमे उपावद्ध अन्मूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), गोप्यस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जे. एम. आर. 1, सेलम (डाकूमैंट सं. 3843/81 में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 1-6-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित जी गई है और मूर्ख यह निश्चाल
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 वा 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः इस अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, मूर्ख, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
6—496GI/81

करे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिदा पर मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(भूमि—शन्मूगा नगर, आन्डीपट्टी गांव, सेलम टाउन,
डाकूमैंट सं. 3843/81)।

आर. रविचंद्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 10-2-1982
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्रीमती पार्वति प्रमाल और अदर्स।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व(1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 फरवरी 1982

निदेश सं. 177/जन/81-अन्तर्क्रम, आग गविनदन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मप्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. शन्मूगा नगर है, तथा जो आन्डीपट्टी गांव, सेलम टाउन में स्थित है (और इगम उपायदृश अनुसन्धानी और पूर्ण रूप से वर्णित है), जिज्ञासीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, जे. एस. आर. ।, सेलम (डाकमैट सं. 3843/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-6-1981

को पूर्वोक्त मप्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दिये के अन्तरक के शायिल में कर्त्ता करने या उससे बचने गे भूमिका के लिए, और या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 ('1922 का 11) द्वारा उन अन्तर्क्रम, अनुकरण अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही होना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना छी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों भी से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकत।

स्थावरोक्तिः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभासित है, वहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(भूमि—शन्मूगा नगर, आन्डीपट्टी गांव, सेलम टाउन, डाकमैट सं. 3844/81)।

आर. रविचंद्रन
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-।, मद्रास

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 10-2-1982
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०---

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा
269-प (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

बर्जन रोज़-1, मद्रास

मद्रास, विनाक 10 फरवरी 1982

निदश स 178/जून/81—यत सूक्ष्म, आर रविशंकर, प्रायकर अधिनियम, 1961 ('1961 का 4') (इसमें इसके पात्रान् 'कल अधिनियम' का प्राप्त है), जो 22 दिसंबर के यथा मन् प्राधिकारी दा, त्रिवेदी द्वारा का राखा है तिथावर अधिक जिवन अन्त बहुत पूर्ण 35,000/- दा द्वारा है

और जिसकी म शन्मुगा नगर है, तथा जो आन्डीपट्टी गाँव, मेलम टाउन म स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अन्तस्त्री भी और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकाता अधिकारी के काग लय, जो एस आर ।, सलम (डाकूमेट स 3844/81) म राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-6-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित गजार द्वय में उसके दृश्यमान प्रतिफल के रिए अन्तरिक्ष को गई है यार मुने ये त्रिवेदी करने का कारण है कि प्राप्तवैश्व प्रमाण दा अवृत आजार मु उके दृश्यपात्र प्रतिफल में, ऐसे शृंखल अन्तरिक्ष का ये प्रतिगत अधिक है शोर गमरक (प्रत्यरभा और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षीयों) के बीच एमे अन्तरण के सिंह नय पाया गया प्रतिफल, विश्वित्रिन उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित व वास्तविक व अन्तिरिक्ष नहीं किया गया है—

(क) इसके १५ दिनों आर जो वारत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दृश्यपात्र में उसी करने पर उसमें उक्त मूलिका न भी दी गयी

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वस्त्र या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आगदर अधिनियम, 1922 (1922 का 111 न रक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षीय शर्त बकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिकाने में सुविधा के लिए;

प्रत: श्रव, उक्त अधिनियम की वारा 269-प के अनुसरण में, वे, उक्त अधिनियम ने गया 139-प की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्रीमती पार्वति अम्माल और अदर्स।

(अन्तरक)

2 श्री बाल गोपाल।

(अन्तरिक्षीय)

को इस सूचना जारी करके दूरीन समाज के अंदर के लिए कार्यकारियों करता है।

उक्त समाज के अंदर ५ सम्बन्ध में होई नी आधेर।--

(क) इस दृश्य के राजाव ने प्रकाश को आदीव ५५ दिनों तो पहाड़ी ८० अम्बरनी अधिकारी अधिकारी अधीन सूचना का तामीर में ३० दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी ली, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में दिसी असिद्धांग;

(ख) इस दृश्य राजाव में प्रकाशन की तारीख में +5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-अद्वय किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के रप निश्चित में किए जा सकें।

स्वाक्षरण — इस प्राक्तु गम्भी और पर्याप्त ना, बो उक्त अधिनियम, र प्रकाश २०-८ म वरिष्ठावित है, जो नई दीपा ना उप वार्षिक में दिया गया है।

अनुसूची

(भूमि—शन्मुगा नगर, आन्डीपट्टी गाँव, सलम टाउन, डाकूमेट स 3845/81)।

आर रविशंकर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

बर्जन रोज़-1, मद्रास

तारीख 10-2-1982

मोहर

प्र० श्री एस. टी. एन. एस.—

1. श्री एस. बंठपानि।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

2. श्री कमलम।

(अन्तरीती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 फरवरी 1982

निदंश सं. 11620--यतः मूझे, आर. रविचंद्रन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. टी. एस. सं. 5/21 पी है, तथा जो
कोयमबट्टर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अन्तर्भूती में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कोयमबट्टर (डाकूमेंट सं. 3470/81) में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1981
को प्रयोक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथाप्रयोक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एम्बे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरीती
(अंतरीतीयों) के बीच एम्बे अन्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवार्ध बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
दृष्टि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, उन्हीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हूँहै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकर नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

भूमि—टी. एस. सं. 5/21 पी, (डाकूमेंट सं. 3470/
81)।

आर. रविचंद्रन
सक्षम प्राधिकारी
स्हादक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-1, मद्रास

तारीख : 10-2-1982

मोहर :

अतः यद्यु, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जारी :—

प्रस्तुत प्राईडी० टी० एन०एस०--

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 फरवरी 1982

निवास सं. 16444—यह मूर्ख, आर. रविचद्रन, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन संशम प्राधिकारी को, पहले विश्वास करने का दावा है कि स्थावर मन्त्रि त्रिपाठा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी म 8, लंबे व्यू रोड है, तथा जा मद्रास-33 मा स्थित है (और इसमें उपावद्ध अन्सूची म 3 और पूर्ण रूप से वार्षिक है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय, कोडमपाटकम (डाक्टरेट म 3430/81) में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जन., 1981 को पूर्वोक्त मन्त्रित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सभी यह विश्वास करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तर्को) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बावजूद अन्तरण के लिए नए पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदल में मूलिष्ठा के परि, और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य वास्तवियों को जिसमें भारतीय प्राय-कर प्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य-कर प्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रदृष्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में मूलिष्ठा के लिए;

यह: उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुनरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविकर्त्ता अधीतः—

1. श्री पी. सुभ्रमनियम और एस. वेन्कटरमनि।

(अन्तरक)

2. श्री सी. विलिंयम वरनरगाज।

(अन्तरिती)

को यह मूलना नारी करह प्रौद्योगिकी विभाग के अवधारणा करेगा है।

उक्त मन्त्रि के अवधारणा में कोई भी पारेपः—

(क) इन सूचना के राजावत में प्रकाशन की तारीख म 45 दिन तो इस्त्रिया या तत्सम्बन्धी अविकर्त्ताओं पर प्रत्यक्षा की तारीख म 30 दिन से प्रतिक्रिया, जो भी अवश्य बाहर में स्थापित होनी है, के भोग्य प्रत्यक्षी अविकर्त्ताओं में से हिस्ते अविक्त द्वारा,

(ख) इस प्रत्यक्षा के राजनय में प्रकाशन की तारीख म 45 दिन से भोग्य उक्त स्थावर मन्त्रि में दिनवधु किया या अविक्त द्वारा प्रत्यक्षी अवश्य के पास दिया। वे किए जा सकते हैं।

स्वाक्षरण 1—इसे प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—8, लेक विद्यू रोड, मद्रास, (डाक्टरेट म 3430/81)।

आर. रविचद्रन,
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैंज-2, मद्रास

तारीख : 10-2-1982

मांहूर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-11, मद्रास

मद्रास, विनांक 10 फरवरी 1982

निदंश सं. 11620—यतः मुझे, आर. रविचंद्रन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि रथावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी म. टी. एम. 5/21 पी है, तथा जो कोयम-
बट्टूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम-
बट्टूर (डाकूमेंट सं. 347/81) में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 81
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तर्राती (अन्तर्रातीयों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

1. श्री एस. वंठपानि।

(अन्तरक)

2. श्री सी. चन्द्रा।

(अन्तर्राती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तर्राती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

भूमि—टी. एस. सं. 5/21 पी, कोयम्बट्टूर (डाकूमेंट
सं. 3474/81)।

आर. रविचंद्रन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-11, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

तारीख : 10-2-1982
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री एस. बंडापानि।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री सी.के. अव्यप्तन।

(अन्तर्गती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 फरवरी 1982

निवेश सं. 11620—यतः मूझे, आर. रविचंद्रन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थिवर ममाति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है
और जिसकी सं. टी. एस. 5/21 पी है, तथा जो कोयम-
बटटर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, कोयम-
बटटर (डाकमेंट सं. 3473/81) में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 81
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थानोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

भूमि—टी. एस. सं. 5/21 पी, कोयमबटटर (डाकमेंट
सं. 3473/81)।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

आर. रविचंद्रन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रंज-11, मद्रास

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ.के अन्सरण
में, भू, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 10-2-1982
माहर.

प्रस्तुप बाईं.टी.एन.एस.-----

1. श्री एम. वंडपानि।

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-प (1) के प्रधीन सूचना

2. श्री वी. मुरुगेसन।

(अन्तरित)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-11, मद्रास

मद्रास, विनांक 10 फरवरी 1982

निवेश सं. 11620—यतः मुझे, आर. रविचंद्रन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इनमें इसके पश्चात 'उच्चत अधिनियम' कहा गया है, को भारा
269-ख के प्रधीन भवग प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
फारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. टी. एस. 5/21 पी है, तथा जो कोयम्ब-
बट्टूर में स्थित है (और इसमें उपायदूध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, कोयम्ब-
बट्टूर (डाकमेट सं. 3472/81) में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 81
को पूर्वावृत्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
कराना का कारण है कि यथाप्रावृत्त सम्पत्ति का उचित बाजार,
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वावृत्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त समान्ता के अर्जन के सावधान में कोई भी वापरेः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की हामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावृत्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उच्चत अधि-
नियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तुरक के बाबिल में कमी
करने या उससे बचने में दृष्टिकोण के लिए। और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी ब्रन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या सक्त अधिनियम, या ब्रन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रधीनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

भूमि—टी. एस. सं. 5/21 पी, कोयम्बबट्टूर (डाकमेट
सं. 3472/81)।

आर. रविचंद्रन
सक्त प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-11, मद्रास

तारीख : 10-2-1982
मोहर :

अब, उपल अधिनियम की भारा 269-न के अनु-
पत्ति में, मैं उच्चत अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्चात् ।—

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

1. श्री एस. वडपानि।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 फरवरी 1982

निदेश सं. 11620--यतः मुझे, आर. रविचंद्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. टी. एस. 5/21 पी है, तथा जो कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं. 3471/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 81 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक से है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से मुझे किसी आय की बाबन २०८ अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमो करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या,

(ब) ऐसो किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिस्में भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अन: ग्रन्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्जास :—

7-496GI/81

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अवधियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य अधिकता द्वारा अधोहस्ताकरण के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साल्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—टी. एस. सं. 5/21 पी, कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं. 3471/81)।

आर. रविचंद्रन
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-11, मद्रास

तारीख : 10-2-1982

मोहर :

प्रस्तुप आइ.टी.एन.एस.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
 अर्जन रोज़-।।, मद्रास
 मद्रास, दिनांक 16 फरवरी 1982

निदेश सं. 75/जून/81—यतः मुझे, आर. रविचंद्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. डोर सं. 18 है, तथा जो कमला सेकन्ड स्ट्रीट, मद्रास-2 में स्थित है (और इससे उपावध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तल्लाकूलम, मद्रास (डाकमेंट सं. 3166/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-6-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

1. श्रीमती गोरी अम्माल।

(अन्तरक)

2. श्री डॉक्टर टी. राजगोपाल और अदर्स।

(अन्तरिती)

ये यह सूचना आयकर करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(भूमि और निर्माण—डोर सं. 18, कमला सेकन्ड स्ट्रीट मद्रास-2, डाकमेंट सं. 3166/81)

आर. रविचंद्रन
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
 अर्जन रोज़-।।, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 16-2-1982
 माहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी ८० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 11 जनवरी 1982

आर. ये. सी. नं. 248/81-82—यतः मुझे, एस.
गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. कृषि भूमि है, तथा जो मारंडपल्ली, सिकन्दरा-
बाद में है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पृष्ठ स्पष्ट
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरीतीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इसकी वाय की वादत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व,
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
आड़/वा

(ख) ऐसी किंसी आय या धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1922
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधित् :—

1. (1) श्री माचरला अद्वैत पिता एम. बुर्ज्या, (2)
श्री माचरला पांडु पिता एम. बुर्ज्या, ईस्ट मारेड-
पल्ली, सिकन्दराबाद, कन्टोनमेंट, सिकन्दराबाद।
(अन्तरक)

2. मैसर्स रवी को-आपरेटीव्ह लूउजीग सोसाइटी लि.,
टी. ए. बी. नं. 22, 1-5-559/1, बाकाराम
रोड, हैदराबाद-500020, अध्यक्ष श्री के. अशोक
कुमार।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में स्वेच्छा भी बालोगः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
.45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि का भाग जिसका सर्वों नं. 42, 43, 44, 45
और 45 उपर, मारंडपल्ली, सिकन्दराबाद, कन्टोनमेंट,
(विस्तीर्ण 2736 चौ. गज) अरबान तालुक, हैदराबाद जीला।
रजिस्ट्रीकृत विलोक्त नं. 3666/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,
हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 11-1-1982
गोदूर :

प्रस्तुत आश्वे.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरी 1982

आर. ये. सी. नं. 249/81-82—उत्त. मुझे, एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संकृष्ट भूमि है, तथा जो मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबृद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीस जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथोपर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्यह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्ति नहीं किया गया है:-

- (1) श्री एम. जयहंद पिता एम. दुर्गम्या, (2) श्री एम. पांडु पिता एम. दुर्गम्या, इस्ट भारेड-पल्ली, सिकन्दराबाद, कन्टेनरेट, सिकन्दराबाद। (अन्तरक)

- मैसर्स को. ओपरेटिंग हाउजिंग सोसायटी लि., टी. ए. बी. नं. 22, 1-5-559/1, बाकाराम रोड, हैदराबाद-500020, अध्यक्ष श्री के. अशोक कुमार। (अन्तरिती)

क्योंकि यह सूचना आठी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी आशेष [---]

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

ममूल्यी

कृषि भूमि का भाग जिसका सर्वे नं. 42, 43, 44, 45 उपर, मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद, कन्टेनरेट, अरबन तालुका, हैदराबाद जिला। विस्तीर्ण 2436 चौ. गज। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 3740/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

(क) अन्तरण के हूँह किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम लै अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य छास्त्रियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमार्प अस्तरिती द्वारा प्रकट भहों किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-1-1982
मोहुड़ :

अतः मम, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा सु-

प्रस्तुप आइ.टी.एस.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरी 1982

आर. ये. सी. नं. 250/81-82—यतः मुझे, एस.
गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. कृषि भूमि है, तथा जो मारेडपल्ली, सिकन्दरा-
बाद में स्थित है (और इससे उपाख्य अन्मूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हाइ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के विरोध कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
भ्रम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता जाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः यत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री एम. जशहीद पिता एम दर्गया, (2).
श्री एम. पांडु पिता एम. दर्गया, इस्ट मारेड-
पल्ली, सिकन्दराबाद, कन्टोनमेंट, सिकन्दराबाद।
(अन्तरक)
2. मैसर्स को, ओपरेटिक्स हाउजीग सोसायटी लि.,
टी. ए. बी. नं. 22, 1-5-559/1, बाकाराम
रोड, हैदराबाद-500020, अध्यक्ष श्री के. जशोक
कुमार।
(अन्तरिती)

करे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब भाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्ट
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित भाव में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मूलसूची

कृषि भूमि का भाग जिसका सर्व नं. 42, 43, 44, 45
और 45 उपर, मारेडपल्ली, गंड्जी सिकन्दराबाद, कन्टोनमेंट
अरबन तालुका, हैदराबाद जिला। विस्तीर्ण 3592 भौ. गज।
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 3648/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,
हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, हैदराबाद

तारीख: 11-1-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 19 जनवरी 1982

आर. ये. सी. नं. 251/81-82—यतः म्.भे., एस.
गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी में 3-5-144/1 है, तथा जो कीग कोठी रोड,
हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और^{पूर्ण} रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उत्तरदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
इष से कठित महीं किया गया है ॥--

1. श्रीमती वालीदा हृशन अली फातीमा बोगम पति
अब्दुल्ला बेन सालेह, 3-5-780/4, कीग कोठी
रोड, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री अहमदबीन सोलंम अलीयाम इमान अली पिता
नलम बीन हासन, 3-5-144/1, कीग कोठी रोड,
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षयः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(स). इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कम्ये करने वा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(क) अन्तरण संहूर्द किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कम्ये करने वा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक्यों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
जया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

घर नं. 3-5-144/1, कीग कोठी रोड; हैदराबाद,
विस्तीर्ण 600 चौ गज, रजिस्ट्रीकॉर्ट विलेन नं. 3602/81,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, हैदराबाद

तारीख : 19-1-1982
मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भौतिक अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रध्य धा., दो० पृष्ठ० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 19 जनवरी 1982

आर. ये. सी. नं. 252/81-82—यत् मुझे, एम.
गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यू. विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- घ०
से अधिक है।

और जिसकी सं. प्लाट है, तथा जो साइदाबाद में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अझमपूरा, हैदराबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे कृष्णमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वांछित रूप से रखा नहीं फिरा गया है:—

(क) अन्तरण से ह्र० किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन यी अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुनिधा
ऋण;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के बनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री डी. रामकृष्णा राव पिता लेट डी. रामचंद्राराव,
पर्सनल असिस्टेंट, भारत हवेंटी प्लंटम् और हेसलस्
विशाखापटनम्।

(अन्तरक)

2. श्री के. एल. नरसीम्हा राव पिता शशाचलपती राव,
डायरेंटर आफ जीओलोजी, ओ. एन. जी. सी.,
305, शलाका हाउजीग सोसायटी, महार्षि कर्वा
गांड, नीयर सेकेंट्रीयट, बम्बई-21।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 18, विस्तीर्ण 608 चौ. गज, विनयनगर, को.-
आपरेटीव्ह हाउजीग सोसायटी, साइदाबाब, हैदराबाद, सर्व नं.
209, 217 और 218, वार्ड नं. 17, साइदाबाब, हैदराबाद,
रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं. 2296/81, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,
अझमपूरा, हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रँज, हैदराबाद

तारीख : 19-1-1982
मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 फरवरी 1982

आर. घ. सी. नं. 253/81-82—यतः मुझे, एस.
गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. घर है, तथा जो अशोकनगर, हैदराबाद में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्तर्भूति में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चीकडपल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थ है प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पावा गया प्रति-
कल विमलित उद्योग से उक्त अन्तरण मिलित में वास्तविक
इप से कानून नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ हूँ किसी वाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
आर/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उधारा (1)
में अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा—

1. श्री ए. क्षेत्र रंगा राव पिता लेट ए. के. प्रसाद
राव, 2-2-647/जी/14, बाग, अबरपेट,
हैदराबाद-500013।

(अन्तरक)

2. श्री ए. कृष्ण मूर्ती, (अड्डहांकोट), 1-10-243,
अशोकनगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 565.20 चौ. मी. (676 चौ. गज) घर नं.
1-10-243 के साथ, अशोकनगर, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चीकडपल्ली।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 1-2-1982
मोहर :

प्रलूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 फरवरी 1982

निर्देश नं. आर. ये. मी. 254/81-82--पा म.भे,
एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कि धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट नं. 207 है तथा जो लैरताबाद,
हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपावदूध अनुसूची में और^{पूर्ण रूप से वर्णित है}), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जून, 1981

कहे पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म.भे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतर्गत) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, पिछलियाँ उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कहीं नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सूचिधा
के लिए; और/या

(ख) उभी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती बबारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिणारे में
सूचिधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

8-496GH/81

1. मेरसर्स शहाजहान अपार्टमेंट्स, 6-2-974, लैरता-
बाद, हैदराबाद, वाइ श्री अहमद हाजी इब्राहीम,
फ्लैट नं. 505, मीनार अपार्टमेंट्स इकान टावर से
बनीरबाद, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती वहीदनीसा पति संथद अब्दूल लादर, जी.
पी. ए., श्री वही. एम. इमाम, 16-8-252,
कलाङ्गा, मलकपट हैदराबाद।

(अन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षणः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव भी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितद्वध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 207, दूसरी मंजिल, मेरसर्स शहाजहान अपार्ट-
मेंट्स नं. 6-2-974, लैरताबाद, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1106
वर्ग फ्लैट, रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं. 3554/81, रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी, हैदराबाद।

एम. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, हैदराबाद

तारीख : 4-2-1982

सांकेतिक

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 फरवरी 1982

आर. ए. सी. नं. 255/81-82—यतः मूर्ख, एस.
गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसमें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 2-3-742 है, नथा जो बाग अम्बरपेट,
हैदराबाद में स्थित है (और हमसे उपावदध अनुसूची में और
पर्याप्त रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुमूल्य प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अंतर्गतों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बाच एवं अन्तरण के नियंत्रण पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हृहर्ष किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया ८० रु. किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधीनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अस्तु:—

1. श्री एम. सत्यनारायण मूर्ती पिता लेट सुब्बा राव,
दर्गाबाद कोलनी, 2-2-20/1, बाग अम्बरपेट,
हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री अब्दुल रसीद पिता अब्दुल अभोज, 6-1-296
वेन्कटपूरम, मिकल्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइँ आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा गएगे।

स्वाक्षरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बर. नं. 2-3-742, बाग अम्बरपेट, हैदराबाद, भूमि
विस्तीर्ण 470 घो. गज. रजिस्ट्रीकर विलेन नं. 3775/81,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 6-2-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 8 फरवरी 1982

आर. ये. सी. न. 256/81-82—यतः मुझे, एस.
गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उच्चत अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स. प्लाट है, तथा जो नेलौर, बीट-1, नेलौर में
स्थित है (और इससे उपावध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नेलौर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रदूष प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
वाई/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहुए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, एकत्र अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्त् ८—

1. (1) श्रीमती अनसुया देवी पति टी. एन. रघुनाथ
रेडी, (2) श्रीमती शक्तिलम्मा पति टी. एन.
कृष्णा रेडी, जी. पी. ए., श्री बी. गोपालरेडी
पिता सूचरा रामी रेडी, मूलापेट, नेलौर शहर।
(अन्तरक)

2. (1) श्री टी. वेन्कट रमना रेडी, (2) श्री टी.
रामी रेडी, (3) श्री राष्ट्रवा रेडी, (4) श्री टी.
हरीश्वन्दा रेडी, सभी का पिता श्री लक्ष्मी नरमा
रेडी, सरस्वती नगर, दगामीटा, नेलौर शहर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाव भूमि से समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-
बदूष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

प्लाट, नेलौर शहर, विस्तीर्ण 6616 चौ. गज, नेलौर में
स्थित है, प्लाट न. 147 से 149, 156 से 158, 152 से
153, 159 से 163, रजिस्ट्रीकूल विलेख नं. 1988/
81, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नेलौर।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 8-2-1982
मोहर

प्रस्तुत गाइड-टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 फरवरी 1982

आर. ये. मी. न. 257/81-82—यतः मुझे, एस.
गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी मूल और गोदाम है, तथा जो क्रबाला कोठा,
मदनापल्ली तालूक में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसंधी
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, मदनापल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :—

1. श्री टी.एन. अरविन्द रेड्डी पिता श्री टी.एन.
वेन्कट सब्बा रेड्डी, गांधी रोड, कमनापल्ली गांव,
मदनापल्ली पोस्ट और तालूक, चीतूर जिला।
(अन्तरक)
2. श्री नेलौर नारायणना रेड्डी पिता सब्बा रेड्डी,
एम.डी. श्रीनीवासा स्वीनींग मील्प्रा.लि.,
श्रीनीवासनगर, कुरबालाकोटा, पी.ओ. और गांव,
मदनापल्ली तालूक, चीतूर जिला।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निम्नित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मदनापल्ली

मील और गोदाम, कुरबालाकोटा, मदनापल्ली तालूक,
विस्तीर्ण 6390 चौ. फूट और सुला भाग 710 चौ. गज,
रजिस्ट्रीकृत विलेय न. 2861/81, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,
मदनापल्ली।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, हैदराबाद

तारीख : 8-2-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 फरवरी 1982

आर. ये. सी. नं. 258/81-82—यतः मुझे, एस.

गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी मं. 3-6-111/7 है, तथा जो हीमायतनगर, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अन्सूची में और पर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रीसेफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1. श्री मनसुर अहमददीन, घर नं. 3-6-111/7, हीमायतनगर, हैदराबाद। (अन्तरक)
2. श्रीमती अमतूल जहरा साबीहा, घर नं. 3-6-111/7, हीमायतनगर, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तात्पुरता से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं तथा उनका वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गया है।

(क) अन्तरण से हैर्स किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमों करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने प्रें सुविधा के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

मनसुर

घर नं. 3-6-111/7, हीमायतनगर, हैदराबाद, विस्तीर्ण 314-34 चौ. गज, रजिस्ट्रीकूट विलेस नं. 3442/81, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, हैदराबाद

तारीख : 9-2-1982

मोहर :

प्रलूप बाहर.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 फरवरी 1982

आर. ये. सी. नं. 79/81-82 काकीनाडा स्कॉड—यतः
मूल्य, प्र०. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मूल्य असेसमेन्ट नं. 6280 है, तथा जो ओंगलनगर
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अन्मूल्यी में और पूर्ण स्थान
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगल नगर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 19 जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मालिकानक
रूप से कथित रहो किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) द्वारा उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा ग्रेक्ट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ——

1. (1) श्री एल. बेन्कटसूब्बा रेड्डी पिता गमाकृष्णा
रेड्डी, (2) श्री एन. अल्लापोरेड्डी, आवीनारायण
रेड्डी पिता बेन्कट सूब्बा रेड्डी, (3) डा. एल.
बेन्कट रमना रेड्डी, पिता सुन्दरा रामेरेड्डी (बाई
जी. पी. ए.), श्री लिंगारेड्डी, पद्मनाभ रेड्डी
पिता सुन्दर माह रेड्डी), (4) श्री एम. पद्म नाभ
रेड्डी पिता सुन्दरारामी रेड्डी, करंडु गांव,
कोडकर तानूक, जिला प्रकाशम।

(अन्तरक)

2. श्री उमा नाइडु पिता बेन्कटसैवरलू, सरंथ
प्रोडक्शन्स, 13, वाल्मीकी स्ट्रीट, टी. नगर,
मद्रास-17।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए,
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आश्रेष्ट :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्स्वधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में मैं किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किए अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

सम्पर्क सीनेमा गृह, ओंगल नगर, ओंगल नगर निगम बाड़ी
नं. 6-टी. एस. ब्लॉक 10, टी. एस. नं. 461, असेसमेन्ट
नं. 6280, रजिस्ट्रीकृत विलेस नं. 2505/81, रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी, आगल नगर।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 8-2-1982

मेर्हर :

प्रस्तुप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 फरवरी 1982

आर. ये. सी. नं. 80/81-82 काकीनाडा स्कॉड—यह:
मूल्य, एस. गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं. प्राना वार्ड 6 है, तथा जो नया नार्ड नं.
12, कोधापटा, जी. टी. आर. में स्थित है (और इसमें उप-
बद्ध अनुसूची में और पृष्ठ रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, गुंटूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 जून, 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
उक्ते का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल या
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिक्ती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आप-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधित्यम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्रीमती कौडाबालू बेन्कट सुब्रह्मण्या पर्ति डा. के. बसवा
पून्या, पुराना वार्ड नं. 6, नया वार्ड नं. 12,
ब्लॉक नं. 4, टी. एम. नं. 394, कोधापटा, गुंटूर।
(अन्तरक)
2. श्रीमती बी. लक्ष्मी पर्ति डा. बी. मुर्यनारायणा,
पुराना वार्ड नं. 6, नया वार्ड नं. 12, ब्लॉक नं.
4, टी. एम. एन. नं. 394, कोधापटा गुंटूर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूल्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टोकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृसूची

इमारत का दूसरा मजला, जिसका प्राना वार्ड नं. 6 और
नया वार्ड नं. 12, ब्लॉक नं. 4 और टी. एम. एन. नं.
394 है, जो कोधापटा, गुंटूर में स्थित है, रजिस्ट्रीकर्ता
दिलेख नं. 6268/81, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, गुंटूर।

एस. गोविन्द राजन

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, हैदराबाद

तारीख : 8-2-1982

मोहर :

प्रलूप बाई टो.एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 फरवरी 1982

आर ये सी न 81/81-82 काकीनाडा रकाउंड-थल
मूझे, एस गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी स 95-1वी और 96-ए है, तथा जां नलीपाड़-
गाव, गुट्टर में स्थित है (और इससे उपादान अनुमति में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
गुट्टर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जून, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत में अधिक है और अतरक (अतरकों) और अतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

1. श्रीमती एन. सावीत्री पति लेट सीतारामांजनेयूल,
16-2-648/4, नया भलकपेट, हैदराबाद।
(अतरक)
2. श्री बजरग जूट मीलम् ति, गोग रोड, गुट्टर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र से प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
व्यक्ति बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित भौं किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:-—इसमें प्रयुक्त सब्जें और पद्धों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से है जिसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

भूमि विस्तीर्ण 0 50 एकर न. 95-1 वी और 96-ए,
नलीपाड़-गाव, गुट्टर, रजिस्ट्रीकर्ता विलेख न 7438/81,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, गुट्टर।

एस गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

अत अथ उन अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

तारीख 8-2-1982
मे हर

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 8 फरवरी 1982

निवेश नं. आर. ये. सी. नं. 82/81-82 काकोनाडा
स्टेट—यतः मुझे एस. गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावरर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 95-1-बी 7 और 96 ए है, जो नीलीपाड़ गांव
गूंटूर में स्थित है (और इससे उपादवध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गूंटूर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन जून, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके उद्यमान प्रतिफल से, ऐसे उद्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिष्ठात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः आब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
9—496GI/81

1. श्री ए. वैकटरामाराव (2) सीतापत्ती राव (3) वैकट
साह सीधार्था और (4) वयजयंती बाई जी. पी. ए.
ह. हनुमंत राव पिता-लेट सीतापत्ती राव, एडवोकेट,
16-1-310/14/6, सलीमनगर कलनी, नया
मलापेट, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री बजरग जूट मील्स लि., रिंग रोड, गूंटूर।
(अन्तरिती)

के यह सूचना आसी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
सिद्धित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि 1.00 एकड़ नं. 95-1-बी और 96-ए नीलीपाड़ गांव,
गूंटूर। रजिस्ट्रीकर विलेल नं. 7439/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी गूंटूर।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, हैदराबाद

तारीख : 8-2-1982
मोहर :

प्रह्लप आई० टी० एम० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा।

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 फरवरी 1982

निदेश नं. आर. ये. सी. नं. 83/81-82 काकोनाडा
स्काउ—यतः मुझे एस. गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी नं. 95-1-बी 7 और 96 ए है, जो नलीपाड़ गांव
गुंटूर में स्थित है (और इससे उपादव्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुंटूर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन जन, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दूष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा यात्रा गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियमित में वास्तविक रूप से किए
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्तकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः आप, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री ए. हनुमतराव पिता लेट सीतापती राव, 16-11-
310/14/6, सलीमनगर कालोनी, नया मालक पटे,
हैदराबाद। (2) श्री ए. श्रीनिवास प्रबाकर सीता-
पती राव पिता हनुमत राव, 16-11-310/14/
6, सलीमनगर कालोनी, नया मलकपटे, हैदराबाद।
(अन्तरक)

2. श्री बजरंग जूट मिल्स लि., रिंग रोड, गुंटूर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में
समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिस्तानकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अन्तर्याम 20 ग्राम में परिभाषित है,
वही अर्थ द्वारा, जो उम्मीदवार में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 1.00 एकड़ नं. 95-1 वी और 96 ए नलीपाड़ गांव,
गुंटूर, रजिस्ट्रीकूट विलेख नं. 7440/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी गुंटूर।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-2-1982
मोहर :

प्रसूप आइ. टी. एन. एस.-----
प्राय पर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 फरवरी 1982

निदंश नं. आर. ये सी न. 84/81-82 काकीनाडा
स्काउ—यतः मुक्ते एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
प्रधीन मन्त्र प्राधिकारी द्वारा, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से
पर्याप्त है

और जिसकी सं. 33/1 और 33/4 है, तथा जो तजला मुड़ी गांव
में स्थित है (और इससे उपादवध अनुसूची में और पर्णस्तुप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, येलूर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रमत्तित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल न, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रमत्तिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रमत्तण लिखित में वास्तविक
हो से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रबिन्दियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय प्रा किसी धन या अन्य ग्राम्यतयों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रमत्तिनी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विठ्ठल माधवराव पिता आनंद रायड और श्री
विठ्ठल वेकट राव पिता माधवराव, वोनो ताजेल-
मुड़ी, येलूर तालुक के निवासी हैं।
(अन्तरक)
2. मेसर्स इस्ट इंडिया कमरशीयल को. प्रा. ति.
येलूर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके युवौक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्याद्वयों करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षण :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
भमान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरो के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रायः पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20-क में यथा परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा, जो उम अन्याय में
बिया गया है।

अनुसूची

भौम 4.34 एकड़, टी. एस. नं. 33/1 और 33/4, 1
ताजेल मुड़ी गांव, येलूल तालुक, नगरपालिका का भाग, वाड
नं. 201 रजिस्ट्रीकृत विलख नं. 3559/81 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी येलूर।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 9-2-1982
मोहर :

प्रस्तुप बाई. टी. एस. एस.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, हैवराबाद
 हैवराबाद, दिनांक 9 फरवरी 1982

निवेश न आर ये सी न 85/81-82 काकीनाडा
 स्काउ—यस मुझे एस गोविन्द राजन,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु से अधिक है
 और जिसकी स 119/1ए है, जो तजेलमूडी गाव,
 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पर्णरूप में
 वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, येलूर में
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
 जून, 1981

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके द्वामान प्रतिफल से ऐसे द्वामान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
 पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 वायिल में कसी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
 अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
 जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
 में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन: —

- 1 श्रीमती के राजेश्वरी पति नागेश्वरा राव तजेलमूडी
 (अन्तरक)
- 2 मंसरे इस्ट इंडिया कमरशील का प्रा नि
 येलूर।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहीहो करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्योप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

जनसूची

सपत्ति तजेलमूडी गाव, येलूर, नगरपालिका भाग,
 1-61 एकड़, आर. एस न 119/1 ए। रजिस्ट्रीकृत -विलेख
 न 3560/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी येलूर।

एस गोविन्द राजन
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रँज, हैवराबाद

तारीख 9-2-1982
 माझेर।

प्रकल्प ग्राही० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 फरवरी 1982

निदेश नं. आर. ये मी. न 86/81-82 काकीनाडा
स्काउ—यतः मुझे एस. गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. में अधिक है

और जिसकी सं 140/1 है, जो तंजेलमड़ी गांव,
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, येलूर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बीउ/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिस्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती ए. चीनम्मा पति अपलास्वामी, रुजमंडी।
(अन्तरक)
2. मर्सर्स इस्ट इंडिया कमरशीयल को प्रा. ति. येलूर।
येलूर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्स्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम निर्मित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति, तंजेलमड़ी पंचायत, येलूर नगरपालिका भाग,
2 29 एकड़, आर एस नं. 140/1 रजिस्ट्रीकूट विलेस नं.
3569/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी येलूर।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 9-2-1982

मोहर :

प्रस्तुत प्राईटोरी एवं एच०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, हैदराबाद
हैदराबाद, विनाक 9 फरवरी 1982

निदेश नं. आर. वे. सी. नं. 87/81-82 काकोनाडा
स्कॉड—यह: मुझे, एस. गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
को धारा 269-व के अधीन यथार्थ प्राप्तिकारी को यह
विश्वास फरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उक्ति बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है
और जिसकी सं. आर. एस. न 139/3 है, जो तंजेलमूडी गांव
में स्थित है (और इससे उपायकरण अनुसूची में और प्रणीता से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, येलूर में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, जून, 1981
को पूर्वोन्नति नियन्त्रित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि प्रायुक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके उत्पातन प्रतिकल में, ऐसे उत्पातन प्रतिकल का उचित
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (ग्रन्तकर्ता) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये नया पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उत्तरण से उक्त अन्तरण लिखित में
वाचनिक रूप से नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक ने
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिये जोर दिया

(ख) ऐसी किसी आव या किसी धन मा अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) द्वा उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया
जाना चाहिए था, तिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपबारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिक:—

1. श्री टी. नरसव्या पिता सीतान्ना, येलूर।

(अन्तर क)

2. मसर्स इस्ट इंडिया कमरशियल को, प्रा. लि.।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोन्नति सम्पत्ति के अवधि
के लिए कार्यान्वयन करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोन्नति
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोटोक्लर के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण : —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो इक्षत
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तंजेलमूडी गांव, येलूर, नगरपालिका भाग,
1-31 एकड़ आर. एस. नं. 139/3 रजिस्ट्रीकृत विलेख नं.
3570/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी येलूर।

एस. गोविन्द राजन
सभाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, हैदराबाद

तारीख: 9-2-1982

मोहर :

प्र० प्र० आठ० टौ. एन. एम. -----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 नं. 43) को धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 फरवरी 1982

निवेश नं. आर. ये. सी नं. 88/81-82 काकीनाडा स्कॉड—यह: मुझे एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं. 141/3 है, जो तंजेलमूडी गांव में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुमती में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, येलूर में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन 19 जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्ट में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्राहितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. कहीं पेंदा आपाराव और श्री क्षीरा चीमा आपाराव दानों के पिता लेट पेंद्या, तंजेलमूडी।
(अन्तरक)2. मेसर्म इस्ट इंडिया कमरशीयल को. प्रा. लि.
येलूर।

(अन्तरिती)

कि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बजन के लिए कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में में किसी वाकिन के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में तिन बद्द किमी अन्य अवित्त द्वारा प्रयोगस्थानकरी के पास नियित में किए जा वाकें।

लिंगटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मंपत्ति तंजेलमूडी गांव, येलूर, नगर पालिका भाग, 1.78 एकर, आर. एस. नं. 141/3 रजिस्ट्रीकृत विलेस नं. 3573/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी येलूर।

एस. गोविन्द राजन
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, हैदराबाद

अतः प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की उपधारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिद्धत व्याकरणों, वर्णतः ५—

तारीख : 9-2-1982
मोहर :

प्रस्तुप बाईं.टी.एन.एस.-----

श्राविनी प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 9 फरवरी 1982

निवेश नं. आर. ए. सी. नं. 89/81-82 काकीनाडा स्टॉड—यह मुझे, एस. गोविन्द राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि रथावर सम्पर्क, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. 141/6 है, जो तंजेत मुड़ी गांव में स्थित है (और इसमें उपायदृष्ट अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, येलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्य प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हूई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेते के अन्तरक के वार्षिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्तमान वर्तमान

1. श्री एन. रामाराव पिता लेट सत्यनारायण, नन्नावारी स्ट्रीट, येलूर

(अन्तरक)

2. मेसर्स इस्ट इंडिया कमरेशियल क. प्रा. लि. येलूर।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयन करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वापरेषः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश्वध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यकारण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति तंजेलमूडी गांव, येलूर, नगरपालिका भाग, 1.35 आर. एस. नं. 141/6, राजस्ट्रीकृत विलेस नं. 3576/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी येलूर।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, हैदराबाद

तारीख : 9-2-1982
मोहर :

प्रस्तुप बाई. ट्री. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 फरवरी 1982

निदेश नं. आर. ये. सी. न. 90/81-82 काकीनाडा
स्कर्ड—यतः मूर्ख एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आर. एस. नं. 120/2 है, जो तंजेलमंडी
गांव, येलूर तालूक स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में
और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्न अधिकारी के कार्यालय,
येलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, 19 जून 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है इसे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10-496 GI/81

1. श्री एन. सीतारामस्या आर. एन. गंगारत्नम नाबालीग
पुत्र और पूत्री हॉने के नोता बाइ उनके पिता श्री
एन. पाथूराज् पिता लेट मनस्या और एन. नागमनी
पर्न पांथूराज्, येलूर।
(अन्तरक)

2. मेसर्स इस्ट इंडीया कमरिशल का. प्रा. लि.
(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तमील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति तंजेलमूडी गांव, येलूर, नगरपालिका भाग,
5.40 एकर आर. एस. नं. 120/1, 120/2 और
120/31 रजिस्ट्रीकूत विलेन नं. 3586/81 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी येलूर।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, हैदराबाद

तारीख : 9-2-1982
मोहुः :

प्रस्तुप प्राई० टी० एम० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 फरवरी 1982

निम्नलिखित नं. आर. ये. सी. नं. 91/81-82 काकीनाडा स्कॉड—यत् भूमि, एस. गोविन्द राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), जिसे इसमें दृश्यमान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. 140/3 है, जो तंजेलमूडी गांव, येलूर तालूक में स्थित है (और इसमें उपादवध अनुमती मैं और पर्णमिष से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, येलूर में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में है किसी आय की नावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने में संविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिस जाता था वाहिन था, जिसने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति एम. गोस्मा पति लेट लक्ष्मना, तंजेलमूडी गांव, येलूर तालूक। (2) श्रीमति जी, रगस्मा रगाराव, तंजेलमूडी गांव येलूर तालूक।
(अन्तरक)
2. मेसर्स इस्ट इंडिया कमरशीयल का. प्रा. लि येलूर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना वाली लासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में भूमान हांडी हो, है भैंटर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से निम्नी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्सदृष्टि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पास लिखित में लिख जा सकता।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति तंजेलमूडी गांव, येलूर नगरपालिका भाग, 1.45 एकर, आर. एस. नं. 140/3। रजिस्ट्रीकर्ता विलेस नं. 3595/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी येलूर।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, हैदराबाद

तारीख : 9-2-1982
माहर []

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 फरवरी 1982

निदेश न. आर. घ. सी. नं. 92/81-82 काकीनाथ
 स्कॉड—यतः मुझे, एस. गाविन्द राजन,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है
 और जिसकी मं. 119/2 है, तंजेलमूडी गांव, येलूर तालूक
 में स्थित है (और इसमें उपावद्वध अनुसूची में भी एवं पर्णम्बूष्ठ में
 वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अंगिकारों के कार्यालय, येलूर में
 भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
 अधीन जून, 1981
 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
 (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
 फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
 सुविधा थी लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
 में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपकारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्रीमती डी. रमलक्ष्ममा पति श्री डी. सत्यनारायण
 और श्री डी. सत्यनारायणा पिता अंजना मद्ददी-
 पालम, विशालापटनम, बाद पादर आफ अटार्सी
 हॉल्डर श्री मंगुगुमाला, नगेस्वर राब पिता लेट श्री
 बीर राधव्या, तंजेलमूडी गांव, येलूर तालूक।
 (अन्तरक)

2. मेसर्स इस्ट इंडिया कमरशील कं. प्रा. लि.
 येलूर।

(अन्तरिता)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
 कार्यवाह्यां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
 सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद भी समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

संपत्ति, तंजेलमूडीगांव, येलूर नगरपालिका भाग 3.44
 पक्का, आर. एम. नं. 119/2, 1 रजिस्ट्रीकॉर्ट दिल्ली नं.
 3908/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी येलूर।

एस. गाविन्द राजन
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 9-2-1982
 मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 फरवरी 1982

निदश न. आर.ए. सी.न. 93/81-82 काकीनाडा
स्कॉड—यत मुझे, एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ वा अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि यथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 141/4 और 119/1 बी है, जो तंगेलामुडी
गांव, येलूर तालक मा स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्-
सूची में जा/पूर्णस्पष्ट में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, येलूर मा भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन जून 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती
(अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है ॥--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, उत्तर
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अस अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा १(1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्त्ततः---

1 श्रीमती कोटीलीगम्मा पति लेट सी. एच. कोटप्पा
अलीयास कोटप्पा (2) सी. एच. राजेस्वराराव
पिता लेट सी. एच. कोटप्पा अलीयास कोटप्पा (3)
(3) श्रीमति के राजयालक्ष्मी पति चीनाराव (4)
सी. एच. गंगाधरराव (5) सी. एच. येजन्धरराव
(6) सी. एच. योगानन्द एस. न. 4, 5 और 6
लेट कोटप्पा अलीयास कोटप्पा के पत्र हैं। बाइ
मा और पालक कोटीलीगम्मा (7) सी. एच.
मोमेश्वरी (8) सी. एच. पल्लम्मा एस. न. 7 और
8 चीता कोटप्पा की नडकीयां हैं। बाइ माता और
पालक कोटीलीगम्मा तजेलमूडी येलूर तालूक।

(अन्तरक)

2 मेरसे इस्ट इंडिया कमरशीयल को. प्रा. लि.
येलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के तिए
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति, तजेलमूडी गांव, येलूर नगरपालिका भाग 4.60
एकड़ आर. एस. न. 119/1 बी रजिस्ट्रीकृत विलेख न.
3921/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी येलूर।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रँज, हैदराबाद

तारीख . 9-2-1981

माहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, हैदरगाबाद

हैदरगाबाद, दिनांक 9 फरवरी 1982

निदेश नं. आर. ये. सी. नं. 94/81-82 काकीनाडा
स्टॉड—यह मर्फ़े, एस. गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), वी धारा
269-ब के अधीन न्याय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि +थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी म 11-10-23 से 11-10-31 है जो राजमंडी
में स्थित है (और इसमें उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के द्वारा न्याय, राजमंडी में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्फ़े यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आद या किसी न या अन्य जास्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

1. दी आंध्रा एन्हेंजीलीकल लूथने चर्चा (ए. इ. आई.
सी.) गूट्टूर बाह आध्यक्ष डा. एस. इव्ल्यू स्कीटनर,
गूट्टूर।

(अन्तरक)

2. मेसर्स कोस्टल पेंर्स लि. 11-10-27, रीवर दाले
कम्पाउंड, गांड टक रोड, गजमंडी-533104।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों भी से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

इमारतों का नं. 11-10-23 से 11-10-31 राजमंडी
नगरपालिका बाड़ नं. 7 में स्थित है। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं.
3126/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजमंडी।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रोड, हैदरगाबाद

सारीस : 9-2-1982

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्याख्यायों, अर्थात् :-

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी, 1982

निदेश नं. आर. ये. सी. नं 259/81-82—यतः मुझे,
एस. गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन वक्तव्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है नि-स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है

और जिसकी मं. 5-3-590 में 596 है, जो तापालाना, हैदराबाद मं. स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची मं. और पूर्णस्तुति सं. वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद मं. भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे पृथक् विश्वास करने का कारण है कि यात्रुवर्कत मानि का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसा अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्टरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) घन्टरण से हुई किसी धार्य की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धार्य या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री टी. लक्ष्मनकुमार पिता टी. रामलू, 1-1-231/2/ए, चौकडपल्ली, हैदराबाद।
(अन्तरक)
2. कुमारी पदमा पिता पांडीरी शंकर राव, 15-2-444, किशनगंज, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहिंशा करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस युक्ति के राजाव या प्रतापान की नारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस युक्ति के राजाव में प्रकाश की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोद्स्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

घर नं. 5-3-590 में 596, तोपखाना, हैदराबाद। विस्तीर्ण 141-22 खोणगंज। रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं. 3654/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

तारीख : 10-2-1982
मोहर :

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज़, हैदराबाद

प्रस्तुप प्राइ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 फरवरी 1982

निदेश नं. आर. ये. मी. 260/81-82—यतः मूँहे,
एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं. 1/3/183/40/ए है जो गांधी नगर,
हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अन्सूची में और
पर्यालय से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का फूटद्वय प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रतिरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए यह पाया गया प्रतिकल, निम्ननिविर
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निरिक्षा में वास्तविक रूप से कठित
महीने, या गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 260-ए की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री ए. सत्यनारायण पिता श्री मूँकन्दरायू॒डू, 8-3-
1047, श्रीनगर कालोनी, हैदराबाद-500034।
(अन्तरक)
2. (1) श्री पी. परमेश्वर यादव पिता पी. मायन्ना
यादव
(2) श्रीमति पी. विमलम्मा यादव पति परमेश्वर
यादव
(3) श्री पी. कृष्ण यादव पिता परमेश्वर
यादव
(4) श्री पी. गोपाल यादव पिता परमेश्वर
यादव
(3 और 4 के जी. पी. ए. श्रीमती पी.
विमलाम्मा यादव है।) 23-6-768, कन्तुलाल
बाला, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
नियंत्रणालयीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दर नं. 1-3-183/40/ए, गांधीनगर, हैदराबाद, विस्तीर्ण
1207 चौ. मी. । रजिस्ट्रीकूत विलेन नं. 3586/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-2-1982
मोहर :

प्रकल्प लाई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, पुना

पुना, दिनांक 11 फरवरी 1982

निदौसं. ए/एस आर हवेली-।।/जून 81/564-81-82—
यतः भुझे, आर. के. अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. में अधिक है

और जिसकी सं. नं. 25 प्लाट नं. 38 है तथा जो हैप्पी
कालीन, कोणडा पृष्ठ-29 में स्थित है (और इसमें उपादान
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय द्वायम निवांधक हवेली ।। में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दद्यमान प्रतिफल से, ऐसे दद्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हट्ट किसी आय की बावजूद उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) जसवंत बापुजी कामत
(2) सुबोध बापुजी कामत
(3) श्रीमती सुभादार्ह आर. नाडकणी
(4) मिसेस उषा जी वायगेनकर
(5) मिसेस मुधा प्रभू राजाध्यक्ष
(6) मालती आर. ब्रह्मे सर्व 433/11, सोमवार
पैठ, पूर्ण।

(अन्तरक)

2. मदाफुली सहकारी गृहरचना मंस्था मर्यादित 703
गंज पठ पूर्ण-2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किरी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो प्लाट नं. 38, सं. नं. 2 एस हैप्पी कालीन
कोणडा, पूर्ण 29 में स्थित है। जिसका क्षेत्र अंदाजे 9555
मैट्रि. फिट है।

(जैसे की रजिस्ट्रीकरण दिनेव नं. 3495 जो जून 1981 में,
दुम्यम निवांधक हवेली ।। के दफ्तर में लिखा है।)

आर. के. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेज़, पुना

तारीख 11-३-८२
मोहर :

प्रस्तुप आई टो एन. एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत नगरपाल

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, पूना

पूना-411004, दिनांक 11 फरवरी 1982

निदेश सं. ए 5/एम आर धने/जून 81/565/81-82--
यतः मर्भे, आर. के आगरवाला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. न 571/ए-1, प्लाट न 9, 10, 11, 45, 46, 47, 50, 51 है तथा जो धने सं स्थित है (आर इसमें उपादान अनुमती मर्भे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दस्यम निवधक धने मर्भे, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मर्भे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवृक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदूष प्रतिशत म अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण म हुई किसी आय की बाजत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में समी करने पा समसे बचते में, मुक्तिधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी फ़िसी आय पा फ़िरी बन या अन्य आस्तियों तो जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या दिग्नामी राहिए था, फ़िपाने में मुक्तिधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मर्भे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

11—496GI/81

1. श्रीमती शान्ताबाई सिद्धाप्पा कानडे आगरा पथ, डॉ मिराजकर मकान के नजदीक धने।

(अन्तरक)

2. श्री किम्बनाराय कोडाजी मराठ, चंबरमत्र प्राध्यापक स्व. समाप्ता मोंगलाईकर कामगार सहकारी गृह निर्माण संस्था मर्यादित द्वारा एस के. मराठे, श्री शिवशंकर गृहरचना संस्था, प्लाट न. 62 दूसरी मंजिल, धने।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रक्रिया में कोई भी आक्रोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ग्राहोदत्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

सूची जमीन जो मं न. 571/ए-1 प्लाट न. 9, 10, 11, 45, 46, 47, 50 और 51 धने सं स्थित है।

(जिसे की रजिस्ट्रीकूत विलेख के 2530 जो जून, 1981 में दस्यम निवधक धने के दफ्तर में निलिपि है)।

आर के. आगरवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रँज, पूना

तारीख 11-2-82
मोहर :

प्रलग्न आहू टी एन एस -----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 11 फरवरी 1982

निवेदा सं 5/एस आर धूले/जून 81/566/81-82—
यत मुझे, आर के आगरवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु से अधिक है
और जिसकी सं 571/ए-1, प्लाट नं 1, 2, 3, 4, 5,
6 और 8 है तथा जो धूले में स्थित है (ऐसे इसमें उपावद्ध अन्त-
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, दम्यम निबध्न धूले में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981
का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एन्ड्रु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कठित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हूँ इसे किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिलयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती दबारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1 श्रीमती मौ महानदा महादेव ढोरे आया ८३, उत्तरकर मकान के नजदीक धूल।
(अन्तरक)

2 श्री किशनगव कांडाजी मराठा, उत्तरमैन प्राध्यापक
के समाप्त मागलाईकर कामगार महकारी गह
निर्माण संस्था मर्यादित, द्वारा—एस के मराठे,
श्री शिवरावती गहरचना संस्था प्लॉट नं 62, दमरी
मजिल धूल।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

लुली जमीन जो सं 571/ए-1, प्लाट नं 1, 2, 3, 4,,
5, 6 और 8 जो धूले में स्थित है।

(जिसे की रजिस्ट्रीकर विलेंस क्र 2529 जो जन., 1981 में
दम्यम निबंधन धूल के दफ्तर में लिखा है)।

आर के आगरवाल
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख 11-2-82
मोहर

प्रस्तुत आई. टी. एन., एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

1. श्री बन्सीलाल मोतीलाल मूर्था गणेश वाडी, अहमद-
नगर।
(अन्तरक)
2. श्री शंतीलाल चंदनमल भंजारी मकान नं. 2375,
पारशा खुट अहमदनगर।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, पूना

पूना-411004, दिनांक 11 फरवरी 1982

निवेश सं. आई.ए. सी/सी.ए. 5/एस आय अहमदनगर/जून
81/567/81-82—यतः म.भे, आर. के. अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं. म्यु. म. नं. 2375 और 2376 है तथा जो
सि. म. नं. 1140 और 1139 है तथा जो अहमदनगर शहर
में स्थित है (और इससे उपायदृष्ट अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दूर्यम निबंधक
अहमदनगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जून, 1981 को

पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान को
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म.भे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उत्तरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
क्षयाल्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

खुली जमीन और उपर की इमारत जो सि.नं. 1140
म्यु. म.नं. 2375, सि.म.नं. 1139 म्यु.म.नं. 2376.
शहर अहमदनगर में स्थित है।

(जैसा की रजिस्ट्रीकूत विलेख क्र. 1746 जो जून, 1981 में
दूर्यम निबंधक अहमदनगर के वफ्तर में लिखा है)।

आर. के. अग्रवाल
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, पूना

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्न लिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 11-2-82

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के पश्चीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, पूना

पूना-411004, दिनांक 15 फरवरी 1982

निदंश सं. सी ए 5/एस आर नामिक/जून 81/569/81-82—यतः सु. भै. आर. के. अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के पश्चीन समाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं. सि. स. न. 617/3सी प्लाट नं. 7 है तथा जो
नासिक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, नासिक
मं., राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकूल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिकूल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
रही किया गया है।—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम; या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों; प्रथमतः—

1. श्री यशवन्त नारायण विंध्यकर 13, हरीभक्ती एकाटन्शन बरोडा (गुजरात राज्य)।
(अन्तरक)
2. श्री मोनहर एम. बापवे श्रीमती मिनाक्षी मोनहर बापवे 429/2, वकिल बाडी नासिक।
(अन्तरिती)

को यह सूचना बारो फरक पूर्वोक्त नियमि न अर्जन के
विषय कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्बति के प्रत्येक के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की प्रवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नियमि में दित्त—
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोद्देश्याकारी के पाप लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों यौः ८३ ला. जो उक्त प्रविनियम, न अध्यात १०-के में परिभाषित है, वही कथ्य होगा, जो उपराय में १३या राया है।

अनुसूची

सूली जमीन और उपर की इमारत जो सि. स. न. 617/3सी प्लाट नं. 7, नासिक में स्थित है। और जिसका क्षेत्र 660 एकड़स है।

(जैसे की राजस्ट्रीकृत विलेख क्र. 2711 जो जून, 1981 में दृश्य निवंधक नासिक के दफ्तर में लिखा है)।

आर. के. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रँज, पूना

तारीख : 15-2-82
भोहर :

प्रस्तुति बाई. टी. एन. एस.-----

1. श्रीमती लालो परी और दूसरा।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती कमला भारगीज।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 5 फरवरी 1982

निक्षेप म 1003/एवं आर-111, 81-82/कलकत्ता-
यत मुझे, एम आहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. में अधिक है।

और जिसकी म 1ए है तथा जो वालिगंज मारकलाल रोड,
कलकत्ता स्थित है (और इसमें उपबद्ध अन्तर्मुची में और पूर्ण रूप
रूप म अविंत है), ग्रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 26-6-1981
को पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में प्राप्त दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरको) और अतिरिक्ती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-घ के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों व्याप्ति:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त समान्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख म 45
दिन की अवधि या तत्त्वावधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध दिली अन्य अदित द्वारा विद्वान्तरणों के
पास निश्चित गं किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्तर्मुची

फ्लाट म 37, 1ए, वालिगंज मारकलाल रोड, कल-
कत्ता।

एम. आहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, कलकत्ता

तारीख : 5-2-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. ——

1. श्री प्रदीप कुमार दाम।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

2. अमवर प्रोफरटीस प्रा. लि. ।

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एक्स्ट्रारा कार्यवाहियां करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 फरवरी 1982

निदशासं. 1004/एक्वी. आर-।।।/81-82/कलकत्ता—
यतः मुझे, प्रम्. अहमद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है
और जिसकी स. 25 हेतु जो वाटरलू स्ट्रीट, कलकत्ता मा स्थित
है (और इसका उपावदाध अनुमती मा और पूर्ण रूप में वर्णित है)
रजिस्ट्रेशन आपकार्य के कार्यालय, कलकत्ता मा, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
24-६-१९४।

को पूर्वोंक्त संदर्भों के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का दारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत भ अधिक है और अन्तरक (अन्तर्गतों) और
अन्तरिक्षी (अन्तर्गतिया) के बीच एंस अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यक्रम में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) एमी ईमी आय या ईमी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मुद्दिधा के लिए;

25, वाटरलू स्ट्रीट, कलकत्ता 1 बी-8 सी एच जमीन पर
मकान (1/18 शेयर) दलिल सं. 5280।

एम. अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, कलकत्ता

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण
में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 9-2-1982
मोहर :

प्रस्तुप थाई.टी.एन.एस.-----

1. श्रीमती निर्मला राजेश देवी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती जयोत्स्ना लाहा।

(अन्तरक)

भारत राजदूत

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन राज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 फरवरी 1982

निदंश म. 1005/एक्वी. आर-111/81-82/कलकत्ता—
यतः मृक, एम. अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सकार प्राधिकारी को यह विवेसास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी में 41/1 पर है तथा जो विभिन्न बन्दोपाध्याय
सरनी स्थित है (और इसमें उपादान अनुसूची में और पर्ण मूल्य
में वर्णित है), गणस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, कलकत्ता तारीख 15-6-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवेसास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि याव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियुक्ताएः।

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृष्ट
किसी अथ व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण में है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

41/1 प., विभुति बन्दोपाध्याय सरनी, कलकत्ता, 1 के-10
मी एस जमीन पर मकान।

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भूविधा
के लिए;

एम. अहमद
सकार प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन राज, कलकत्ता

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अस्ति:—

तारीख : 9-2-1982
मांहर :

प्रृष्ठ पा० ३२० टी० एन० एस०

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

स्थायीलय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-111, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 10 फरवरी 1982

निदेश स. 1007/एक्यू. आर-111/81-82—यत् मैथ्रे,
एम. अहमद,

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सभी प्राविकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर नीति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में प्रधिक है

और जिसकी सं. 32 है तथा जो देवदर स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इसके उपादान अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), ग्रजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, ग्रजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-6-1981

को पूर्खोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथा पूर्खोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्ननिमित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

श्रीमती रनका दाम।

(अन्तरक)

2. श्री अजय कुमार सारफ और दम्भग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्खोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्खोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-व में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

32, देवदार स्ट्रीट, कलकत्ता 4 के-2 मी एच जमीन पर
मकान।

(व)ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन्दकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में अविभाव के लिए;

एम. अहमद

सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-111, कलकत्ता-16

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

तारीख: 10-2-1982
मोहर [■]

प्रूफ आई. टी. एन. एस. -----

1. श्री गिरीश कुमार।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-ब (1) के प्रधीन सूचना

2. इन्द्रसन्म कार्पोरेशन।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 फरवरी 1982

निदर्शन सं. ए सी-45/आर-1।/कलकत्ता/81-82—
यतः मुझे, के. सिन्हा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रत्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के प्रधीन सभी प्राधिकारी को, यह विवाद करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।और जिसकी सं. धारा नं. 383 है तथा जो चाकमारी, थाना-
महोशतला, 24 - परगणा (पश्चिम बंगाल) में स्थित है (और
इसमें उपाधिकारी अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ट अधिकारी के कार्यालय, डी. आर अलिपुर में,
रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन,
तारीख 2-6-81को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विवाद
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिफल
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत सकत
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
चालित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें आरतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मुश्किल के लिए;

अन्सूची

क्षेत्र 27 डेसीमल चाकमारी, थाना - महोशतला, 24 -
परगणा (प. बं.) पर स्थित है।के. सिन्हा
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रँज-11, कलकत्ताअत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, वै उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
12-496GI/81तारीख : 10-2-1982
मोहर :

श्री हरिश कुमार

(अन्तरक)

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

2. इन्द्रसन्स कारपोरेशन।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकल सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

कोर्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, कलकत्ता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः--

कलकत्ता, दिसंबर 10 फरवरी 1982

निदेश म. ए सी-46/आर-।।/कलकत्ता/81-82--
 एतः मुझे, के. सिन्हा,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-स के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है
 और जिसकी सं. दाग. न. 283 है तथा जो चाकमारी, थाना -
 महेश्वरतला 24 - परगाणा स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
 में भी पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
 लय, डी. आर. बीलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-6-81
 को पूर्वोंकल सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधीन,
 प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोंकल संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
 पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
 फल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
 रूप से कठित नहीं किया गया है:--

(ब) अन्तरण से हूर्दे किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बांधन्त्र में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्राती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

क्षेत्र 14 1/2 डेसी - चाकमारी, थाना - महेश्वरतला, 24 -
 परगाणा (प. बं.) पर स्थित है।

के. सिन्हा
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज़-।।, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 10-2-1982

मोहर :

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

1. श्री विन्दर कुमार।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

2. उक्त सम्पत्ति कारेपोरेशन।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-11, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 फरवरी 1982

निदेश सं. ए सी-47/आर-11/कलकत्ता/81-82--
यतः मुझे, के. सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. दाग न. 383 है तथा जो चाकमारी, थाना -
महेश्वरला, 24-परगणा, प. बं. स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, डी. आर. अलिपूर मौ., रजिस्ट्रोकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-6-81
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
प्रदूष प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उत्तरेय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाबू में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

((ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में
सुविधा की जिए;

अनुसूची

क्षेत्र 14 1/2 डेसी - चाकमारी, थाना - महेश्वरला, 24 -
परगणा (प. बं.) पर स्थित है।

के. सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयस्क (निरीक्षण)
अर्जन रॉज-11, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा(1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः--

तारीख : 10-2-1982
मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 फरवरी 1982

निवेश सं. ए. सी.-89/रेज-4/कल./1981-82—यत.
मुझे, को. सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी में है तथा जो धाना-कार्सियंग जिला दर्जि-
लिंग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 10-6-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पञ्चांश प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
कल निम्नलिखित उत्तरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आविष्टियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, ये; उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती दयारानी दीपक प्रकाश।

(अन्तरक)

2. मैसर्स जमुना लाल तोशनीवल (प्रा.) लि.।

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्वाँ भी जाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बूकारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन-489.00 एकड़ पता:—स्त्री ग साहड टी गाडौन, धाना
कार्सियंग जिला-दर्जिलिंग दस्तावेज संख्या-1981 का 48391।

के. सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-4, कलकत्ता

तारीख : 11-2-1982
मोहर :

प्रस्तुप आई टी.एन.एस.-----.

1. असोशिएटड पिगमन्ट लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. अनुपमा फाउन्डे।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 फरवरी 1982

निवेश स. ए. सी.-90/रंज-4/कल /1981-82--
यतः मुझे, के. सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. में अधिक है

और जिसकी स. है तथाजो मौजा-। एवं थाना स्वरदह में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से वर्णित है),
राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अलिपुर में, राजस्त्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
4-6-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत; उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तावक के
वायिष्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अवृत्तः:—

को यह सूचना आई करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन 1 बीघा 7 कट्ठा 8 छटाक 21 बर्ग फूट 1 पसा मौजा-
स्वरदह, जिला-24-परगना दस्तावेज संख्या - 1981 का
6382।

के. सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रंज-4, कलकत्ता

तारीख : 11-2-1982
मोहर :

प्रकृष्ट बाई. टी. एस. एस.-----

1. श्री नकुल चन्द्र माला।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

2. श्री दीपक कमार मुखर्जी, प्रेसिडेन्ट, मदातिर्थम।
(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 फरवरी 1982

निदर्श सं. 1008/ए. सी. क्यू. आर.-111/81-82--
यतः मुझे, एम. अहमद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 108 है, तथा जो राजा एस. सी. मल्लिक
रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
आलिपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 19-6-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वकत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धरण से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटे किसी भाग की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए,

अनुसूची

108, राजा एस. सी. मल्लिक रोड, कलकत्ता, 6 के-
3च.-11 वर्ग फीट जमीन।

एम. अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-111, कलकत्ता

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

तारीख : 12-2-1982
मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० १०० एन० एस०—

आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) का

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 फरवरी 1982

निदेश सं. ए. आर -111/1986-3/81-82—अतः मूर्ख, सुधाकर बर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके उचान् 'उक्ता अधिनियम' कहा गया है), नी धारा 269-व के प्रीत पत्र प्राप्ति सारी रूप, यदृ विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, त्रिभुवन उचित गाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं. सी टी. एस. नं. 39 और 46 है, तथा जो कांजूर छिलेज, भांडप में स्थित है (और इससे उपादान अन्मूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टर अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-6-1981, डाकू. नं. एस-137/81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विवाह रुपने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके हस्यमान प्रतिफल से, ऐसे हस्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्ननिमित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी शाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन ऊर देने के अस्तरक के दायित्व में काफी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या,

(ख) ऐसी हिस्ती आ। या किसी अन्य अस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाये भुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्ननिमित्त आविष्यक, गर्या—

1. श्री योगेन्द्र प्रताप सिंध, श्री रवी बत्सा सिंध, डॉक्टर धनेन्द्र आर. झवेरी और डॉक्टर (मिसेस) पूर्णिमा आर. झवेरी।

(अन्तरक)

2. भाड़प ओम् शिव को, -ओपरेटीव्ह हाउसिंग, सोसा-गटी लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अद्वितीय बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शब्द होंगा जो उन प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख संख्या एस-137/81 जो उपर्योगी अनुसूची व्यापार विनियोगी अनुसूची के लिए दिया गया है।

सुधाकर बर्मा
सदम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़-3, बम्बई

तारीख : 5-2-1982

महर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री नीकोलस फ्लोरेन्स फर्नांडोस।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री अल्टाफ अब्दूल लतीफ फर्नांडोस।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-11, बम्बई

बम्बई, तारीख : 11 फरवरी 1982

निवेश सं. ए. आर.-2/3199-10/81-82—यतः मूर्ख,
सुधाकर वर्मा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य
25,000 / रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सी. एम. नं. सी/610 है, तथा जो बान्डा
में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 25-6-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के लिए अन्तरित
की गई है और मूर्ख यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापवाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है:—

(क) अन्तरण में हड्डी की आय दो बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायितव में कमी करने या उससे बचने में संविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख संख्या एस. 2535/80 और जो
सब-रॉजस्ट्रार, बम्बई इवारा दिनांक 25-6-1981 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
संविधा के लिए;

संधाकर वर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-11, बम्बई

यतः नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

तारीख : 11-2-1982
मोहर :

प्रख्य आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1982

निवेश सं. ए. आर. 3/1992/81-82—यह: मुझे,
सूधाकर वर्मा,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं. एस. नं. 1000, प्लाट नं. 237 (पी.),
सर्व नं. 171, हिस्सा नं. सी. टी. एस. 1467, 1467/
1 से 6 है, तथा जो मुलुंड (पश्चिम) में स्थित है (और इससे
उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-6-1981
दाक्य, नं. एस. 513/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रति-
कूल के लिये अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्टमान प्रतिकूल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिकूल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अस्तरक (प्रस्तरकों) और अस्तरितों (अस्तरितियों)
के बीच ऐसे अस्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित
वर्तेय से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं
किया गया है।—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में
कमी करने या उसमें वरत में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनान्व
प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, लियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
13—496GI/81

1. श्रीमती संशिलाबेन जाधवजी शालिया, श्रीमती
मंजुलाबेन गांगजी शालिया।

(अन्तरक)

2. श्री नन्दलाल के सोमया, श्री शंकरनाल डी.
गणानन्दिया, श्री रम्प टी. शेट्टी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षिताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं
प्रयोग होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेस संख्या नं. एस. 513/79, और जो
उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 18-6-1981 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

सूधाकर वर्मा
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1982
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-।, बम्बई

बम्बई, दिनांक 16 फरवरी 1982

निदेश सं. ए. आर.-।/457।/13/8।-8।—यतः मुझे,
सूचकार वर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसकी पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सी. एस. नं. 329 आफ ताडवे डिल्हीजन
है, तथा जो गिल्डर लेन, टाडवे में स्थित है (और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट
अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-6-198।
विलेख संख्या, बम्बई 917/80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
(अन्तरीरीताओं) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
कल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तीनों
को, जिन्होंने भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हारेश्नग शांती थोफ़।

(अन्तरक)

2. (1) श्री अब्दुल करीम पटेल,
- (2) श्री जूनीएद अब्दुल करीम पटेल,
- (3) श्री उस्मान पीर मोहम्मद,
- (4) श्री अब्दुल समीद यसूफ़,
- (5) श्री सुलेमान नूर मोहम्मद,
- (6) श्रीमती राशेन आबम कडीबाल,
- (7) श्री दिन मोहम्मद इस्माइल मरडीया,
- (8) श्री उस्मान अब्दुल रहीम मरडीया,
- (9) श्री दिन मोहम्मद यसूफ़ पटेल।

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त प्रमाणित के अर्जन के
लिए कायदाविधि करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृप्त
किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तीकरणी के पास
सिद्धि में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में दीर्घावित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख संख्या बम्बई 917/80 और जो
उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 23-6-1980 को रजिस्टर
किया गया है।

सूचकार वर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-।, बम्बई

तारीख : 16-2-1982
माहेर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 फरवरी 1982

निवेश नं. ए. प्र. आर./81-82/387—यतः मुझे,
आनंद सिंह, आई.टी.एन.एस.,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है, तथा जो रम्मलपुर तहसील,
अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुमूल्यी में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्णिकत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रन्तरुह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे दर्शने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित दृवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दर्शन सिंह पूत्र बोंडेंट सिंह, वासी गांव रम्मलपुर
कलां, तहसील व ज़िला अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री दलीप सिंह पूत्र जवाहर सिंह, वासी रम्मलपुर
कलां, तहसील व ज़िला अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा उक्त प्र. 2 में कोई किरायेदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

क्वाँ यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीकरण करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में दीर्घाधित है
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

कृषि भूमि, 33 कनाल, 2 मरले, जो गांव रम्मलपुर कलां,
तहसील व ज़िला अमृतसर में है जैसा सेल डील नं. 5884/
5-6-81 रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई.टी.एन.एस.
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 3, चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 5-2-1982

मोहर :

प्रसूच आई.टी.एन.एस.—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 फरवरी 1982

निदेश नं. ए.एस.पी./81-82/388—यतः मुझे,
आनंद सिंह, आई.आर.एस.,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक जायदाव तथा जो निम्न मंडी,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वीकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराना
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसराना प्रतिफल से ऐसे दूसराना प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरीय (अन्तरियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप के कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर वर्ते के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मासितयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती बाला रानी पत्नी इंद्रजीत, वासी निम्न मंडी,
गली करशिना मुश्की महला, अमृतसर।
(अन्तरक)
2. श्रीमती रनौ अरोड़ा पत्नी ओम प्रकाश अरोड़ा वासी
गली कंधारीया, निम्न मंडी, अमृतसर।
(अन्तरीय)
3. जैसा उपर सं. 2 में कोई किरायेवार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. और कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

1/2 भाग एक मकान का जो 1½ मंजिला है, जो 89.43
घर मी. है, जैसा कि सेल डीड नं. 7944/26-6-81
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई.आर.एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 3, चंडपुरी, अमृतसर

तारीख : 5-2-1982
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 फरवरी 1982

निवेश नं. ए.एस. आर./81-82/389—यतः मुझे,
आनंद सिंह, आई.टी.आर.एम.,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक जापादाद है, तथा जो निम्न मंडी,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्रीमती आशा रानी पत्नी इंद्रजीत, वासी निम्न मंडी,
गली करीना भूशकी मुहला, अमृतसर।
(अन्तरक)
2. श्रीमती नीरू अरोड़ा पत्नी शाम सून्दर, वासी गली
कन्धारियां, निम्न मंडी, अमृतसर।
(अन्तरिती)
3. जैसा उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. और कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

मैं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/2 भाग एक मकान का जो 1½ मंजिला है, जो 89-43
वर्ग मी. है, जैसा कि सेल डीड नं. 7943/26-6-81
रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई.टी.आर.एम.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, घंशपुरी टेलर रोड, अमृतसर

तारीख : 5-2-1982
भाष्टर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 फरवरी 1982

निवेश नं. ए. एस. आर./81-82/390--यतः मुझे,
आनंद सिंह, आई.आर.एस.,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक जायदाद है, तथा जो बाजार सतीवाला,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावदध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उपर्युक्त वचनों में मूर्चिका
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री तारा चंद पुत्र मथरा दास, वासी बाजार सतीवाला,
अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शशपाल कौर पत्नी हरबंस सिंह, वासी कटड़ा
गरभा सिंह, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा उपर में 2 में कोइ किरायेदार हों, मे :
महिन्द्र सिंह बलविन्द्र सिंह, आदर्श बेन्ड।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोइ।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग, दो मंजिला द्वाकान का जो 42 व. मी. है जो
बाजार सतीवाला, अमृतसर में है, जैसा कि सेल डीड नं.
7006/17-6-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई.आर.एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, चंद्रपुरी ट्लेर रोड, अमृतसर

तारीख : 5-2-1982
मोहर :

प्रकाश घाई टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 फरवरी 1982

निवेदन नं. ए. एस. आर./81-82/391—यह मेरे, आनंद सिंह, आई. आर. एस.,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्न अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. एक जायबाद है, तथा जो बाजार सतीवाला, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त मंपति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रतिरक्षण के लिए तथा यांत्रिक प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिरक्षण लिखित में शास्त्रिक रूप से कठिन नहीं किया गया है—

(क) प्रतिरक्षण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रतिरक्षण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भ्रन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, लिखाने में मुश्किल के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुपरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित उपलिखित अर्थात्—

1. श्री अशोक कुमार पुत्र बूवारका दास, वासी बाजार सतीवाला, बठाघर, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मनजीत काँवर पुत्री भगत मिंह, वासी खड़ूर साहिब, जिला अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो, मेरे महिन्द्र सिंह बलविन्द्र सिंह, आदर्श बंड।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्मिलित है)

4. और कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मिलित है हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी प्रविधि द्वारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रविधि द्वारा के पास लिखित में किए जा सकें।

उपलिखित 1—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रतिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही पर्याय होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग, दो मंजिला दुकान का जो 42 व. मी. है जो बाजार सतीवाला, अमृतसर में है, जैसा कि सेल डीड नं. 7005/17-6-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई. आर. एस.
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, 3, चंदपुरी, टलर गांड, अमृतसर

तारीख 5-2-1982
मोहर .

प्रस्तुप आर्द्ध.टी.एन.एस.-----

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज्ज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 फरवरी 1982

निदेश नं. ए. एस. आर /81-82/392—यतः मुझे, आनंद सिंह, आर्द्ध. आर. एस.,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक प्लाट है, तथा जो तहसीलपुरा, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप संवर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981

का पूर्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निति में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में ही निम्नी आय जो बाबन, उत्ता अधिनियम के प्रयोग कर देने के अन्तरक के दृष्टित में कग रहा ग उम्म बबन में मुक्ति के लिए, श्रीराया

(ख) नेसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

1. श्री इकबाल सिंह पूर्व अमर सिंह, वासी लखनऊ जब 22 न्यू तहसीलपुरा, अमृतसर।
(अन्तरक)

2. श्री रमेश पूर्व देवा सिंह, वासी लोहारका, खर्द, तहसील अमृतसर।
(अन्तरिती)

3. जैसा उपर स. 2 में कोई किरायेवार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. और कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरें व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो 282 वर्ग गज है, जो न्यू तहसीलपुरा, अमृतसर में है, जैसा कि सेल डील नं. 7791/25-6-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आर्द्ध. आर. एस.
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज्ज, 3, चंद्रपुरी टोलर रोड अमृतसर

तारीख . 5-2-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 फरवरी 1982

निदेश नं. ए. पम. आर./81-82/393—यतः मूझे, आनंद सिंह, आई.आर.एस.,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से' अधिक है

और जिसकी सं. एक प्लाट है, तथा जो गांव तुंग पाहौं, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधीनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहूं प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं गया है :—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें मारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अंकितबों, अधिकृत :—

14—496GI/81

1. श्री इंद्र सिंह पूर्व सूरत सिंह, बासी गांव तुंग पाहौं, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. मैसर्स जे. के. प्रिंटम, धर्म सिंह मार्केट, दिवार श्री कंदन कमार, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैमा उपर सं. 2 में कोइ किग्रायेदार हैं।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को वह सूचना तारीख हठे ग्रामीणता के प्रति के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के मञ्जरध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अंकितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अंकितयों में से किसी अंकित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी अन्य अंकित द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

मूल्यांकन

एक प्लाट जो 1540.50 व. ग. है, जिसका खसरा नं. 1929/256 जो तुंग पाहौं, बटाला रोड, अमृतसर में है, जैसा कि सेल डीड नं. 6229/9-6-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई.आर.एस.
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़, 3, चंद्रपुरी, टोलर रोड, अमृतसर

तारीख : 5-2-1982

मुहूर्त :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एम -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीकण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 फरवरी 1982

निदेश नं. ए.एस.आर./81-82/394--यतः मर्फत,
आनंद मिंह, आई.आर.एस.,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. में अधिक है

और जिसकी मं. एक प्लाट है, तथा जो गंव तंग पाइ,
अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसंधी में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधीनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मर्फत यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया ग्रन्ति-
फल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से है इसे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्य में कमी करने था उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः—

1. श्री छन्द्र बिंह पंथ दक्षाला मिह, गाँव तंग
पाइ, अमृतसर।

(अंतरक)

2. मंसर्द छण्डगत टांबाटाइन टोडम, धरम मिंह
मार्केट, अमृतसर।

(अंतरिती)

3. जैसा उपर में 2 में कोई किरायेदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

के यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्त्रपेण :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रस्तुति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतसरी

एक.भूमि का प्लाट जो 1797-25 व. ग. है, जो ब्रह्मा
नं. 1929/256 जो गंव तंग पाइ, ब्राह्मा रोड, अमृतसर में
है जैसा कि सोल डीड नं. 6112/8-6-81, रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद मिंह, आई.आर.एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीकण)
अर्जन रेज, 3, चंद्रपरी, टोलेर रोड, अमृतसर

तारीख : 5-2-1982

मोहर :

प्रथम आई.टी.एस.पट.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

सारांश संरक्षण

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 फरवरी 1982

निवेदन नं. ए. एस. आर./81-82/395—यतः मूर्ख, अनंद मिंह, आई.आर.एस., आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा याहा है), की धारा 269-व के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. एक जाथेदार है, तथा उस गांव वाले धानपुर, छहरटा अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावदध अनुसूची में आंगूरा रूप में वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वान्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से यम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वान्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ने, एवं दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चरेत्र से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के बायित्व में करी करने या उसमें बचने में संविधा के लिए; और/या

(ख) प्रेसी किसी आय या किसी वन्ध या जम्य आस्तीनों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया दूवा या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुनिश्चि किया

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अन्तरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी वर्तातः—

1. मोती सावर, एच.यू.एफ. कवीन्ज राण, अमृतसर द्वारा माती सागर करता एच.यू.एफ. द्वारा रजिस्ट्र कुमार अटारनी।

(अन्तरक)

2. मैसर्स काउन बूलन मिलज, बटाला राण, अमृतसर द्वारा सत पाल।

(अन्तरिती)

3. जैसा उपर सं. 2 में कोई किरायेवार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तविक—

(क) इस सूचना के उपचार में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बरीच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की बरीच, जो भी अधिक बाव भौं समाप्त होती है, जो भीतर पूर्वान्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र लिखित में किए जा सकते।

लिखित:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5/48 भाग, शेड व इमारत, समर्ग नं. 184/203 जो छहरटा धनपुर काले, अमृतसर में है, जैमा सेल डोष नं. 7829/25-6-81, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद मिंह, आई.आर.एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, 3, चंद्रपरी, टेलर रोड, अमृतसर

तारीख : 5-2-1982

मोहर :

प्रस्तुत आई. टौ. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 फरवरी 1982

निदेश नं. ए. एस. आर./81-82/396—यतः मैंने,
आनंद सिंह, आई. आर. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु.
से अधिक है

और जिसकी सं। एक हमारत है, तथा जो सुलतान विंड गेट के
अन्दर स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीधत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृति :—

1. श्री निरंजन वास कपूर पुत्र अनंत राम कपूर, जिनके
दुलारी विधवा इन्हें नाथ, वासी सुलतान विंड रोड,
अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री रमन कपूर पुत्र हरखन्स लाल, सधू पत्नी रमन
कुमार, वासी राय बहादुर रतन चंद रोड, उषा
पत्नी जाँगिन्द्र पाल, जाँगिन्द्र पाल पुत्र विश्वन वास,
वासी माल रोड, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. श्री इकबाल सिंह, अंगत सिंह।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को मह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/4 हिस्सा, बिल्डीग नं. 1987/111-29, अन्वरन
सुलतान विंड गेट, अमृतसर में जैसा कि सेल डीड नं. 9184
दिनांक 7-7-81, रजिस्ट्री अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई. आर. एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 3, चंद्रपुरी, टलेर रोड, अमृतसर

तारीख : 9-2-1982

मोहर :

प्रस्तुप आइ०. टी. एन. एस.-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 फरवरी 1982

निदेश नं. ए. एस. आर./81-82/397—यतः मर्खे,
आनन्द सिंह,
आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इतके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं। एक बिल्डिंग अन्दरून है, तथा जो सूनतान विंड
गेट, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनमूची में और
पूर्ण रूप से दर्शित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख जूनाइ०, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिल की गई है और मर्खे यह विश्वास
करने वाले कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐस दृश्यमान प्रतिफल का
प्रन्दह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिसी
(अन्तरिसियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याद गया प्राप्त-
फल निम्नलिखित उष्टुप्रेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीर्ति नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आपूर्तिया
को, जिन्हे भारतीय आपकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्यापार प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः :—

1. श्रीमती जनक बूलारी विधवा इन्द्र नाथ, नरनजन वास
पुत्र अनंत राम, वासी सूनतान विंड रोड,
अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री रमन कुमार पत्र हरबंस लाल, मधु पत्नी रमन
कुमार, तरन तारन रोड, अमृतसर, जोगिन्द्र पाल
पुत्र बिशन दास, उषा पत्नी जोगिन्द्र पाल, वासी
माल रोड, अमृतसर।

(अन्तरिसी)

3. इकबाल सिंह, भंगत सिंह।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष।---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या रात्मान्तर्धी व्यक्तिया पर सूचना
की साझील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के हारील से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

प्राप्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनन्द सिंह

1/4था हिम्मा, बिल्डिंग नं. 1987-111/29, अन्दरून
सूनतान विंड गेट, अमृतसर में जैसा कि सेल डीड नं. 9183/
दिनांक 7-7-81 रजिस्ट्री अधिकारी, अमृतसर में वर्ज है।

आनन्द सिं
सक्रम प्राधिका
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षा
अर्जन रेंज, 3, चंपूरी, टेलर रोड, अमृत

तारीख : 9-2-1982

मोहर :

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 फरवरी 1982

निदेश न. ए. एस. आर./81-82/398—यतः म्‌झे,
आमन्त्रय सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संग्रहीत अन्दरून है, तथा जो सुलहान
विंड गेट, अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपक्रम्य
अनुसूची मा और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981।

को प्रदर्शित संर्पत्ति के उचित बाजार मूल्य गंदम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य के यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाकृत संर्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स., एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अतीरती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्विवित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हृइ¹ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या वन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री निरन्जन दास कपूर पुत्र अनन्त राम, श्रीमती जनक
दुलारी विधवा इन्द्र नाथ वासी सुलतान विड रोड,
अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री रमन कुमार पुत्र हरबंस लाल, भधू पत्नी रमन
कुमार, वासी रत्न चंद रोड और जोगिन्द्र पाल
पुत्र विश्वन दास, उषा पत्नी जोगिन्द्र पाल, वासी
माल रोड, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. इकबाल सिंह, मगत सिंह।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोइ²
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
आनंद है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
निम्नलिखित व्यक्तियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
वर्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त दृश्यवार सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्दर निर्वित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निलिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

¹ हिस्सा, विलिंग नं. 1987-111/29, अन्दरून
दरवाजा, सुलतान विंड गेट, अमृतसर में जैसा कि सेल डीड नं.
8641 विनांक 30-6-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में
दर्ज है।

आनंद सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 3, चंद्रपुरी, टोलर रोड, अमृतसर

तारीख : 9-2-1982

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत गवर्नर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 1 फ़रवरी 1982

निदेश नं. ए० पी० 3020—यत मृभे, आर. गिरधर, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं। जैसा कि अनुमूली में लिखा है, तथा जो बूटर शंरां गांव में स्थित है (और इससे उपावदध अनुमूली मै और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गिरडबाहा में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप न कोई अन्त नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण न कुई छिपा राह को बाबन उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस अधिनियम, या धन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्रीमती वीरं विधवा चन्द्र मिंह, वासी गांव बूटर शंर, नहिं: मूक्तमर जिला फरीदकोट। (अन्तरक)
2. श्री गजन मंतीया पत्र भारत भूषण मार्फत सैमज गजन मंतीया दूरग, मूक्तमर, जिला फरीदकोट। (अन्तरिती)
3. जैसा कि उक्तपर नं. 2, मैं लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति संपत्ति में रजस्ट्री रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस गूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा संपत्ति जैसा कि लिखें नं. 1119 दिनांक जून 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गिरडबाहा ने लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रँज, जालन्धर

तारीख : 1-2-1982
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्रम (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 1 फरवरी 1982

निवेश नं. ए. पी. 3021—यतः मुझे, आर. गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो
गांव लड़क सिंह वाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
से अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय मानसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1981

को पूर्वोक्त मंपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है इ किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्य में कठी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी भाय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती वल्लभा गुरुपिन्द्र सिंह उफ-
रुपिन्द्र सिंह वासी गांव लड़क सिंह वाला अब
नन्हान्दपुर।

(अन्तरक)

2. श्री देविन्द्र सिंह पुत्र राम सिंह, दलीप काँग पत्नी
दविन्द्र सिंह, जवाला सिंह पुत्र मेहर सिंह, श्रीमति
इन्द्रजीत काँग पत्नी हजुरा सिंह, गांव राजगढ़ कब्बे,
जिला भट्टिण्डा व मिठ्ठु सिंह पुत्र थनन सिंह
गुरदेव सिंह पुत्र चनन सिंह, वासी लड़क सिंह वाला
जिला भट्टिण्डा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं. 2, में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुधी रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तल्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है [1]

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेखन नं. 2832, दिनांक
जून-1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्रम (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 1-2-1982

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 1 फरवरी 1982

निदेश नं. पा. पी. 3022—यतः मर्भ, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 259-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म. जैसा कि अन्यथा में लिखा है, तथा जो गांव खडक मिंह बाला में स्थित है (ओर हस्ते उपाबद्ध अन्यसूची में और पूर्ण स्पष्ट रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मानसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1981

के पूर्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मर्भे रह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एस्टेट दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बाधने में संविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियां अथान
15-496GH/81

1. श्रीमली बलतेज कारै विधवा मुरविन्द सिंह उर्फ रूपिन्द मिंह वासी खडक सिंह बाला तह मानसा, जिला भट्ठिण्डा, अद्य गांव नारिन्द्रपुर।
(अन्तरक)

2. श्री दविन्दर सिंह पुत्र गम मिंह, बलीप कारै पत्नी दविन्द मिंह, जालाला मिंह पुत्र महर मिंह व श्रीमती इन्द्रजीत कारै पत्नी हुगुरा मिंह, वासी, राजगढ़ कुबे, जिला भट्ठिण्डा।
(अन्तरकी)

3. जैसा कि उपर न. 2, मा निया है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुची रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके दारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि संपत्ति में हिनदृध दृध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्पत्ति में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस गूँचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताप्ति में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन्दृध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा संपत्ति जैसा नि. दिनांक नं. 2833, दिनांक जून-1981 के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मानसा ने लिया है।

आर. गिरधर
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, जालन्धर

तारीख 1-2-1982
मांह र

प्रसूप जार्ह. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 1 फरवरी 1982

नंदेश नं. प्र. पी. 3024—यतः मुझे, आर. गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में है, तथा जो
मानसा कर्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय
मानसा ग्र. रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अन्तर्गत नाम्रता अक्तूबर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत ग्र. अधिक है और अन्तरक (अंतर्स्को और अन्तर्रिती
अन्तरितियों) के बीच प्रसंग अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्राप्तिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
धार्मताविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की जाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
पौरगा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में मुश्किल के लिए;

यतः भव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अविस्तरों, वर्णतः ५-२

1. श्री डिप्टी राम पूर्व धनपत राण वासी गांव आदमके,
तह. मानसा जिला भिट्ठणडा। (अन्तरक)

2. श्री कृष्ण कमार रामेकी राम, जामी वाटर वर्क्स
रोड, मानसा, जिला भिट्ठणडा। (अन्तरिती)

3. जैना कि उपर नं. 2, में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके जीविभाग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुची रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अद्योहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्धु है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायबाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि द्वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्योहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों पौर पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के प्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उप अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा संपत्ति जैसा कि विलेख नं. 3762, दिनांक
अक्तूबर-1981 को रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी मानसा ने लिखा है

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रँज, ज. श्रीर

तारीख 1-2-1982
मोहर :

प्रसूप जाइं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 1 फरवरी 1982

निवेश नं. प्र. पी. 3023--यत् सूचि, आर. गग्नवर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी म. जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो मानसा
कलां में स्थित है (और छामे उपादान अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मानसा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख अक्तूबर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सुभै यह विश्वास
करने के कारण है कि दृश्यमान संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हट्ट किमी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगजनर्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

1. श्री सोहन लाल पूर्ण धनपत राएं वासी गांव आदमके
तह. मानसा जिला भट्टिणडा।

(अन्तरक)

2. श्री वीर चन्द्र पूर्ण रैनकी राम, वासी बाटर वर्कर्स
रोड, मानसा जिला भट्टिणडा।

(अन्तरिती)

3. जैमा किं उम्पर नं. 2, में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में समर्पित है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रहनी रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितदाता है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बजेन के लिए
कार्यालयांकरण करता है।

उक्त सम्पत्ति के बजेन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 3757 दिनांक
अक्तूबर-1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मानसा ने लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
बजेन रँज, जालन्धर

तारीख 1-2-1982
मालूम :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 फरवरी 1982

निदंश नं. ए. पी. 3025—यतः मुझे, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर घंटात जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी में जैमा कि अन्तमूल्यी में लिखा है, तथा जो मण्डी अबोहर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अन्तमूल्यी में और पूँछ भूमि दर्जित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, नय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1981 का उक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पौर्ण प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए आर/मा

(ख) एसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा शक्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, लक्ष अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री संजीव कुमार पुत्र श्री हरइन्द्र राये वासी मण्डी अबोहर अब मण्डी गिरडवाहा। (अन्तरक)
2. श्री दद प्रकाश विजें कुमार, मतीश कुमार सुपुत्र श्री हंस राज वासी मकान नं. 669 गली नं. 1 ए, मण्डी अबोहर। (अन्तर्गती)
3. जैमा कि उपर नं. 2, में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रहनी रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्ठोकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैमा कि विलंब नं. 1228, दिनांक जून, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

लार्गेज : 2-2-1982
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक 'आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज्ज, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 2 फाल्गुनी 1982

निवेश नं. ए. पी. 3026—यतः मझे, आर. गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी मं. जैमा कि अनसूची में लिखा है, तथा
जो अबोहर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनमूची में और^{पूर्ण} रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, लागोल ज्ञ. 1981
को पूर्वोक्त मंपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिन की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के द्वीप ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा
के सिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के सिए;

यतः मम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती जसविन्द्र कारूर पत्नी श्री मेवा सिंह वासी गली
नं. 5, नानक नगरी, अबोहर।
(अन्तरक)
2. श्रीमती सुख पाल कारूर पत्नी श्री दंसा सिंह वासी गांव
गजन वासी तह. फाजिलका।
(अन्तरिती)
3. जैमा कि उक्त नं. 2, में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रखी रखता हां।
(वह व्यक्ति, जिनके आरे में अधोहस्ताक्षरी
जानसा है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

अब यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यबाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

मध्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट हैं,
वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैमा कि विलंब नं. 1296, दिनांक
ज्ञ. 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अबोहर में लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज्ज, जालन्धर

गारंड - 2-2-1982
मोहर :

प्रारूप आइँ. टी. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 4 फरवरी 1982

निदेश नं. ए. पी. नं. 3027--यतः मुझे, आर. गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है।

और जिसकी मं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अवोहर
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अवोहर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से लेसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीथत
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपाया (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

1. श्री उदाश कुमार पुत्र फरंगी लाल आप और जी. ए.
श्रीमती आशा रानी, रमेश कुमार, योगेश सन्द्र,
संजीव कुमार, परवीन कुमार सुप्रभा श्री फरंगी लाल
वासी फार्जिलका।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कलालिया बाइँ पत्नी श्री हजारी लाल वासी
हमपताल रोड, अबोहर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उक्त नं. 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में मंपत्ति है)
4. जो व्यक्ति संपत्ति में राजी रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके दारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
को तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-के में परिभाषित है, सही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलंब नं. 1318 दिनांक जून
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालंधर

तारीख : 4-2-1982

मांहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रँज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 4 फरवरी 1982

निवेश नं. ए. पी. नं. 3028—यतः मूल्य, आर.
गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी मं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पृष्ठ व्यक्ति अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मं. वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में
तारीख जून 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती आशा रानी और परवीन कुमार, उद्देश कुमार योगेश चन्द्र, रमेश कुमार, मंजीव कुमार मप्त्र फरगीलाल वासी काजिलका नजदीक पंजाब नैशनल बैंक हन्दरों बाई, भागवती, रिधारश चन्द्र, नीनित चन्द्र, गरोज रानी वासी मलोट मंडी तहिं मुक्तसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कुशलिया बाई पत्नी श्री हजारी लाल वासी हमपताल रोड, अबोहर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उक्त नं. 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवृध्दि है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृध्दि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 1574 दिनांक जून, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में लिखा है।

आर. गिरधर
भद्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रँज, जालंधर

तारीख : 4-2-1982
मोहर :

प्रस्तुप आर्द्ध. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़, जानेधर

जालन्थर, दिनांक 2 फरवरी 1982

निदेश नं. ए. पी. नं. 3029—यतः मुझे, आर.
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की शारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानवर भंडति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी मं. जैसा कि अन्सूची में लिखा है तथा जो अबोहर
में स्थित है (और इसमें उपावदध अन्सूची में और पूर्ण लिपि
में वर्णित है), रीजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय अबोहर में
रीजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हूँ इसमें किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, फ़िपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

1. श्रीमती जॉर्जिना कौर नाथवा श्री बारा सिंह वारी
अबोहर।
(अन्तरक)
2. श्री मलूक सिंह, कलदीप सिंह, गुरमीत सिंह सप्त
श्री हरनाम सिंह वासी नानक नगरी, अबोहर।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि उपर नं. 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति संपत्ति में रजिस्टर रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरों जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

क्वे यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्सूची

संपत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं. 1532 दिनांक जून
1981 को रीजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी अबोहर में लिखा है।

आर. गिरधर
मकान प्राधिकारी
गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़, जानेधर

तारीख : 2-2-1982
मार्ग : -----

प्रारूप बाह्य.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 1 फरवरी 1982

निवेश नं. प. पी. नं. 3030—यतः मुझे, आर. गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालंधर
में स्थित है (और इसमें उपावदध में अनुसूची में और पर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून 1981
को प्रवृत्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रवृत्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में है इन्हीं किसी आप वर्ती वाचन, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभाषा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

16—496GI/81

1. श्री करनेता रिंग हृषि भगतारीसांह लागी गांधी ताहमी।
कपूरथाला।
2. मर्सर्ज हंसराज महाजन एड संज (प्रा.) लिमिटेड जी.
टी. रोड, जालंधर मार्फत जी मनीश कमार।
3. जैसा कि उपर नं. 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

के यह सूचना प्रारी करके प्रवृत्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवृत्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति और व्यक्ति जैसा कि रजिस्ट्री नं. 1938 दिनांक 5
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रँज, जालंधर

तारीख : 1-2-1982
मार्कुड :

प्रस्तुति नं. ३१९४ दी. १३.३.८२ पृष्ठ १

आपकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की प्राप्त
२६९-ब (1) के विनाश सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, जालंधर

जालंधर, दिनांक 4 फरवरी 1982

निवेश सं. ए. पी. नं. 3031—यतः म्हें, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ब के अंतर्नाल संशय प्राधिकारी को, यह विश्वान करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उन्निट बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालंधर में स्थित है (और इससे उपावदध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1981

को पूर्वोक्त संघनियम के उल्लिङ्ग वाजार मूल्य में भव के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह (व वास करने का कारण है कि पश्चात्याकृत सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिक्रिया में, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के द्वितीय तिसरी अन्तरण के लिए तथा पार्श्व गति एवं अन्तरण के लिए अन्तरित उद्देश्य वे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है)।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या हिस्सी धन या अन्य आस्तियों को जिस्में भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा घनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिगने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री घसीटा सिंह उर्फ बलविंदर सिंह और बूटा सिंह उर्फ जोगन्दर सिंह पूर्व भगत सिंह, वासी गांव सिंध तहिं, जालंधर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुरिन्दर कौर पल्ली कुलतार सिंह वासी गांव सिंध तहिं: जालंधर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उक्तपत्र नं. 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के अवधि या तमम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी व्यक्ति बाइंगे समाप्त हो गया, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों पर से हिसी अवक्तु द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर संघनियम में डितवद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोग्यताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा संघनियम जैसा कि विलंब नं. 1898 दिनांक जून, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालंधर

तारीख : 4-2-1982
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्री राजकुमार पृथु राम सरन दास, वासी मोहला
गूरु नानक पूरा, करगवाड़ा।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती मनजीत कौर पत्नी कुलबीर सिंह, निरदर
कौर पत्नी बलविन्दर सिंह, हरजीत कौर पत्नी
गुरुचरन सिंह, बलबीर सिंह पृथपाल सिंह पृथ
गुरदियाल मिंह, वासी गनेश पुर, तहि: गढ़शंकर।
(अन्तरक)

3. जैसा कि उपर नं. 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहताधरी जानका
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्बन्ध के अर्जन के गमदान में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(म) इस मद्दना के गमदान ने प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपांहतात्तरी के
पास लिखित में किए जा सकते हैं।

प्रमाणकरण:—इसमें प्रदूषक शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा संपत्ति जैसा कि विलेख नं. 753 दिनांक जून
1981, को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, करगवाड़ा ने लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर ऑफिस (निरीक्षण)
अर्जन रोज, जालंधर

भारत सरकार

कायासिय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 4 फरवरी 1982

निदंश नं. ए. पी. नं. 3032—यतः मुझे, आर.
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी में जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो
करगवाड़ा में स्थित है (आरे इसमें उपाबूध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करगवाड़ा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जून 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इसमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, एसे इसमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मृ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

तारीख : 4-2-1982

मोहर :

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 4 फरवरी 1982

निवंश नं. ए. पी. नं. 3033—यतः मुझे, आर.
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. में अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो
फगवाड़ा में स्थित है (और इसमें उपायदृष्ट अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वीकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिसी
(अन्तरिसीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाशा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की आवृत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगमार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट तरीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातु :---

1. श्रीमती कृष्णा कुमारी पत्नी राजकमार वासी भोहला
गुरु नानक पुरा, फगवाड़ा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मनजीत कौर पत्नी कल्पीर सिंह, नीरन्दर
कौर पत्नी बलविन्दर सिंह, हरजीत कौर पत्नी
गुरुचरन सिंह, बलबीर सिंह, पित्रपाल सिंह पत्र
गुरवियाल सिंह, वासी गनेश पुर, तौहु: गढ़शकर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं. 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास निश्चित में लिए जा सकते।

लालौकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा संपत्ति जैसा कि विलेख नं. 754 दिनांक जून
1981, को रजिस्ट्रीकर्ता फगवाड़ा ने लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालंधर

तारीख : 4-2-1982

भोहल :

प्रह्लप ग्राई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

रजनि रंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 4 फरवरी 1982

निदेश सं. प्र. पी. 3034—यतः मुझे, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण इसकी स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी मं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्भृत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिनी (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चक्षेत्र से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, प्रधानकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, को धारा 269-ग के अनुपर्यन्त में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के उपर रा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1—

1. श्री राज कुमार पूर्व सरन धाम व कृष्ण कुमारी पत्नी राज कुमार, वासी मोहल्ला गुरु नानक पुर, फगवाड़ा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मनजीत कौर पत्नी कुलबीर सिंह, नरिन्दर कौर पत्नी बलविन्दर सिंह, हरजीत कौर पत्नी गुरचरन सिंह, श्री प्रितपाल सिंह, बलबीर सिंह पूर्व गुरदियाल सिंह, गांव गनेश पुर, तह. गढ़-शकर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उक्तपर नं. 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में राजि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को रु. १०० गारी का १०० रुपया प्रति के प्रयंत के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रयंत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होनी हो, तो भीतर पूर्वोन्नत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

दण्डीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि दिलेल नं. 823, दिनांक जून, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा ने लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
रजनि रंज, जालंधर

तारीख : 4-2-1982
सोहर :

प्रलेप आई०टो०एन०एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 4 फरवरी 1982

निवेदन मं. ए. पी. 3035—यतः मझे, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ष के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास भरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से प्रधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाङ्कद्वय अनुसूची में और पूर्ण मूल्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और भुक्त वह विश्वास करने का कारण है कि प्रधार्मिकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के उन्द्र विकास प्रधिक है और अन्तरक (प्रत्यक्षितों) और अन्तरिती (प्रत्यक्षितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा फायद या प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तम अन्तरण निखित में वास्तविक रूप में क्रियत किया नहीं गया है।—

(क) अन्तरण से इर्द्दी किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसा किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, या, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राज कुमार पुत्र राम सरन दास, वासी शोहल्ला गुरु नानक पूरा, फगवाड़ा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मनजीत कौर पत्नी कूलबीर सिंह, नरिन्दर कौर पत्नी बलविन्दर सिंह, हरजीत कौर पत्नी गुरचरण सिंह, बलबीर सिंह, प्रितपाल सिंह पुत्र गुरदियाल सिंह, गांव गनेश पुर, तह. गढ़-शकर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यान्वयन करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के संबंध में कोई भी आशेष।—

(क) इप सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इप सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 875, दिनांक जून, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा ने लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालंधर

तारीख : 4-2-1982
मोहर :

प्रृष्ठ प्रृष्ठ आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जानंदर

जानंदर, दिनांक 4 फरवरी 1982

निदेश सं. ए. पी. 3036—यतः मुझे, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. जैसा कि अन्सूची में लिखा है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपावदध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथावृत्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का परद्द अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विस्तृत में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः बब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री एन. के. जैन, जे. ए. जैन, विजय क्रमार जैन वासी जानंदर कैट। (अन्तरक)
2. मंसरा उन्डीयन आटो बेन्फूकेचरिंग कम्पनी, 34-इन्डस्ट्रीयल प्लांस, फगवाड़ा, मार्फत सूरजीत मिंह पुत्र कृपाल सिंह (पार्टनर)। (अन्तरिती)
3. जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाक्षणः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अद्यधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों माने कियी घोषित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अन्सूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 732, दिनांक जून, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा ने लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जानंदर

तारीख : 4-2-1982
मोहर :

प्रलेप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, जालंधर

जालंधर, दिनांक 4 फरवरी 1982

निदेश सं. ए. पी. 3037—यतः मृभे, आर. गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाड़ा
में स्थित है (और इसमें उपायदृष्टि अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में
राजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जुलाई, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्दरेश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हट्ट किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातः:—

1. श्री पा. ए. जैन, जे. ए. ए. जैन, विजय कुमार जैन,
पत्र तारा चंद जैन, वासी जालंधर कैट।
(अन्तरक)

2. मेमर्स इन्डियन आटो मन्यूफैक्चरिंग कम्पनी, 34-
हृष्टस्ट्रीयल एरिया, फगवाड़ा, इदाग मुरजीत मिंह
पुत्र कृष्ण सिंह (पाटनर)।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुच रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्धि है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 1025, दिनांक
जुलाई, 1981 को राजस्त्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा ने लिखा
है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, जालंधर

तारीख : 4-2-1982
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----
प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व(1) के प्रधीन सूचना
भारत राजकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़, जालंधर
जालंधर, दिनांक 4 फरवरी 1982

निदेश सं. 3038—यत. मुझे, आर. गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे
 इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा
 269-व(1) के व्यधीन सकार प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालंधर
 में स्थित है (और इससे उपायवृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
 वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
 तारीख जून, 1981
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षरण के लिए तथा पाया
 गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षरण लिखित में
 वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है:—

(१) अन्तरक में हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-
 नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
 कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
 और/या;

(२) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
 को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम 1922
 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
 आयकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिराने
 में सुविधा के लिए;

बत ग्रन्थ, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
 में, मे, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

17—496GI/81

1. श्री गुरदत्तन सिंह मठी प्रत्र गणेश मिंह मार्फत मनोहर
 सिंह कुमार, 9., कनाट सर्केस, जालंधर।
 (अन्तरक)
2. श्री अपजीत सिंह कुमार पुत्र मनोहर सिंह, वासी
 9, कनाट सर्केस, जालंधर।
 (अन्तरिती)
3. जैसा कि उक्तपर नं. 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुपी रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताकरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां बरता दूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आभेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
 लिखित में किए जा सकें।

संदर्भोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
 नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
 अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 2333, दिनांक
 जून, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

आर. गिरधर
 सकार प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रॉज़, जालंधर

तारीख : 4-2-1982
 मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन., एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नियोजित)

अर्जन रेज़, जालंधर

जालंधर, दिनांक 4 फरवरी 1982

निदेश सं. 3039—यतः मुझे, आर. गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालंधर
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः :—

1. श्री मरवूल मिंह सेठी पूत्र गणेशा सिंह द्वारा मनोहर
सिंह कुमार, 9, कनाट सर्कर, जालंधर।
(अन्तरक)
2. श्री गुरमीत सिंह कुमार पूत्र मनोहर सिंह, वासी 9,
कनाट सर्कर, जालंधर।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हिस्बद्ध है)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोहौ भी आधेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्ब-
द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 2512, दिनांक
जून, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त-(नियोजित)
अर्जन रेज़, जालंधर)

तारीख : 4-2-1982
मोहर :

प्रेस्प्र बाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 फरवरी 1982

निदेश नं. 3040—यत् मुझे, आर. गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी म. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव
ठोहपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी क कार्यालय,
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्छ ह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यह, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ज्ञान सिंह पूर्ण अमर सिंह वासी गांव ठोहपुर,
तह जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती निरन्जन कांर पत्नी प्रगत सिंह, वासी गांव
ठोहपुर, तह. जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में राजि रखता है।
जैसा कि हरभजन सिंह पूर्ण अमर सिंह, वासी गांव
ठोहपुर डाकखाना अडा कठार, तह. जालन्धर।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्मान्ती व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्ण होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 2071, दिनांक
जून, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़, जालन्धर

तारीख 4-2-1982
मोहर :

प्रस्तुति आई. टी. एन. एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 फरवरी 1982

निदेश नं. 3041—यत. मुझे, आर गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव
ठहेपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख, जून 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाथा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उम्बुचेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कीभूत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्दौ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
जोर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. श्री ज्ञान सिंह पूर्व अमर सिंह वासी गांव ठहेपुर,
तह. जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री रनजीत मिह पूर्व प्रगट सिंह, वासी गांव ठहेपुर,
तह. जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
जैसा कि हरभजन सिंह पूर्व अमर सिंह, वासी गांव
ठहेपुर डाकखाना अडा कठार, तह. जालन्धर।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रथमत शब्दों और पदों का, जो सक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा संपत्ति जैसा कि विलेख नं. 2072 दिनांक
जून 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख . 4-2-1982
माहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रश्नप्रार्थी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की व्यापा

269 घ(1) के पर्यान सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 फरवरी 1982

निदेश नं. 3042—यतः मुझे, आर गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन पञ्चम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संरचना, जिसका उत्तिवाचकार 25,000/-०० से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मूँहे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फढ़ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण रोड़े किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ वी उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सतनाम सिंह पंत लधा सिंह, कोठी नं. 611, माडल टाउन, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री विनोद कुमार चावला पंत लखपत राय मार्फत ज्वाला पैट्रोलियम, जी. टी. रोड, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में राचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त नहीं होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 1416 दिनांक जून, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जालन्धर

तारीख : 4-2-1982
माहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 फरवरी 1982

निदेश नं. 3043—यत् मुझे, आर गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), की
भारा 269-ष के प्रधीन मञ्च प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर मूल्य, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं। जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो जाल-
न्धर में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पृष्ठ
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूछोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल लके लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, तेसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के बिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखिए
— वास्तविक रूप से हथिए नहीं हिला गया है . . .

1. श्री सतनाम सिंह पुत्र लधा सिंह, वासी कोठी नं.
611, माडल टाउन, जालन्धर।
(अन्तरक)
2. श्री अश्वनी कमार चावला पुत्र लखपत राय, मार्केट
जवाला पैट्रोलियम, जी.टी.रोड, जालन्धर।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि उपर नं 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकोप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वारी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से तुर्जि लिखी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कुनी रखने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

. . .) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के अनुसरण
त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)
सम्मति-खिल व्यक्तियों, अर्थात् :—

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 1417, दिनांक
जून 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

आर गिरधर
सभम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 4-2-1982

मोहर :

श्रृंग बाई, टी. एन. एस.-----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रौज़, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 फरवरी 1982

निवेश नं. 3044—यतः मूर्ख, आर पिरधर,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के प्रधोत् प्रश्नम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण
दूर कि न्यायर भवानि, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए में अधिक है।

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसृती में लिखा है, तथा जो
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसृती में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जून 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अस्तरित की गई है और मूले यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
पन्द्रह अतिशत अधिक है और अन्तरक (अस्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरग के लिए तथा पाया
गया प्रतिकल, निम्नलिखित त्रैश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तर्ग से दूर में किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन नहीं हर देने के अस्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचते में सुविधा के लिए;
ओर/या

(ख) तेमीं किसी आग या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः जब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सतनाम सिंह पुत्र लभा सिंह, वासी कोठी नं.
611, माडल टाउन, जालन्धर।
(अन्तरक)
2. श्री भारत भूषण पत्र नवपत राए मार्फत ज्वाला
पंडिलियम, जी. टी. रोड, जालन्धर।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में गोदे भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्ती व्यक्तियों पर
मूचना की सामील से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 1418, दिनांक
जून 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

आर. पिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रौज़, जालन्धर

तारीख : 4-2-1982
मोहुड़ :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०--

भारत अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की भारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 फरवरी 1982

निवेशन नं. ए पी. न. 3045—यह: मुझे, आर गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सकाम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि इथावर संगति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो गांव
शादीपर तहि. भूलथ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पृष्ठ लूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, भूलथ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सेहम के भूममान प्रति
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि पथार्बोर्ड सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान
प्रतिक्रिया से ऐसे दृष्टमान प्रतिक्रिया का अन्तरित से प्राप्तिक्रिया
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण निर्दित वाद्यनियम रूप से कठिन नहीं किया गया

है।

(6) अन्तरण महुँ निसा आय को बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन हर दिन के अन्तरक के वायित्व
में उक्त अन्तरण या उक्त सूचने में मुक्तिशा के लिए;
प्रोग्रा।

(7) ऐसी किसी ग्राम या किसी घटन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
ए 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
गया तादिंग था, छिगाने में मुक्तिशा के लिए;

1. श्री कृष्ण, राम सूर्य सपुत्र श्री शिव कुमार वासी
पिछे फोरट, करतारपुर।
(अन्तरक)

2. श्री परम जीत सिंह पुत्र मेजर जगत सिंह वार्मी राम
गड़ जिला कपूरथला
(अन्तरिती)

3. श्री हजारा सिंह पुत्र श्री सोहन सिंह, गांव शीदीपुर,
तह. और जिला कपूरथला।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. श्री हजारा सिंह पुत्र सोहन सिंह, वासी गांव शादीपुर,
तह. व जिला कपूरथला और जो व्यक्ति संपत्ति
में रुक्ष रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के पर्वत के संबंध में जोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में ग्रामन जी तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी अधिकारी पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी घण्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास निर्दित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 757 दिनांक जून,
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भूलथ में लिखा है।

आर. गिरधर
सकाम प्राप्तिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, जालन्धर

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-घ के अन्तरण
में, मौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 4-2-1982

मोहर :

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 फरवरी 1982

निरोश नं. ए. पी. नं. 3046—यतः मृझे, आर गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गंव
शादीपुर तह भूलध में स्थित है (और इससे उपाबृष्ठ अनु-
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी
के कार्यालय, भूलध में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख जून 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरीरतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
18—496G/81

1. श्री देस राज पत्र श्री शिव कमार वासी पिल्ले कोरेट,
करसापुर
(अन्तरक)
2. श्री परमजीत सिंह पत्र मजर उगत मिह वासी रामगढ़
जिला कपूरथला
(अन्तरिती)
3. श्री हजारों सिंह पत्र श्री गोहन मिंह, गात शादीपुर,
तह. और जिला कपूरथला
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. श्री हजार मिह पञ्च माहन सिंह, धानी गांद शादीपुर,
तह. व जिला कपूरथला और जा व्यक्ति सम्पत्ति
में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वावधि सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख 758 दिनांक, जू
1981 को रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी, भूलध में लिखा है।

आर. गिर
सक्षम प्राधिक
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण
अर्जन रेंज, जाल

तारीख : 4-2-1982

मोहुड़ :

प्रृष्ठ प्रभाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 4 फरवरी 1982

निदेश नं. ए. पी. न. 3047--यतः मूझे, आर गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव
शादीपर, तह. भूलथ में स्थित है (और इसमें उपादान अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, भूलथ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, सार्वीक जून 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नित में वास्तविक स्पष्ट से क्रियत नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हूँ इसे किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में
कर्त्ता करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री रम सरूप पुश्त्र श्री शिव कुमार बासी पिछे कोरट,
करतारपुर

(अन्तरक)

2. श्री परम जीत सिंह पत्र मंजर जगत सिंह, दासी
गमगड़, जिला कपूरथला।

(अन्तरिती)

3. श्री हजारो सिंह पत्र श्री सोहन। संह, गांव शादीपर,
तह. और जिला कपूरथला।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री हजारो मिह पत्र महिन सिंह, दासी गांव शादीपर,
तह. व जिला कपूरथला और जो व्यक्ति सम्पत्ति
में रजिस्ट्रेशन होता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्धि है)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षण :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
आद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही वर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 759 दिनांक जून,
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भूलथ में लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 4-2-1982

मोहर :

प्रलेप ग्राही० नं० एन० एम०---
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 नं 43) को
धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 10 फरवरी 1982

निवेश नं ए पी 3048—यत सुझे, के के मितल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 नं 43) (जिसे हम
इसके पश्चान 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा
269-घ के प्रधीन मत्रम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने
का फारग है कि यथा प्राधिकारी के कार्यालय
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी संज्ञा कि अनुसूची में लिखा गया है तथा जो
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपायद्रव्य में अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में रुप के
दृष्टमान प्रतिकृत के लिए प्रतिनिधि भी गई है और मुझे यह
विश्वास करने का सारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति पा
रिचित बाजार मूल्य, उक्त दृष्टमान प्रतिकृत से, ऐसे
दृष्टमान प्रतिफल रहे एवं हानि में परिवर्तित हो और
अतिरिक्त (अन्वर्गका) और अन्तर्गत (अन्वार्गिका) के वीच
ऐसे अन्वरण के लिए तथा गया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित
उन्नेश्य में उक्त अन्वरण विवित ने वास्तविक रूप में कथित
नहीं किया गया है।

(क) अन्वरण ने दुई किमी आय का बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन रहने के अन्वरण के दायित्व
में ही उक्त या उक्त बचने में भुविधा के
लिए, शोरथा

(ख) ऐसी किमी आय या बाबत अन्य प्राप्तियों
को दिनें मारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 नं 11) या उक्त प्राप्तियम, या
उत्तर प्रदेश अधिनियम 1957 (1957 का 27) के
नयोजनार्थ प्रभावित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या उक्त जाना चाहिए था छिपाने में
मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्वरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधान (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिया, अर्थात् —

- 1 श्री चानन सिंह पुत्र निका राम वासी ई एस-114
नकोदर रोड, जालन्धर।
(अन्तरक)
- 2 श्री राम लूभाया पुत्र फकीर चन्द, वासी छल्लू-502-
मोहला सूरज गज, जालन्धर।
(अन्तरिती)
- 3 जैमा कि उक्त न 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
- 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में गतिशील रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :-

- (ए) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45.
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स
किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45.
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के रास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :-—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही
अर्थ होगा, जो उम्म अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 2373 दिनांक
जून, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

के. के. मितल
सक्रम प्राधिकारी।
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रज, जालन्धर

तारीख : 10-2-1982
मोहर

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०--

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रतीत सूचना

भारत सरकार

कायोलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 फरवरी 1982

निवेदन नं. ए. पी. 3049—यतः मुझे, के. के. मित्तल, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं। जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून 1981

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्ननिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी व्यवय या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1923 (1923 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या छन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपस्थाता (1) के अधीन, निम्ननिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्री चामन सिंह पुत्र निका राम वासी है एस-114-नकोदर रोड जालन्धर। (अन्तरक)
2. श्रीमती कमला रानी पत्नी राम श्रीमाया व. गम मरुप पूर्व फकीर चब्द, वासी डब्ल्यू. जी. -502, मोहला सूरज गंज, जालन्धर। (अन्तरिती)
3. जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में ग्रांची रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नस्तम्बन्धी व्यक्तियों वर मूल्यानुका की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिष्ठित गाइ में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 40 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट है, वही मर्यादा द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 2536 दिनांक जून 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

के. के. मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 10-2-1982
मोहर :

प्रस्तुप आइ.टो.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 फरवरी 1982

निदेश नं. ए. पी. 3050—यतः मुझे, के. के. मित्तल,
ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
एसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व
के अधीन नक्षम प्राधिकारी की, वह विष्वास करने का कारण
है कि स्थानीय सम्पत्ति जिम्मा उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए ने अधिक है।

और जिसकी मं. जैमा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपायद्रव्य में अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनलिंगित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तभी पाया गया त्रुटी नहीं किया गया है।—

(१) अन्तरण में हुई किसी धारा की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यरक के
विविध में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा
के लिए और/या;

(२) ऐसी किसी धारा या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम, या
प्रनक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनामं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था; छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम द्वारा 269-व के अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरमीत सिंह पंथ इन्डियन सिंह बामी 516-माडल
टाउन जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती उषा कमारी पत्नी रमेश चन्द्र बामी-6 नरसरी
माडल टाउन जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैमा कि उक्त नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. जा. वार्किन सम्पत्ति में गंतव्य रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 2292 दिनांक जून
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

के. के. मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन राज, जालन्धर

तारीख : 10-2-1982
मोहर :

पर्सा अ० २१ पूर्व एस —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काशालद, सहायक अधिकारी आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 फरवरी 1982

निदंश न ए पी 3051—यत मुझे, के के मित्तल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर रापत्ति जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु में अधिक है

और जिमकी में जैमा कि अन्मृती ग लिया है तथा जा जालन्धर में मिल है (और इसमें उपावश्यक अनुग्रही ग और पूर्ण स्वप म वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय जालन्धर म रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1981

के प्राव॑क्ति संलिन के उचित बाजार मूल्य ग कम के इन्हान प्रतिफल के नियं अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि गशागृहान सम्पत्ति जो उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एवं दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के नियं तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदाहरण म उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में काठत नहीं किया गया है—

(क) अस्तरण तं है कि सी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के सिए;

(ख) एसी किसी बाय या एसी बूँ या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 71) के प्रयोगन अन्तरन राय ११८ नहीं किया गया था, छिपान में मुश्तिश के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग २८० व नी उम्माग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

- 1 श्री गजिन्दर सिंह पुत्र इन्द्रजीत सिंह वासी-516-माडल टाउन जालन्धर।
(अन्तरक)
- 2 श्रीमती शांती द्वावी विधवा मगल सैन वासी 6-नंसरो-माडल टाउन जालन्धर।
(अन्तरिती)
- 3 जैसा कि उपर न 2 मा लिया है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
- 4 जो व्यक्ति समानि भ र्जाव रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके प्राव॑क्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्राव॑क्ति व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण—इसमें प्राव॑क्ति शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसृती

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख न 2293 दिनाक जून 1981 को रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी जालन्धर न लिया है।

क. के मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख 10-2-1982
मोहर

प्र० अर्डे टी एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ताता

269-ए (1) अधिनियम

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयान (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 फरवरी 1982

निदेश न. ए. पी 3052—यत सुझे, को के मित्तल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961-143) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की वारा 269-ए के अधीन मकाम प्राप्तिकारी को प्रति विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति त्रिपुरा उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उच्चित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और सुझे यह विभास करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरलों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया नया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसूची लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी व्रत या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए वारी ता एग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्रीमती नरिन्द्रा लौर विधवा इन्डियोंत सिंह वासी 516 माडल टाउन जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री सुरज प्रकाश पूत्र मंगल सैन वासी बी-5-आर- के, इन्डस्ट्रीज, इन्डस्ट्रीजल स्टट, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उन्पर न. 2 पर लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में राँची रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को पढ़ मुख्या त्रागे करके पूर्वोक्त सम्पत्ति व अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मन्त्रन्धर में कोइ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तन्मन्त्रन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त व्यक्ति द्वारा संपत्ति में हित-बद्ध कियी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

शब्दोहरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख न. 2294 दिनांक जून-1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

के के मित्तल
मकाम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयकत (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख 10-2-1982
मोहर .

प्रस्तुत आदौ.टो.एन.एस.-----

ज्ञानकर आनन्दनगर, 1961 (1961 का 43) की
धारा 205 वं (1) के अधीन सूचना

शास्त्र भविक्त

कार्यालय, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 फरवरी 1982

निदेश नं. ए. पी. 3053—यतः मृम्भे, के. के. मित्तल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-वं के अधीन स्थान प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है।

रूप में कथित नहीं किया गया है।

और जिसकी संख्या जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो
जैसे में स्थित है और इसमें उपादान अनुसूची में और पूर्ण
रूप में दर्शित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, जैसे में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

तारीख जून 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृम्भे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हृहृ किमी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) एम्भी किमी आय या किमी भन या अन्य आम्नियों
को जिहृ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था; छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-वं के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वं की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री खूशी गम, शिवजी गम पश्च पाली मल पूर्व हजारी
मल, बामी जैसो मण्डी।
(अन्तरक)
2. श्रीमती लाजवती पन्नी मिहृडा मल पश्च नगीना मल
बामी जैसो मण्डी।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि उपर न. 2 मा. लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में र्जीन रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

क्वो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिकां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेखन न. 785 दिनांक जून-
1981 की रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी, जैसो ने लिखा है।

के. के. मित्तल
मक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रंज, जालन्धर

तारीख : 11-2-1982
मांहर :

प्रमाण आइ. टी. एन. पृष्ठ. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन गृचना

भारत नरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 फरवरी 1982

निदश न. ए. पी. 3054—यत् मर्फ़े, क. के. मित्तल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे उसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन गम्भीर प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि दृष्टावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी मं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो जैसों
में स्थित है (और इसमें उपाख्य से अनुसूची में और पूर्ण रूप
में दर्शित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जैसों में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जन 1981

को पूर्वान्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम व दृश्यमान
प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और भवे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मुविधा
के लिए; श्रीराया

(ख) दोस्री किसी आय या किसी धन या अन्य मासितियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
ने प्रयोगनार्थ गम्भीरती द्वारा प्रकट नहीं किया
गा था या किसी जाता आदिए था, छिाने में
सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, सौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्,—

19—496G/81

1. श्री वल्ली राम पत्र माली मल, वासी जैसों मण्डी व
श्रीमती विद्या देवी पत्री देस राज पत्र माली मल,
वासी मक्तसर।

(अन्तरक)

2. श्री हेम राज पत्र काँर चन्द, दर्शना गनी पत्नी 'हेम'
राज, चानन राम पत्र चन्द राम, वासी गनी डा.
किशोर चन्द, जैसों मण्डी व: श्रीमती नाजवंती पत्नी
मिह्डा मल, वासी चौक नं. 2, जैसों मण्डी।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उक्त नं. 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में राजि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्णांक सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्प्रबन्धी व्यक्तियों पर
मूचना की तामील से 30 दिन ही अवधि, जो भाँ
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सार्वीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलंब नं. 806 दिनांक जून-
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जैसों ने लिखा है।

के. के. मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 11-2-1982

माहूर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 फरवरी 1982

निदेश नं. ए. पी. 3055—यतः मुक्ते, के. के. मितल,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 288-ख के
प्रथीन सभाम प्राधिकारी को यद् विश्वास करने का कारण है कि
इवाचर मंपत्ति जिवाला उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में
प्रधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनसूची में लिखा है। तथा जो भार्टिंडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय भार्टिंडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जन 1981

को पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तररक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रेष्ठ उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के स्वलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री मंत राम पृथ्र दीना पृथ्र राम दियाल मार्फत हर्वस
लाल प्रोपट्टिंगिनर, आर्या समाज चौक, भटिण्डा।
(अन्तरक)
 2. श्रीमती पृष्ठा रानी पहनी बिहारी लाल, ओम प्रकाश
पृथ्र मनोहर लाल मार्फत मैसर्स सरना मल तथू राम
कलोध मरचेंट, भटिण्डा।
(अन्तरिती)
 3. जैरा कि उत्पर नं. 2 मे लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग मे सम्पत्ति है)
 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे मे अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

को यदृ सूचना जारी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के श्रज्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मञ्चन्व में कोई भी आक्षेपः—

(क) हम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध फिरी अथवा व्यक्ति द्वारा अधिसूचनाकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तर्राष्ट्री

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख न: 1944 दिनांक जून 1981 को राजस्टीकर्ता अधिकारी भट्टण्डा में लिखा है।

के. के. मित्तल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज. जालन्थर

तारीख : 11-2-1982
माहर :

प्रस्तुप आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्थर

जालन्थर, दिनांक 11 फरवरी 1982

निवेश नं. प्र. पी. 3056—यतः मुझे, के. के. मितल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मां. जैमा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो
भाटिण्डा में स्थित है (झेर इसमें उपादान भूमि में अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्षिक
भाटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1903 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जून 1981
को पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करते का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे हृदयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरीतीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए संघ पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगशार्य अन्तरिती दबारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री संत राम पत्र दीना पुत्र राम दियाल मार्फत हरबंस
लाल प्रार्पणी डीलर, आर्य समाज चौक भटिण्डा।
(अन्तरक)

2. श्री कृष्ण कुमार पुत्र इन्द्र सिंह, चिरन्जी लाल पत्र
इन्द्र सिंह अनिल कुमार पुत्र चिरञ्जी लाल मार्फत
मैर्सेज हजारा सिंह इन्द्र सिंह, मरचेंट्स हस्पताल बजार
भटिण्डा। व सोम प्रकाश पुत्र बलवंत राए पुत्र अर्जन
दाम, वासी आबाहर।
(अन्तरिती)

3. जैमा कि उक्त नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधार :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पारिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 1883 दिनांक जून
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिण्डा ने लिखा है।

के. के. मितल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्थर

तारीख : 11-2-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 11 फरवरी 1982

निदेश नं. ए. पी. 3057--यतः मुझे, के. के.
मितल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थाद्वार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखी है, तथा या
भाईठण्डा में स्थित है (आंग इसमें उपाकद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कारबाल्य,
भाईठण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जून, 1981
को पूर्वान्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतिम की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वान्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एस दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण दिखाया भी
मास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन के दंने के अन्तरक के
दायित्व में किसी करने या उससे बचने में संविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तर्राष्ट्री द्वारा इकट्ठ नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारा
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपाधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

1. श्री लाल चन्द्र पूर्ण दीना पञ्च राम दिलाल मार्फत हर-
बंस लाल प्राप्टी डीलर, आर्या समाज चौक,
भाईठण्डा।

(अन्तरक)

2. श्री बचन दास पूर्ण नम् गाम प्रदीप कमार पूर्ण बचन
दाम, गरिमन्दर कमार पूर्ण नम् गाम, गोम नाथ पूर्ण
नम् गाम मार्फत मैसर्स, बचन टी व्यापारी, पराना
सट्टा बाजार, भाईठण्डा व पृष्ठ गामी पत्नी दिलारी
लाल, ओम इकाश पूर्ण दजीर चन्द्र, व सत प्रकाश
पूर्ण मनोहर लाल, मार्फत मैसर्स, मरनामन नम् गाम
नाथ मरक्केट्स, भाईठण्डा व यशपान पूर्ण माती
गाम अब्दहर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उक्त नं. 2, मैं लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
4. जो व्यक्ति, संपत्ति में रजी रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके दार्शन में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रेई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 1943 दिनांक जून,
1981 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भाईठण्डा नं लिखा है।

के. कॉ. मितल
सक्षम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, जालन्धर

नामांक 11-2-82
मोहर :

प्रस्तुप आई. ई. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, भारतीय आयकर आयकल (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, जालंधर

जालंधर, दिनांक 11 फरवरी 1982

निवेश न. ए. पी. 3058—यत. मृके, क. के. मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी संज्ञा में लिखा है तथा जो भट्टिण्डा में स्थित है (और इसमें उपाधिक अनुसूची में दीर पर्ण रुप में वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भाटुठण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981

का प्रवॉक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य में काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मृके यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवॉक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छू प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तर्को) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्ननिम्नित उद्वेश्यों में उक्त अन्तरण निर्मित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ने हाई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में किसी करन या उसमें बदलने में सुविधा के लिए, और, या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, इन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की न्यधारा (1) के अधीन निम्ननिम्न व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री लाल चन्द्र पत्र दीना पत्र राम दिवाल मार्फत हर-बंग नाल, प्राप्टरी डीलर, आर्या मसाज चॉक, भट्टिण्डा।
सूशील कमार पत्र वृष्ण कमार मार्फत मैमर्ज राजिन्द्र कमार।

(अन्तरक)

2. श्री केवल कृष्ण, टी-भरचौल्ह, अरपतान बाजार, भट्टिण्डा व संधीर कमार जैन पत्र माहिन्दर पाल जैन व उपा जैन पत्नी राजकमार, मार्फत मैमर्ज मूल, माहिन्दर पाल जयन्दर, भट्टिण्डा व सोम प्रकाश पत्र बलवन्त राण, बासी अबोहर।
(अन्तरिती)
3. जैमा कि उपर नं. 2, मैलिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुच रखा हो।
(वह व्यक्ति, जिनके तार में अधोहस्ताक्षरी-जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके प्रवॉक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यदारीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आशेषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के अन्तर या अन्तर्को उपरित्या पर मूल्य की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवॉक्त कार्यदारीया करता है।
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धारित तथा सम्पत्ति जैमा कि विनेश नं. 1882 द्वारा जून, 1981 को रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी, भट्टिण्डा ने लिखा है।

के. के. मित्तल
मक्षम प्राधिकारी
भारतीय आयकर आयकल (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, जालंधरतारीख : 11-2-82
मोहर .

प्रश्न आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

त्रृतीय संसद

कार्यालय, सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 11 फरवरी 1982

निवेश नं. ए पी. 3059—यतः मूर्ख, के. के.
मितल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर गम्भीर, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी में जैसा कि अनुसन्धी में लिखा है, तथा जो गान
कतार मिंह वाला में गिर्हन है (और इसमें उपावद्ध अनुसन्धी में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
भट्टिंडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रवृत्ति संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, गम्भीर दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुए किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य
में कमी करने या उससे बचने में सूक्ष्मिका के लिए;
और/या

(ब) एकी किसी आय या एकी धन या अन्य आपूर्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किसी आम ज्ञाहेए था लियाने में
सूक्ष्मिका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ——

1. श्री जगरूप सिंह उर्फ कैलीआ, पुत्र हरी सिंह पुत्र
मतसिंह वासी गांव कतार सिंह वाला, ताहि. जिला
भाटिठण्डा।

(अन्तरक)

2. श्री उदय चंद पुत्र कर्ता गम, मार्फत मैसर्स उदयचंद
भूपण कुमार, इन्जिन ईंजिनियर पार्टेस मानसा मंडी व
विद्या दंबी प्रती उदय चंद मार्फत जैसे उपरं है।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं. 2, में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रही रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अपरिध बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसन्धी

अविक्त तथा सम्पत्ति जैसा कि लिखा नं. 2656 जून-1981
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ने लिखा है।

के. के. मितल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, जालन्धर

तारीख 11-2-82
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एम०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 फरवरी 1982

निदेश नं. प्र. पी. 3060—यतः मर्भे, के. के.
मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति शिक्षक उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी में जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो गाव
कतार सिंहवाला में स्थित है (और इसमें उपायदधि अनुसूची में
और पूर्ण स्पष्ट से बरिंदर है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, भट्टिणा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से रुम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने
का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह
प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरको) और अस्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः आय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री बचन सिंह पुत्र हरी सिंह पुत्र सता सिंह वासी गांव
कतार सिंह वाला, तह. व जिला भट्टिणा।
(अन्तरक)
2. श्री सरान्दर कमार पुत्र उदय चंद पत्र कर्ता राम
मार्फत भैरोज उदय चंद भूषण कमार, इन्जन सपेंग
पाटस मानसा मंडी।
3. जैसा कि उपर नं. 2, मे लिखा है:
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे संपत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुच रखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि पहले गम्भीर मे हितबद्ध है)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध मे कोई आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
मे समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
मे किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभासित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 2657 दिनांक जून
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भट्टिणा ने लिखा है।

के. के. मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, जालन्धर

तारीख : 1-2-1982
मोहर :

प्रेरूप आई. टी. एन. एस. -----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 गा 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रौज, जानन्धर

जानन्धर, विनांक 11 फरवरी 1982

निदेश नं. ए. पी. 3061—उत्तर: मुझे, के. के. मित्तल,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- मूँ से अधिक है और जिसकी में जैसा कि उनमूँची में लिखा है तथा जो बाब राम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनमूँची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तलवड़ी साबो में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टगत न प्रतिफल देने वाले अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टगत न प्रतिफल में, ऐसे दृष्टगत न प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पापा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिफल लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर. अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपन में सविधा के लिए;

उत्तर: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री ज्ञान देवी पुत्री कृपा राम पुत्र मूलतानी मल, बासी रामा मण्डी, जिला भटिण्डा।

(अन्तरक)

2. श्री भगवंत राम, जैनिन्द्र कमार पश्च नथ राम पुत्र ठाकर मल, बासी रामा, मण्डी जिला भटिण्डा।

(अन्तरकी)

3. जैसा कि उपर नं. 2, में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में समर्पित है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में स्वच रखा है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त समर्पित के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि लिखे नं. 1682 दिनांक जून, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता तलवड़ी साबी नं लिखा है।

के. के. मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रौज, जानन्धर

तारीख : 11-2-82
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 फरवरी 1982

निदेश नं. ए. पी. 3062—यतः मुझे, के. के.
मितल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो गांव
रामा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तल-
वंडी सावी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जून, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच पार्मे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हड्ड किमी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :—
20—496GI/81

1. श्री हैस रेज़ में सुनील कुमार वासी रामपुरा फूल,
जिला भटिङ्डा।

(अन्तरक)

2. श्री आतमा मिंह व प्रकाश कौर पत्नी आतमा मिंह
वासी भटिङ्डा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उक्त नं. 2, में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुच रखा हो।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा संपत्ति जैसा कि विलेख नं. 1356 दिनांक जून,
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सलवंडी सांवी ने लिखा है।

के. के. मितल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, जालन्धर

तारीख : 11-2-82
मोहर :

प्रूष प्राइ. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयदृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 फरवरी 1982

निवेदन नं. ए. पी. 3063—यतः सभ्वे, के. के.
मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसन्धि में लिखा है, तथा जो
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमति में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम्बे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरीतियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
भास्त्राविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
मैंने या उभये वर्षने में सुनिश्चि व निरा,
और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिलयों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रदोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुनिश्चि
के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 5—

1. श्री कुलदीप सिंह नलधा पुत्र बलवंत सिंह, वासी 697-माडल टाउन, जालन्धर।
2. श्री राजेश सहिंगल, लवकेश सहिंगल, पुत्र सलामल
राए सहिंगल, वासी डब्लू-डी-190, अली मोहला
जालन्धर।
3. जैसा कि ऊपर नं. 2, में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुच रखा हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी आनंद
है कि वह सम्पत्ति में हितदृष्ट है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः—

- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
शाव भी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
दृष्टि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा संपत्ति जैसा कि विलेख नं. 2416 विनांक जून,
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

के. के. मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकूल (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, जालन्धर

तारीख : 11-2-82
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 फरवरी 1982

निदेश नं. ए. पी. 3064—यतः मुझे, के. के.
मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार में
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी में जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो
जालन्धर में स्थित है (जो इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्विधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
मुश्विधा के लिए;

1. श्री भगवान सिंह पुत्र मेला सिंह बासी 258/6-
सेन्ट्रल टाउन जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बलबीर काँस पर्नी तीर्थ सिंह बासी 258/6-
सेन्ट्रल टाउन जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्तर नं. 2, में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुच रखा हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानला
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 1747 दिनांक जून,
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

के. के. मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, जालन्धर

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 11-2-82

मोहर :

प्रृष्ठ प्राइंटी.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 फ़रवरी 1982

निवेश नं. ए. पी. नं. 3065—यतः मुझे, के. के.
मितल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी काव की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आम या किसी भूमि या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धमकर अधिनियम, 1957 (1937 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती व्यापारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीज़:—

1. श्री भगवान सिंह पूरा मेला सिंह, वासी 258/6
सैन्ट्रल टाउन जालन्धर।
(अन्तरक)
2. श्रीमती बलबीर काँडे पत्नी तीर्थ सिंह, वासी 258/
6 सैन्ट्रल टाउन, जालन्धर।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि उक्त नं. 2, में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपर्क है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुच रखा है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितवद्धि है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
सिलित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा संपत्ति जैसा कि विलेख नं. 1916 दिनांक जून-
1981 ने रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

के. के. मितल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 11-2-82

मोड़ूर :

प्रसूप: जाइर्स टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 12 फरवरी 1982

निदेश नं. ए. पी. 3066—यतः मर्खे, के. के.
मिस्ल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में दिखा है। तथा जो
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपादव्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जाल-
धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्वोक्त प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों)
(अन्तरितदों) के बीच एम्ब अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्राप्ति-
फल निम्नलिखित उद्धरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दबने के अन्तरक के बायित्य में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बीड़/या

(ब) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधात् :—

1. श्री राम प्रकाश महाए पूत्र दौलत राम द्वारा जी.
ए. श्री कपिल दत्त महाए, वासी महाए निवास,
बौक अड्डा होशियार पुर, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती केसरी देवी पत्नी दौलत राम वासी रेलवे
रोड, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं. 2, में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति, संपत्ति में रक्षा रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जागता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्लॉइ भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्त्वस्वधी अधिकतयों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टोक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 2272 दिनांक जून-
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

के. के. मिल्ल
मक्कम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालंधर

तारीख : 12-2-82

माहेर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 फरवरी 1982

निवास नं. ए. पी. नं. 3067—यतः मुझे, के. के.
मितल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि उथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अन्सूची में लिखा है। तथा जो
होशियार पूर में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
होशियार पूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि उथावर संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नान्त उदाहरण उक्त अन्तरण दर्शित करता है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती दृवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री जबाहर लाल पूत्र श्री भगत राम जैन वासी पहाड़ी
कट्टरा, होशियारपुर।

(अन्तरक)

2. श्री अमन लाल जैन पूत्र श्री सरदारी लाल जैन वासी
मकान नं. बी-IV-24/1225, पहारी कट्टरा,
होशियारपुर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं. 2, में लिखा है।
(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अधीन दर्शाये गए हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलोक्य नं. 1236 दिनांक जून-
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, होशियारपुर में लिखा है।

के. के. मितल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 12-2-82

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

आलन्धर, दिनांक 12 फरवरी 1982

निवेश नं. ए. पी. नं. 2068--यतः मँझे, के. के.
मिस्त्र, अर्जन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका वाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो
हृषियार पर में स्थित है (और इससे उपाबृद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हृषियार पर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मँझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-
शत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती
(अन्तरितायां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण विस्तृत में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितयों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिथा
के लिए।

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिया, अर्थात् .--

1. श्री जवाहर लाल पुत्र श्री भगत राम जैन वासी पहाड़ी
कटड़ा, हृषियार पर।
(अन्तरक)
2. श्रीमती अनु जैन पत्नी श्री महिन्द्र पाल जैन, वासी,
मकान नं. बी. IV-24/1225, पहाड़ी कटड़ा,
हृषियारपर।
(अन्तरिती)
3. जैमा कि उपर नं. 2, में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबृद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति ने अर्जन ? गम्बरद में तोई भी आक्षेपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबृद्ध
कि सी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्ति का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 1270 दिनांक जून-
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हृषियार में लिखा है।

के. के. मिस्त्र
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 12-2-82
मोहर

प्रकृष्ट प्राइवेट एन. एस.-----

शास्त्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 12 फरवरी 1982

निवेश नं. ए. पी. नं. 3069--यत मुझे, के के.
मित्तल,

शास्त्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सकास प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो
फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपानदध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, फग-
वाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रदूष प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उचित रूप से उचित अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आव की बाबत उक्त उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आव या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अस्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .—

- 1 श्रीमती राज रानी पत्नी श्री पालाराम वासी फगवाड़ा।
रानी पत्नी श्री कृष्ण कम्बार वासी महल्ला नजदीक
(अन्तरक)
- 2 श्री कृष्ण कम्बार पा. श्री हरी छद और श्रीमती विमला
रानी पत्नी श्री कृष्ण कम्बार, वासी महल्ला तमा खूला
पास, महली गेट, फगवाड़ा।
(अन्तरिती)
- 3 जैसा कि उपर नं. 2, में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुपी रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितवद्धि है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी वाक्यपूँ:

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 898 दिनांक जून,
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फगवाड़ा में लिखा है।

के के मित्तल
सकास प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालंधर

तारीख 12-2-82
मोहर .

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन्. एस. ——————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 फरवरी 1982

निदेश नं. ए. पी. 3070—यतः मर्भे, के. के.
मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. में अधिक है।

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो
जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपायदूर्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्भे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिक्रिया निम्ननिम्निति उड़ेग्य ने उक्त प्रतिक्रिया निम्निति में
सास्तीकरण रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्ई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उद्धर अधिनियम, या पन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) द्वा-
रा प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्ननिम्निति व्यक्तियों, अर्थात्,—

2I-496 GI/81

1. श्री प्रीतम सिंह पुत्र निहाल सिंह, वासी 41-2-माडल
हाउस, जालन्धर।
(अन्तरक)
2. श्रीमती लखिन्द्र कौर पत्नी कूलदीप डकबाल सिंह,
वासी 242/12, अमृत बाजार, कपूरथला।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि उपर नं. 2, मैं लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुची रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोकृताधरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
नामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोकृताधरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 2521 दिनांक
जून-1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

के. के. मिस्ल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैंज, जालन्धर

तारीख : 12-2-82
मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 फरवरी 1982

निवेश नं. ए. पी. 3071--यतः मुझे, के. के.
मिस्टल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और प॑र्स
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तथा पाया गया प्रौद्योगिक
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कौंधत नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हूँ जिसी अपय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री प्रीतम सिंह पुत्र निहाल सिंह, वासी 41-एल.
माडल हाउस, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री कलदीप इकबाल सिंह पुत्र इकबाल सिंह वासी 242/12, अमृत बाजार, कपरथल।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि उक्त नं. 2, में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपर्क है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूची रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण्य :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
बायीध बाह में समाप्त होती है, के भीतर प्रदान कर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

। व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 2595 दिनांक
जून-1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

के. के. मिस्टल
सभृम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 12-2-82

माहूर :

प्राकृप प्राई. टी. एम. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 फरवरी 1982

निदेश नं. ए. पी. 3072—ग्रस: भूम्फे, के. के.
मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से दर्शित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थायमान
प्रतिफ़ल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके स्थायमान प्रतिफ़ल से, ऐसे स्थायमान प्रतिफ़ल का
पन्द्रह रुपियां से अधिक है और पन्द्रह रुपियां (पन्द्रहरु)
और अन्तरिक्ष (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
नियम पाया गया प्रतिफ़ल नियमित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
स्थिति में वास्तविक रूप से कठिन नहीं हिया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन नहीं है। के यन्मक के
शायित्व में रुपी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगान्वय अन्तरिक्ष द्वाय प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब; उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपशारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक्ष. ८—

1. श्री सुरिन्द्र पाल जैन पुत्र बाबू राम, वासी 229-
अदर्श नगर जालन्धर।
(अन्तरक)
2. मैर्सज ठकर दास एण्ड कम्पनी, BX XXXII-466,
बस्ती बाबा खेल, जालन्धर, माफौत श्री पी. एल.
कपूर, मैरेजर।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि उक्त नं. 2, मे लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानका
है कि वह सम्पत्ति में हितवृद्धि है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर सूचना की
सामीक्षा से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा प्रबोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अड्डाय 20-ए में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो सभ स्थावर में
विया गया है।

मूल्यांकन

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलोक्ष नं. 2538 दिनांक जून-
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

के. के. मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 12-2-82
मोहर :

प्रध्य नाइ. डॉ. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 फरवरी 1982

निदेश नं. ए. पी. 3073—प्रतः भूम्भे, के. के.
मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो
भाठिण्डा में स्थित है (और इससे उपाल्बध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
भाठिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जून, 1981
के, पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूम्भे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रदृढ़ प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस-
दिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री लाल चन्द्र और संत राम सुप्रती श्री दीना मार्कत
हरवंस लाल प्राप्टी डीलर, आर्य समाज और
भाठिण्डा।

(अन्तरक)

2. श्री जगदोष राय प्रती श्री गौरी शंकर और जशपाल,
वासी भाठिण्डा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं. 2, में लिखा है :
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में गुच्छे रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितवृद्धि है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थानोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 2007 दिनांक जून
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भाठिण्डा में लिखा है।

के. के. मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैंज, जालन्धर

तारीख : 12-2-82

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. पस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 फरवरी 1982

निदेश मं. आई. ए. सी. (ए. सी. क्यू.)/भोपाल/
2337—अतः मुझे, डी. पी. पंत,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. म. नं. 1567 बी-2 है, तथा जो नेपियर
टाउन, जबलपुर में स्थित है (और इसमें उपावध अनुमति
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 16-6-1981

को पूर्वोक्त मंपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में आस्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ दिक्षी आय की बाबत उक्त अधीन
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुमति

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अस्तरीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

श्रेष्ठ प्रिय दंस
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री दिनकर गजानन चौधरी, (2) श्री दत्तात्रेय
गजानन चौधरी, (3) श्रीमती हंदिरबाई पांडुरंग
चौधरी, राईट टाउन, जबलपुर।
(अन्तरक)

2. श्री गोपालराव काशीनाथ गोंगड़, 141 लार्ड गंज,
जबलपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रप्पोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

म. नं. 1567 बी-2, प्लाट नं. 168-ए, नेपियर टाउन,
जबलपुर का भाग।

तारीख : 9-2-1982

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-11, the 28th November 1981

No P/1047-Admn I—Shri R Pandit, a permanent Gd I officer of Central Secretariat Services and working as Under Secretary in the office of Union Public Service Commission expired on 21-7 1981

The 6th February 1982

No A 11016/1/81-Admn III—The President is pleased to appoint the following Section Officers/Private Secretary of the Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officer in the office of the Union Public Service Commission for the periods indicated against each or until further orders, whichever is earlier —

S No	Name	Period	Remarks
1	S/Shri M C Khorana	2-3-82 until further orders	
2	Mukul Chatterjee	2-3-82 to 1-6-82	
3	Yoginder Nath	21-2-82 to 1-3-82	{ Their appoint-
4	D R Madan	16-1-82 to 1-3-82	{ ment is on ad hoc basis
5	M S Bhatia	1-2-82 to 30-4-82	

2 The above officers shall draw special pay @ Rs 75/- per month in terms of D O P & A R O O M No 12/1/74-CS(I) dated 11th December 1975

The 8th February 1982

No A 32014/1/82 Admn III—The President is pleased to appoint the following Assistants of the office of the Union Public Service Commission to officiate as Section Officers on *ad-hoc* basis for the periods mentioned against each or until further orders whichever is earlier

S No Name and Period for which promoted

- 1 Smt Tejinder Kaur—1-2-82 for a period of 3 months
- 2 Shri S R Gehlon—1-2-82 to 12-3-82
- 3 Shri K P Sen—8-2-82 to 1-3-82
- 4 Shri B C Gupta—1-2-82 to 1-3-82

The 19th February 1982

No A 32014/3/79-Admn I—The President is pleased to appoint the following permanent Senior Personal Assistants (Gd B of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission to officiate as Private Secretary (Gd A of CSSS) in the same cadre on a purely provisional, temporary and *ad hoc* basis with effect from the dates mentioned against their names or until further orders, whichever is earlier

S No, Name and Period

- 1 Shri Joginder Singh—10-2-1982 to 9-5-1982
- 2 Shri R L Thakur—29-1-1982 to 28-4-1982

No A 32014/1/82-Admn I—The President is pleased to appoint the following Selection Grade Personal Assistants of the Cadre of Union Public Service Commission to officiate as Sr PA (Grade B of CSSS) in the same cadre in a purely provisional, temporary and *ad hoc* capacity with effect from the dates mentioned below —

S No, Name and Period

- 1 Shri P P Sikka, 29-1-82 to 28-4-82 or until further orders, whichever is earlier
- 2 Shri O P Deora, 10-2-82 to 9-5-82 or until further orders whichever is earlier
- 2 S/Shri P P Sikka and O P Deora should note that their appointment as Sr PA (Grade B of CSSS) is purely temporary and on *ad hoc* basis and will not confer on them, any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that Grade

Y. R. GANDHI,
Under Secy (Admn)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL, C R P. FORCE

New Delhi-22, the 22nd February 1982

No F-2/7/81-Estt(CRPF)—The President is pleased to appoint the following Commandants (presently holding honorary rank of DIGP) on promotion as Deputy Inspectors General of Police in the Central Reserve Police Force on regular basis with effect from 18th February, 1982 in a temporary capacity until further orders —

- 1 Shri India Singh
- 2 Shri M P Singh
- 3 Shri K R K Prasad
- 4 Shri S N Mathur
- 5 Shri S B N Rao

A K SURI,
Asstt Director (Estt)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi, the 16th February 1982

No E 16013(2)/3/76-Pers—On his repatriation to the State Cadre Shri JAI PARKASH, IPS (KAR. 65) relinquished the charge of the post of Commandant, CISF Unit, Bhilai Ispat Ltd, Bhilai with effect from the forenoon of 1st October, 1981

No I 16014(1)/5/76-Pers—On his services being replaced with the Government of Gujarat, Shri D D Tuteja relinquished the charge of the post of Commandant, CISF Unit, IOC Gujarat Refinery, Baroda w.e.f the forenoon of 1st January 1982

No E 32015(1)/1/81-Pers—The President is pleased to appoint Shri Bal Raj Mehta as Deputy Inspector-General (Huo) CISF HQ15, New Delhi, on re-employment basis with effect from the forenoon of 1st February 1982

No I 38013(4)/16/81-Pers—On transfer from Bhilai, Shri C S Varadaraja assumed the charge of the post of Asstt Commandant, CISF Unit India Government Mint, Hyderabad w.e.f the forenoon of 19th November, 1981

No I 38013(4)/19/81 Pers—On transfer, Shri A S Bhatti assumed the charge of the post of Asstt Commandant, CISF Unit, SHAR Centre, Sriharikota with effect from the forenoon of 24th December, 1981

No E 38013(4)/19/81-Pers—On transfer to Kudremukh, Shri S Thangachan, relinquished the charge of the post of Asstt Commdt, CISF Unit, SHAR Centre with effect from the afternoon of 24th December, 1981

No E 38013(4)/19/81-Pers—On transfer to Muzaffarpur, Shri Gurbachan Singh relinquished the charge of the post of Asstt Comdt, CISF Unit, Farakha Barrage Project, Farakka with effect from the forenoon of 1st Dec 1981. He assumed the charge of Asstt Commandant, CISF Unit, IDPL Muzaffarpur with effect from the forenoon of 11th December, 1981

No E 38013(4)/19/81-Pers—On transfer to Southern Zone HQ, CISF Madras, Shri B A Devaya relinquished the charge of the post of Asstt Comdt, Training Reserve, Southern Zone, Madras with effect from the afternoon of 31st October 1981

No F 38013(4)/21/81 Pers—The President is pleased to appoint Shri R P Sharma, on promotion on *ad hoc* basis, as Asstt Commandant, CISF with effect from 19th December, 1981 on which date he assumed the charge of the said post at CISF Unit, BIOP Deposit No 5 Bacheli

No F 38013(4)/21/81 Pers—The President is pleased to appoint Shri Y P Sabhaiwal on promotion on *ad hoc* basis, as Assistant Commandant, CISF with effect from 1st December, 1981, on which date he assumed the charge of the said post at CISF Unit, F B P Farakka

No E 38013(4)/21/81-Pers—The President is pleased to appoint Shri G S Balagan, on promotion on *ad-hoc* basis, as Assistant Commandant, CISF with effect from forenoon of

8th December, 1981, on which date he assumed the charge of the said post at CISF Unit, IPCL, Baroda.

SURENDRA NATH,
. Director General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 18th February 1982

No. 11/44/81-Ad.I.—The President is pleased to appoint, on deputation Shri L. C. Sharma, Assistant Director of Census Operations (T) and Shri N. S. Bhatnagar, Investigator in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Assistant Director (Data Processing) in the same office, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a period not exceeding one year, with effect from the forenoon of the 1st February, 1982 or till the posts are filled in, on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The appointment, on deputation, of the above-mentioned officials to the posts of Assistant Director (D.P.) will be governed under the terms and conditions of deputation as contained in the Ministry of Finance O.M. No. F.1(11)F.III (B)/75 dated 7-11-1975.

3. The headquarters of S/Shri Sharma and Bhatnagar will be at New Delhi.

The 19th February 1982

No. 10/20/81-Ad.I.—The President is pleased to appoint on deputation Shri K. N. Shrinivasan, a grade III officer of the Indian Statistical Service who has been approved for promotion to grade II of the service, as Assistant Registrar General (Vital Statistics) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, on a purely temporary and *ad hoc* basis, for a period not exceeding one year with effect from the afternoon of the 6th February, 1982 or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Shrinivasan will be at New Delhi.

The 23rd February 1982

No. 10/20/79-Ad.I.—In continuation of this office Notification of even number dated the 18th June, 1981, the President is pleased to extend the *ad-hoc* appointment of Smt. Krishna Chaudhuri as Linguist in the office of the Registrar General, India (Language Division) at Calcutta, up to the 25th September, 1981, on the terms and conditions as contained in paragraph 2 of this office Notification No. 12/5/74-RG(Ad.I), dated 28-3-1979.

2. The headquarters of Smt. Chaudhuri will be at Calcutta.

The 24th February 1982.

No. 11/37/80-Ad. I.—The President is pleased to appoint, by promotion, the undermentioned investigators as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the offices as mentioned against their names, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a further period upto the 28th February, 1982 or till the posts are filled in, on a regular basis, whichever period is shorter, under the existing terms and conditions:—

S. No.	Name of the officer	Office in which working
1	2	3
1.	Shri K. S. Rawat	O/o the R.G.I., New Delhi.
2.	Shri R. E. Chaudhuri	O/o the DCO, Maharashtra, Bombay.
3.	Shri. M. Tej Kishore Singh	O/o the DCO, Meghalaya, Shillong.
4.	Shri S. S. Bahri.	O/o the R.G.I., New Delhi.
5.	Shri M. N. Sarkar	O/o the DCO, West Bengal, Calcutta.
6.	Shri Samsher Singh	O/o the DCO, Rajasthan, Jaipur.
7.	Shri. Ch. Purnachandra Rao,	O/o the DCO, Andhra Pradesh Hyderabad.

1	2	3
8.	Shri K. K. Akolkar	O/o the DCO, Maharashtra, Bombay.
9.	Shri M. L. Sharma	O/o the DCO, M. P., Bhopal.
10.	Shri K. R. Narayana	O/o the DCO, Karnataka, Bangalore.
11.	Shri H. S. Meena	O/o the DCO, Bihar, Patna.
12.	Shri A. C. Reddy	O/o the DCO, Andhra Pradesh Hyderabad.
13.	Shri K. K. Sharma	O/o the DCO, Andhra Pradesh Hyderabad.
14.	Shri S. S. Niket	O/o the DCO, Bihar, Patna.
15.	Shri Nirmal Bhattacharya	O/o the DCO, Assam, Gauhati.
16.	Shri. M. P. Jhala	O/o the DCO, Gujarat, Ahmedabad.
17.	Shri J. C. Dutta.	O/o the DCO, Nagaland, Kohima.
18.	Shri P. K. Rout	O/o the DCO, Orissa, Bhubaneswar.
19.	Shri D. K. Chaudhuri	O/o the DCO, Tripura, Agartala.
20.	Shri R. M. Singh	O/o the DCO, U.P., Lucknow.
21.	Shri G. S. Gill	O/o the DCO, Punjab, Chandigarh.
22.	Shri Lakhan Singh	O/o the DCO, U.P., Lucknow
23.	Shri M. L. Sharma	O/o the DCO, Delhi, Delhi.
24.	Shri J. Thomas Machedo	O/o the DCO, Tamil Nadu, Madras.
25.	Shri. C. L. Sharma	O/o the DCO, Himachal Pradesh Simla
26.	Shri S. P. Desai	O/o the DCO, Goa, Daman & Diu, Panaji.
27.	Shri M. S. Ramachandra	O/o the DCO, Karnataka, Bangalore.

2. The above-mentioned *ad-hoc* appointments shall not bestow upon the Officers concerned any claim to regular appointment to the post of Assistant Director of Census Operations (T). The services rendered by them on *ad-hoc* basis shall not be counted for the purpose of seniority in the Grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The aforesaid *ad-hoc* appointments may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

* In the case of Shri R. E. Chaudhuri the period of *ad-hoc* appointment as Assistant Director of Census Operations (T) extended upto the 30th November, 1981 since he expired on that date.

P. PADMANABHA,
Registrar General, India.

MINISTRY OF LABOUR

LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 1 March 1982

No. 23/3/82-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base : 1960=100 decreased by one point to reach 459 (Four hundred and fifty nine) during the month of January, 1982. Converted to base : 1949-100, the index for the month of January, 1982 works out to 558 (Five hundred and fifty eight).

J. N. SHARMA
Joint Director

MINISTRY OF FINANCE
DEPARTMENT OF REVENUE
OFFICE OF THE CUSTOMS, EXCISE &
GOLD CONTROL APPELLATE TRIBUNAL

New Delhi, the 19th February 1982

J. No. 6(89)/CEGAT/81.—Shri Radha Krishan lately working as Technical Assistant in the Directorate of O & M Services,

Customs and Central Excise, New Delhi, assumed charge as Assistant Registrar, Customs, Excise & Gold Control Appellate Tribunal, New Delhi in the forenoon of 1st February, 1982.

R. N. SEHGAL, Registrar

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR
GENERAL OF INDIA

New Delhi-110 002, the 19th February 1982

No. CA I/106-70.—On his attaining the age of superannuation Shri B. N. Banerjee, Audit Officer (Commercial) serving in the office of the Member, Audit Board and Ex-Officio Director of Commercial Audit, Calcutta retired from Govt. service with effect from 31-10-1981 (AN).

The 20th February 1982

No. CA. I/125-81.—Additional Deputy Comptroller and Auditor General (Commercial) has been pleased to promote the following Section Officers (Commercial) and appoint them to officiate as Audit Officers (Commercial) and post them as such in the offices noted against each name in column 4 below with effect from the dates mentioned in column 5 below until further order:

Sl. No.	Name of Audit Officers (C)	Office where working before promotion	Office where posted on pro- motion	Date of promotion
1	2	3	4	5
S/Shri				
1. Arbinda Mitra	Member, Audit Board & Ex- Officio Director of Commer- cial Audit (Coal), Calcutta.	Member, Audit Board & Ex- Officio Director of Commer- cial Audit (Coal), Calcutta.	29-8-81	
2. Kamal Sen	Member, Audit Board & Ex- Officio Director of Commer- cial Audit, Calcutta.	Member, Audit Board & Ex- Officio Director of Commer- cial Audit, Hyderabad	23-9-81	
3. Shyamal Prasad Sarkar	Member, Audit Board & Ex- Officio Director of Commer- cial Audit, Ranchi.	Accountant General, Andhra Pradesh-II, Hyderabad.	30-11-81	
4. Rajendra Prasad Agarwal	Accountant General-II, Madhya Pradesh, Gwalior	Member, Audit Board & Ex- Officio Director of Commer- cial Audit, Bombay.	21-9-81	
5. Ramesh Chandra	Comptroller and Auditor General of India, New Delhi	Member, Audit Board & Ex- Officio Director of Commer- cial Audit, Hyderabad.	29-9-81	
6. Amiya Kumar Roy Chowdhury	Member, Audit Board & Ex- Officio Director of Commer- cial Audit, Calcutta.	Accountant General, Andhra Pradesh-II, Hyderabad.	22-10-81	

M. A. SOMESWARA RAO,
Deputy Director (Commercial)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, CENTRAL
REVENUES

New Delhi, the 3rd February 1982

No. Admn. I.O.O. 433.—The Director of Audit, Central Revenues hereby appoints substantively the following officiating Audit Officers of this office, against the permanent posts of Audit Officers in the time scale of Rs. 840-1200 with effect from the dates shown against each:

Sr. No.	Name	Date of substantive appointment as Audit officer.
---------	------	--

S/Shri

- 1. M. M. S. Oberoi—1-12-1981
- 2. K. P. Jhamb—12-1-1982

V. S. VERMA, Jt. Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
COMMERCE WORKS & MISC.

New Delhi, the 18th February 1982

O.O. No. Admn.I/235.—Shri S. S. Prabhakar, Audit Officer of this Organisation is appointed in a substantive permanent capacity with effect from 1-6-1981.

S. R. MUKERJI, Director of Audit

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
MAHARASHTRA

Bombay-20, the 9th February 1982

No. Admn. I/Genl/31-Vol.III/C.1(1)/11.—The Accountant General, Maharashtra-I, Bombay is pleased to appoint the following Section Officers (Audit and Accounts) to officiate as Accounts/Audit Officers from the dates mentioned against their names, until further orders:

- 1. Shri B. D. Londhe, 25-1-1982 (FN).
- 2. Shri R. R. Kulkarni, 27-1-1982 (FN).

S. R. SAPRA, Sr. Dy. Accountant General/Admn.

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110 066, the 19th February 1982

No. AN/I/1172/1/I(PC-II).—The President is pleased to appoint the following officers of the Indian Defence Accounts Service to officiate in Level-II of the Senior Administrative Grade (Rs. 2250-125/2-2500) of that Service on an *ad-hoc* basis for a period of six months, or till regular arrangements

are made, whichever is earlier, with effect from the dates shown against their names:—

- (1) Shri R. Krishnamurthi, 12-10-1981 (FN).
- (2) Shri K. Sampath Kumar, 15-10-1981 (FN).
- (3) Shri R. K. Mathur, 12-10-1981 (FN).

No. AN/I/1172/1/I(PC-II)—The President is pleased to appoint the undermentioned officers of the Indian Defence Accounts Service (who are on deputation as noted against their names) to officiate in Level-II of the Senior Administrative Grade (Rs. 2250-125/2-2500) of that Service on an *ad hoc* basis for a period of six months, or till regular arrangements are made, whichever is earlier, from the dates shown against their names, under the "Next Below Rule".

Shri V. S. Jafa * 15-10-1981 Joint Secretary, Deptt. of Expenditure (Civil), Ministry of Finance, New Delhi.

Shri. B. Swami-nathan 12-10-1981 Officer on Special Duty (Finance), Radar & Communication Project Office, Ministry of Defence, New Delhi.

No. AN/I/1798/5/I.—Shri S. L. SASTRY, A.C.D.A., who was on deputation as Senior Accounts Officer, RCPO, Ministry of Defence, New Delhi attained the age of 58 years on 8th December, 1980 (his date of birth being 8th December, 1922) and was transferred to the Pension Establishment with effect from 31st December, 1980 (AN), and accordingly struck off the strength of Defence Accounts Department with effect from 31st December, 1980 (AN), in terms of FR 56 (a).

R. K. MATHUR,
Addl. Controller
General of Defence Accounts (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE
ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-700069, the 18th February 1982

No. 1/82/A/M—The President is pleased to accept the resignation/to terminate the services of the undermentioned Assistant Medical Officers. Accordingly, their names are struck off strength from the Ordnance Factories Organisation from the date mentioned against each:—

Sl. No.	Name and Designation	Name of the Factory where posted	Date	Remarks
1.	Dr. K. Ramesh Babu, A.M.O.	Ordnance Fy. Varangaon	26-3-81 (AN)	Resigned
2.	Dr. Krupanidhi Naik, A.M.O.	Vehicle Fy. Jabalpur.	12-5-81 (AN)	-do-
3.	Dr. D. K. Sendha, A.M.O.	Ordnance Fy. Varangaon	14-8-81 (AN)	-do-
4.	Dr. Bhupinder Singh, A.M.O.	Ordnance Fy. Kanpur	27-6-81 (AN)	-do-
5.	Dr. R. R. Williams, A.M.O.	Ammunition Fy. Kirkee	21-9-81 (AN)	-do-
6.	Dr. B. N. Rao Subudhi, A.M.O.	-do-	01-10-81 (AN)	-do-
7.	Dr. S. P. Jindal, A.M.O.	Clothing Fy. Shahjahanpur	19-10-81 (AN)	Terminated

No. 2/82/A/M—The President is pleased to appoint the following Assistant Medical Officers in Ordnance Factories with effect from the dates indicated against each until further orders:—

Sl. No.	Name & Post	Posted at	Date
1.	Dr. K. Padmanabhan, A.M.O.	Gun Carriage Fy., Jabalpur	01-7-81 (FN)
2.	Dr. (Ku.) Rita Dhole, A.M.O.	Cordite Fy., Aruvankadu	15-7-81 (FN)
3.	Dr. Ranadeb Biswas, A.M.O.	Vehicle Fy., Jabalpur	07-9-81 (FN)
4.	Dr. Liladhar N. Khadgi, A.M.O.	Ordnance Fy., Ambarnath	01-10-81 (FN)

C. S. GOURLISHANKARAN,
Addl. DGOF/Member (Personnel)

MINISTRY OF COMMERCE
DEPARTMENT OF TEXTILES
OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER
Bombay-20, the 9th February 1982

No. 10(1)82-CLB.II.—In exercise of the powers conferred on me by clause 17 of the Cotton Control Order, 1955 and in supersession of the Textile Commissioner's Notification No. 10(1)67-CLB.II/B, dated the 28th September, 1967, I hereby direct that:—

(i) Every manufacturer shall furnish to the office of the Textile Commissioner, Cotton Branch, Bombay by

22—496GI/81

registered post, a monthly statement on or before the 10th of the succeeding month in the form given at Annexure 'A' hereto, showing stocks of Indian Cotton, both existing and committed by forward purchases.

(ii) Every 'A' class licence holder, other than a manufacturer, shall furnish to the office of the Textile Commissioner, Cotton Branch, Bombay, by registered post, on or before the 10th of March and the 10th of September every year a statement in the form given at Annexure 'B' hereto, showing the stocks of Indian Cotton held by him on the last day of February and August respectively.

ANNEXURE 'A'

Textile Commissioner,
Cotton Branch, New C. G. O. Bldg.,
Bombay-400020.

A Class Cotton Licence No. _____

Average monthly
consumption during the
relevant basic cotton
year.

Return in respect of stocks and forward purchases of Indian cotton for the month ended
(figures in metric tonnes of 1000 kgs. with corresponding figures in bales of 170 kgs. each in brackets).
Name of the mills..... Address.....

Description of cotton	Physical stocks held by mills as on month ending in all their warehouses either in the mills' premises and/or outside including upcountry centres	Stocks of cotton held by others in the mills	Full address where cotton of Col. 3 is stored Accounts.	Quantity of forward delivery contracts for cotton	Total of Col. 2,3 and 5	Remarks
1	2	3	4	5	6	7

Mills' should furnish here
description of cotton as
per schedule appended.

We affirm that the information furnished above is to the best of our knowledge and belief correct.
NOTE: Basic year in this context shall mean the basic year as specified in Explanation I of the Textile Commissioner's Notification No. 10(I)/73-74/CLB, II dt. 19-12-1974 as amended from time to time.

FOR AND ON BEHALF OF THE MILLS.

ANNEXURE 'B'

Return in respect of stocks of Indian cotton at the end of February/August, 19_____

Licence No. A/

Name of the Licence holder.....

Address.....

Actual stocks of Indian cotton held on the last day of February/August, 19_____

(Figures in metric tonnes of 1000 kgs. each with figures in brackets in bales of 170 kgs. each)

No.	Description of cotton as per Schedule appended	Cotton held on own A/C.	Cotton held on A/C of others	Total stocks held Col. (5)+Col. (8)	Remarks				
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
		Unsold	Sold but not delivered.	Total 3+4	Mills	Others clients	Total 6+7		

NOTE : 1. The quantity of cotton to be shown above shall include both loose ginned cotton & pressed cotton.
2. The description of cotton given above should be in accordance with the description of cotton listed in the schedule and not in any other manner.
3. The form should be filled in and submitted to Cotton Branch, Office of the Textile Commissioner, Bombay-20 by 10th March when the form relates to stocks held at the end of February and 10th September when it relates to stocks held at the end of August.
4. If there are no figures to be furnished, a 'NIL' return should invariably be sent.

DECLARATION

I do hereby declare that I have compared the above particulars with the records and books of my office and that they are in so far as I can ascertain accurate and complete.

Place :

Date :

Signature of licence holder

SCHEDULE TO ANNEXURE A AND B

List of Indian Cotton Varieties

1. Bengal Deshi.
2. Dholeras.
3. Wagad.
4. P.A. 320-F.
5. J-34.
6. Bikaneri Narma.
7. M. P. Virnar.
8. 197/3

9. V-797.
10. Sanjay (CJ-73).
11. Digvijay.
12. Gaorani.
13. Jayadhar.
14. Laxmi-B.
15. Hampi-A.
16. Hampi-B.
17. Suyodhar.
18. Khandesh Virnar.
19. Y-1.

20. Jyothi.
 21. A. K. 235 and 277.
 22. A.K.H. 4.
 23. A-51/9.
 24. JKHY—1.
 25. F—414.
 26. H—777.
 27. Agatti.
 28. L—147.
 29. Cambodia—C.
 30. CO—2.
 31. Khandwa—2.
 32. S.R.T. 1.
 33. 1007.
 34. M.C.U.—5 (B) (Maharashtra).
 35. M.C.U.—5 (A) (South India).
 36. M.C.U. 7.
 37. Cambodia—B.
 38. Cambodia—A.
 39. Laxmi—A.
 40. Nimkar.

41. H—4.
 42. Shanker—4.
 43. Varalakshmi—D (M.P.).
 44. Varalakshmi—C (Maharashtra).
 45. Varalakshmi—B (Gujarat).
 46. Varalakshmi—A (Tamilnadu, A.P. and Karnataka).
 47. Suvin.
 48. Other varieties.

(to be specified).

The 16th February 1982

No. CER/1/82.—In exercise of the powers conferred on me by clause 22 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CER/1/68, dated the 2nd May, 1968, namely :—

In the said Notification—

In paragraph 2, for the figures, letter and mark "34.49s" appearing in item (iv) of sub-paragraph (a), in item (v) of sub-paragraph (b), and in item (ii) of sub-paragraph (c), the figures, letter and mark "40.49s" shall be substituted.

The 1st February 1982

No. CER/2/82.—In exercise of the powers conferred on me by clause 20 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following addition of Groups (vii) and (viii) in SCHEDULE II to the Textile Commissioner's Notification No. CER/2/77 dated 15-4-1977 :—

Group	Basic Count		Permissible range of counts		Minimum constructions			
	Warp	Weft	Warp	Weft	Longcloth		Shirting	Dhoty/Saree
					Reed Picks	Reed Picks	Reed Picks	Reed Picks
VII	32	40	30—34	38—42	60×56	72×52	56×52	
VIII	35	43	34—36	42—44	64×60	76×56	60×56	

This Notification shall take effect from 1st day of March, 1982.

SURESH KUMAR
Additional Textile Commissioner

Bombay-20, the 1st February 1982

No. CER/3/82.—In exercise of the powers conferred on me by clause 22 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following amendments to the Textile Commissioner's Notification No. CER/3/69 dated the 19th September, 1969, namely :—

In the said notification :—

1. In the first proviso below sub-para (II) of para III E, for the figure 'Rs. 6.36' appearing after the words "maximum retail price exceeds" the figure 'Rs. 7.31' shall be substituted.
2. In the first proviso below sub-para (II), of para III EE, for the figure 'Rs. 6.36' appearing after the words "maximum retail price exceeds" the figure 'Rs. 7.31' shall be substituted.

These amendments shall come into force with immediate effect.

M. W. CHEMBURKAR
Jt. Textile Commissioner
(EB/PR/CCP/82).

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 6th February 1982

No. A-12025(i)/6/80-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 16th January, 1982 and until further orders Shri Hari Prasad Shukla as Assistant Director Grade-I (Processing) in the Weavers Service Centre, Bhagalpur.

No. A-12025(i)/4/81-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 3rd February, 1982 and until further orders Shri V. Sriramulu as Deputy Director (Weaving) in the Indian Institute of Handloom Technology, Salem.

P. SHANKAR
Additional Development Commissioner for Handlooms

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 18th February 1982

No. A-1/1(1178).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri T. J. Anthony, Asstt. Director (Admn.) (Gr. II) in the office of Director of Inspection, Bombay to officiate as Assistant Director (Grade II) on purely local and ad-hoc basis in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay with effect from the forenoon of 30-1-1982.

2. The ad-hoc appointment of Shri Anthony as Assistant Director (Gr. II) will not bestow on him a claim for regular appointment and that ad-hoc service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.

3. Shri Anthony relinquished charge of the post of Asstt. Director (Admn.) (Gr. II) in the office of D.I., Bombay on 30-1-82 (FN) and assumed charge of the post of Asstt. Director (Gr. II) with effect from the forenoon of 30-1-1982 in the office of Director of Supplies (Textiles), Bombay.

S. L. KAPOOR, Dy. Dir. (Admn.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES
 (DEPARTMENT OF MINES)
 GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA
 Calcutta-16, the 17th February 1982

No. 1431B/A-19011(4-SR)/78-19B.—On his being permanently absorbed in the Mineral exploration Corporation Limited, Shri Sidhari Ram, Drilling Engineer (Junior) resigned from the service in the Geological Survey of India with effect from 19-11-77 (AN).

The 19th February 1982

No. 1507B/A-19012(2-AG-GSM)/79/19B.—On reversion from Mother Dairy, Dankuni, Shri G. S. Mukherjee, Asstt. Geophysicist, Geological Survey of India has taken over charge of the post of Asstt. Geophysicist at Central Geophysics Division, Geological Survey of India with effect from 16-11-81(FN).

No. 1518B/19/78/19C.—Shri R. R. K. Nair, Driller, Geological Survey of India is hereby released with effect from 21-1-81 (AN) so as to enable him to join as Drilling Engineer in the Kerala Mineral Exploration & Development Project (UNDP) on deputation basis for the period upto 31-5-81, in the first instance.

J. SWAMI NATH,
 Director General

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 16th February 1982

No. 4(54)/81-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri D. S. Nagabhusana as Programme Executive AIR, Bhadravati in a temporary capacity with effect from the 1st February, 1982 and until further orders.

The 18th February 1982

No. 4(41)/81-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Anil Kumar Ram, Transmission Executive, AIR, Jodhpur as Programme Executive, All India Radio, Suratgadh in a temporary capacity with effect from the 21st January, 1982 and until further orders.

The 20th February 1982

No. 4(20)/81-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Smt. Prem Kishore as Programme Executive, All India Radio, Madras in a temporary capacity with effect from the 12th January, 1982 and until further orders.

H. C. JAYAL.
 Dy Director of Administration
 for Director General

New Delhi, the 19th February 1982

No. 10/13/81-SIII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Kuljit Singh as Assistant Engineer at HPT, All India Radio, Khampur, Delhi in a temporary capacity w.e.f. 30-1-1982 (FN) until further orders.

H. N. BISWAS
 Deputy Director of Administration
 for Director General

New Delhi, the 20th February 1982

No. 1/2/81-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri S. N. Sahi, Jr. Accounts Officer, Principal Accounts Office, New Delhi to officiate as Accounts Officer NSD, AIR, New Delhi on deputation basis with effect from the forenoon of the 9th February 1982.

S. V. SESHA DRI
 Deputy Director of Administration
 for Director General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
 (DIRECTORATE OF ADVERTISING AND VISUAL PUBLICITY)

New Delhi, the 4th February 1982

No. A. 12026/11/81-Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri B. S. Negi, an *ad-hoc* Senior Accountant, to officiate as Accounts Officer in a temporary capacity on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 14th January, 1982 in the leave vacancy of Shri R. D. Chari, Accounts Officer (*ad-hoc*) granted leave.

SHAHLA HAIDER
 Joint Director
 for Director of Advertising and Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 18th February 1982

F. No. A. 12025/23/79-Admn. I.—The President is pleased to appoint Shri J. S. Khamare to the post of Assistant Director (Ent.) in the National Malaria Eradication Programme Directorate, in a temporary capacity with effect from 14th December, 1981 (A.N.) until further orders.

T. C. JAIN
 Deputy Director Administration (O&M)

KRISHI MANTRALAYA
 (KRISHI AUR SAHAKARITA VIBHAG)

VISTAR NEDESHALAYA

New Delhi, the 4th February 1982

No. F. 2-1/79-Estt. (I).—The *ad-hoc* appointment of Shri O. P. Gupta in the post of Assistant Editor (Hindi) is further extended with effect from 7-12-81 to 6-6-82 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

K. G. KRISHNA MOORTHY
 Director Administration

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION

(DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION)

Faridabad, the 15th February 1982

No. A-19023/22/78-A. III.—Shri V. Krishnan Marketing Officer (Under suspension), was removed from Government service in accordance with the CCS (CC&A) Rules, 1965 w.e.f. 6-7-1978 (F.N.).

2. On appeal preferred by Shri Krishnan to the President of India on 24-8-1978 against the order of removal from service, the President set aside the order removing him from service and remitted the case to the Agricultural Marketing Adviser with certain directions. Accordingly the Agricultural Marketing Adviser reinstated Shri Krishnan in Service and ordered Shri Krishnan's suspension be deemed to have continued.

3. After due compliance with the directions and procedure, Shri Krishnan has now been removed from service in accordance with the Rules referred to above w.e.f. the forenoon of 31-12-81.

B. L. MANI HAR
 Director of Administration
 for Agricultural Marketing Adviser
 to the Govt. of India

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
 (PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400085, the 11th February 1982

No. PA/79(4)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Unikat Ramachandra Menon, Assistant to officiate as Assistant Personnel Officer (Rs. 630-

960) in this Research Centre on *ad-hoc* basis for the period from January 16, 1982 (FN) to February 3, 1982 (AN).

The 15th February 1982

No. PA/173(22)/81-R-JV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Thacheril Kesavan Mohanan, a quasi permanent Supervisor 'B' (Tech.) Heavy Vehicles Factory, Ministry of Defence, as Scientific Officer/Engineer Grade SB in Bhabha Atomic Research Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of January 29, 1982 until further orders.

A. SANTHAKUMARA MENON
Dy. Establishment Officer

**DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
(POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION)**

Bombay-5, 11th February 1982

No. PPED/3(262)/78-Adm./2239.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri A. H. Punwani, a permanent Selection Grade Clerk of this Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 8, 1982 to the afternoon of March 24, 1982 vice Shri A. Mohammed Ali, Assistant Personnel Officer deputed for training.

R. V. BAJPAI
General Administrative Officer

(DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES)

Bombay-400001, the 16th February 1982

No. DPS/2/1(16)/77-Adm./3183.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri M. Ganesan, Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer (*ad-hoc*) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate with effect from October 12, 1981 (FN) to January 22, 1982 (AN) vice Shri D. R. Sakhare, Assistant Purchase Officer granted leave.

The 17th February 1982

No. DPS/23/3/79-Est./3299.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Laxman Harischandra Bagwe, Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer (*ad-hoc*) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate with effect from 14-5-1981 (FN) to 25-6-1981 (FN) vice Shri R. N. Guha, Assistant Stores Officer granted leave.

B. G. KULKARNI
Assistant Personnel Officer

Bombay-400001, the 16th February 1982

No. DPS/2/15/80-Est./3175.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri B. S. Sharma, a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer in a temporary capacity in the same Directorate in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of January 28, 1982 until further orders.

K. P. JOSEPH
Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 15th January 1982

ORDER

No. NFC/PA.V/2606/2367/75.—Whereas Shri Mohd Mazheruddin, Helper 'B' (EC No. 2367), MFP, NFC was granted leave from 17-12-80 to 20-2-81;

And whereas the said Shri Mazheruddin on expiry of the leave granted, failed to report for duty on 21-2-81 and has been remaining absent from duty unauthorisedly;

And whereas the said Shri Mazheruddin was asked to report for duty *vide* telegram issued on 4-6-81;

And whereas the post copy of the telegram bearing No. NFC/PA.IV/955 dated 4-6-81 sent to him by registered post AD to his residential address at H. No. 20-5-624/1, Khazipura, Hyderabad-2 was returned undelivered by the postal authorities with the remark "left India R/S";

And whereas the said Shri Mazheruddin thus committed an act of misconduct in terms of para 39(5) of NFC Standing Orders/Rule 3(1) of CCS (Conduct) Rules, 1964;

And whereas the said Shri Mazheruddin was informed of the charge and action proposed to be taken against him, *vide* memorandum of charge No. NFC/PA.V/2606/2367/1793 dated 19-10-81;

And whereas the said Memorandum of charge dated 19-10-81 sent by registered post A.D. to his residential address at house No. 20-5-624/1, Khazipura, Hyderabad-500 002 was returned undelivered by the postal authorities with the remark "left India R/S";

And whereas the said Shri Mazheruddin continued to remain absent from duty unauthorisedly from 21-2-81 onwards and did not inform NFC of his whereabouts, thus voluntarily abandoning his services with NFC;

And whereas the undersigned was satisfied that it was not reasonably practicable to hold an inquiry as provided under para 41 of NFC Standing Orders/Rule 14 of CCS (CCA) Rules, 1965;

And whereas the undersigned came to the provisional conclusion that the said Shri Mazheruddin was not a fit person to be retained in service and the penalty of removal from service should be imposed on the said Shri Mazheruddin;

And whereas the said Mazheruddin was informed of the provisional conclusion as aforesaid, *vide* memorandum No. NFC/PA.V/2606/2367/2207 dated 23-12-81;

And whereas the said memorandum dated 23-12-81 sent to him by registered post A.D. at his residential address House No. 20-5-624/1, Khazipura, Hyderabad-500 002 was returned undelivered by the postal authorities with the remark "left India R/S";

And whereas the undersigned after carefully going through the records of the case has come to the final conclusion that the penalty of removal from service should be imposed on the said Shri Mohd Mazheruddin;

Now, therefore, the undersigned in exercise of the powers conferred under para 43 of NFC Standing Orders/Rule 19 (ii) of CCS (CCA) Rules, 1965, read with DAE Order No. 22(1)/68-Admn.II dated 7-7-79, hereby removes the said Shri Mohd Mazheruddin from service with immediate effect.

P. GOPALAN,
Admn. Officer

Shri Mohd Mazheruddin
House No. 20-5-624/1
Khazipura Hyderabad-500 002

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 16th February 1982

No. AMD-1/7/79-Recit.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy appoints Shri R. S. Gupta, a permanent Upper Division Clerk and officiating Accountant, Atomic Minerals Division, to officiate as Assistant Accounts Officer in the same Division on an *ad-hoc* basis with effect from January 14, 1982 until further orders.

The 18th February 1982

No. AMD-1/36/81-Recit.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Salahuddin Ahmad as Scientific Officer/Engineer Grade 'A' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of August 1, 1981 until further orders.

M. S. RAO,
Sr. Adm & Accts Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Thane, the 11th February 1982

No. TAPS/19(3)/76-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri Y. R. Valankar, a permanent Assistant Accountant in this Power Station as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-FB-40-960 on *ad-hoc* basis in the same Station with effect from the forenoon of October 6, 1981 and upto February 5, 1982 vice Shri P.M.M. Bashir, Assistant Accounts Officer proceeded on leave.

P. UNNIKRISHNAN,
Chief Adm. Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
(INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT)

New Delhi-3, the 23rd February 1982

No. A.32013(DDGM)(Ad-hoc)/1/80-E.I.—In continuation of notification of even number dated 9th November 1981, the President has been pleased to extend the *ad-hoc* appointment of the undermentioned Directors in India Meteorological Department as Deputy Director General of Meteorology, in the same department for a period of three months with effect from 27-11-1981 or till the posts are filled up on regular basis, whichever is earlier :—

1. Dr. A. K. Mukherjee
2. Dr. A. A. Ramasastri
3. Dr. S. M. Kulshrestha

H. M. CHAUDHRY,
Dy. Dir. Genl.

of Meteorology, Performing current routine duties of Director General of Meteorology.

St. No.	Name	Present Stn. of posting.	Stn. to which posted.	Date of taking over charge
S/Shri				
1.	D. P. Agnihotri	CATC, Allahabad	ACS Lucknow	31-1-82 (FN)
2.	S. Lal. H. Kumar	ACS, Bombay	R. C. D. U. Delhi	29-1-82 (FN)
3.	S. R. V. Raina	RCDU, Delhi	ACS, Tiruchirapalli	27-1-82 (FN)
4.	A. Vemalingam	RCDU, Delhi	ACS, Bhubaneswar	14-1-82 (FN)

PREM CHAND
Assistant Director (Admn.)

New Delhi, the 17th February 1982

No. A.32013/4/79-ES.—The President is pleased to sanction the continued *ad-hoc* appointment of S/Shri N. Jaisimahi and R. C. Gupta to the grade of Senior Aircraft Inspector beyond 14-11-1981 and upto 30-6-1982, or till the posts are filled on regular basis; whichever is earlier.

J. C. GARG,
Asstt. Dir. of (Admn.)

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 16th February 1982

No. 1/266/81-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri M. G. Joshi, who was appointed as Traffic Accounts Officer, Hqrs. Office, Bombay on *ad-hoc* basis vide this office Notification No. 4/1/80-EST dated 13-1-81 as Traffic Accounts Officer, in an officiating capacity on regular basis, in the same office, with effect from the forenoon of the 29th August 1981 and until further orders.

No. 1/509/82-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri H. K. Sachdeva, Technical Assistant, New Delhi as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the A.S.E.S., Lachhiwala, Dohra Dun with effect from the forenoon of the 18th December, 1981 and until further orders.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the February 1982

No. A.32014/6/81-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Assistant Aerodrome Officer on regular basis and until further orders in the scale of Rs. 650-30-740-35-880-40-1000-FB-40-FB-1200 with effect from the dates mentioned against each name :—

Sl. No., Name and Date

1. Shri Gurumukh Singh I—29-1-1982.
2. Shri R. Sampath—29-1-1982.
3. Shri Gurumukh Singh II—29-1-1982.

S. GUPTA
Dy. Dir. of Admn.

New Delhi, the 15th February 1982

No. A.32013/9/81-T.C.—The President is pleased to appoint the following Technical Officers in the C.A.D. to the grade of Senior Technical Officer on *ad-hoc* basis for a period of six months w.e.f. the dates indicated against each and to post them to the stations indicated against each :—

Sl. No.	Name	Present Stn. of posting.	Stn. to which posted.	Date of taking over charge
S/Shri				
1.	D. P. Agnihotri	CATC, Allahabad	ACS Lucknow	31-1-82 (FN)
2.	S. Lal. H. Kumar	ACS, Bombay	R. C. D. U. Delhi	29-1-82 (FN)
3.	S. R. V. Raina	RCDU, Delhi	ACS, Tiruchirapalli	27-1-82 (FN)
4.	A. Vemalingam	RCDU, Delhi	ACS, Bhubaneswar	14-1-82 (FN)

PREM CHAND
Assistant Director (Admn.)

The 18th February 1982

No. 1/125/82-Est.—The Director General, Overseas Communications Service hereby appoints Shri H. G. Kanakachalam, Supervisor, New Delhi as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity, in the same Branch, with effect from the forenoon of the 22nd October, 1981 and until further orders.

H. L. MALHOTRA,
Dy. Director (Admn.)
for Director General

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT

CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 23rd February 1982

No. 4/82.—Shri A. R. Sarbaja, lately posted as Superintendent Group 'B' in the Shillong Collectorate, assumed charge of the post of Inspecting Officer Group 'B' in the East Regional Unit of the Directorate of Inspection and Audit, Customs and Central Excise, Calcutta w.e.f. 3-2-82 (afternoon) vice Directorate letter C. No. 1041/2/81 dated 23rd December, 1981.

S. B. SARKAR,
Director of Inspection

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 15th February 1982

No. A.42016/1/80-Adm.IV/E.I.—Chairman, CWC extends the *ad hoc* appointment of the following officers to the

post of EAD (Hydromat) in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 for a further period of 6 months beyond 31-8-81 i.e. upto 28-2-1982 or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier :—

1. Shri D. S. Madaan
2. Shri A. P. Khanna
3. Shri Vinod Kaul
4. Shri S. Venkataraman
5. Shri Ravinder Sexena
6. Shri I. P. Bhuyan

The 16th February 1982

No. A-19012/907/81-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission regrets to announce the death of Shri V. A. Sathiarajan, Assistant Engineer, River Development (JRC) Investigation Circle, New Delhi on the 5th September, 1981.

No. A-19012/1(9)/82-Estt.I.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri A. K. Sinha, Sr. Professional Assistant (Publication) to the grade of Extra Assistant Director (Publication) in an officiating capacity on *ad hoc* basis in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 w.e.f. 30-1-82 (F.N.) for a period of three months or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

The 19th February 1982

No. A-19012/950/81-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Syriac P. Abraham, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 for a period of six months or till the post is filled regular basis, whichever is earlier with effect from the afternoon of 11th August, 1981.

The 23rd February 1981

No. A-19012/955/81-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri S. K. Baqu to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on purely temporary and *ad hoc* basis in the scale of pay Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 for a period of six months or till the posts are filled on regular basis whichever is earlier with effect from the afternoon of 1-11-81. He has assumed charge of the office of the D.A.S. Sub-division-II, CWC, Aurangabad from the same date and time.

K. L. BHANDULA,
Under Secy.
Central Water Commission

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110022, the 16th February 1982

No. 22/1/81-Adm-I(B).—The Chairman, Central Electricity Authority, hereby appoints Shri S. K. Bali, Supervisor, to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in the Central Electricity Authority, in an officiating capacity, with effect from the afternoon of the 30th October, 1981, until further orders:—

The 20 February 1982

No. 22/6/81-Adm.I(B).—The Chairman, Central Electricity Authority, hereby appoints the undermentioned Technical Assistants/Supervisors to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in the Central Electricity Authority, in an officiating capacity, with effect from the dates indicated against each, until further orders:—

Sl. No.	Name of officer	Date of taking over charge
1	2	3
1.	Shri. D. K. Rao.	28-1-82 (F.N.)
2.	Shri A. K. Bhatia.	28-1-82 (F.N.)

1	2	3
3. Shri M. K. Avimanyu	.	28-1-82 (F.N.)
4. Shri D. K. Gilhotra	.	28-1-82 (F.N.)
5. Shri Rup Kishor	.	28-1-82 (F.N.)
6. Shri K. R. Debnath	.	28-1-82 (F.N.)
7. Shri K. S. Raghav	.	29-1-82 (F.N.)
8. Shri S. Sarkar	.	29-1-82 (F.N.)
9. Shri M. K. Khandelwal	.	30-1-82 (F.N.)
10. Shri I. B. Rao	.	28-1-82 (F.N.)

S. BISWAS, Under Secy.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Standard Chemicals and Wood Preservatives Pvt. Ltd.*
Bangalore, the 16th February 1982

No. 737/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Standard Chemicals and Wood Preservatives Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI
Registrar of Companies,
Karnataka, Bangalore

In the matter of the Companies Act, 1956

and
In the matter of M/s. Aravind Solvex Private Limited

Pondicherry-605 001, the 16th February 1982

No. 127/560(5).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name "M/s. Aravind Solvex Private Limited" has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

B. KOTESWARA RAO
Registrar of Companies,
Pondicherry.

In the matter of the Companies Act, 1956

and
*In the matter of M/s. Nandlal Bhandari & Sons Pvt. Ltd.,
Indore*

Gwalior, the 17th February 1982

No. 6139/82.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act, 1956 that M/s. Nandlal Bhandari & Sons Private Limited, Indore has been ordered to be wound up by an order dated 27th April, 1981 passed by the Hon'ble High Court of Madhya Pradesh, Bench at Indore and the Official Liquidator, Indore has been appointed as the Liquidator of the said Company.

S. K. SAXENA,
Registrar of Companies,
Madhya Pradesh, Gwalior

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Poddar Engineering Private Limited*

Bombay-2, the 17th February 1982

No. 623/18246/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the companies Act, 1956 that the name of M/s. Paddar Engineering Private Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

O. P. JAIN,
Addl. Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Mulukutla Farms and Constructions Private Limited*

Hyderabad, the 22nd February 1982

No. 2127/TAL/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (4) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Mulukutla Farms & Constructions Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

V. S. RAJU
Registrar of Companies,
Andhra Pradesh, Hyderabad

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.**

Bhopal, the 9th February, 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2337—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H. No. 1567 B2, Plot No. 168A situated at Napier Town, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 16-6-81

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Dinkar Gajanan Chowdhury
- (2) Dattatraya Gajanan Chowdhury,
- (3) Smt. Indirabai wd/o Pandurang Chowdhury,
Wright Town, Jabalpur.

(Transferor)

- (2) Shri Gopalrao Kashinath Ghongade,
141, Lordganj, Jabalpur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of H. No. 1567 B2 on plot No. 168 A at Napier Town, Jabalpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
23—496GI/81

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 9-2-82

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHUBANESWAR

Bhubaneswar, the 6th February, 1982

Ref. No. 8/ACQ/81-82—Whereas, I, P. K. MISHRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4735 situated at Mouza Nayapalli, Bhubaneswar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhubaneswar on 20-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration wherefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Bisi Behera,
 S/o Late Sadhu Behera
 At Gadakan, Thana Sahidnagar,
 Dt. Puri

(Transferee)

(2) Shri Rabindranath Jena
 S/O Jayaram Jena,
 At Haladibasanta, P. O. Dharpur,
 Thana Binjharpur, Dt. Cuttack

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Mouza Nayapalli, Thana No. 1, Khata No. 273 land 0 530 Acre at Bhubaneswar, Dt. Puri.

P. K. MISHRA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bhubaneswar.

Date : 6-2-82

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 22nd January 1982

Ref. C. R. No. 62/31595/81-82/ACQ/B—Whereas, I, MANJU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 3208/3, New M. 2 C.V. Road, situated at II Cross, Banni Mantap Industrial Extension, Mandi Mohalla, Mysore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mysore Document No. 1101/81-82 dated 18-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Chandrakantamma,
3391, 6th main Road,
Tilak Nagar,
Mandi Mohalla, Mysore.

(2) Shri Alexander Vincent,
The United Mechanical Engineering Industries,
C.V. Road Cross,
Mandi Mohalla, Mysore.

(Transferor(s))

(Transferee (s))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1101/81-82 dated 18-6-1981)
Site No. 16, bearing Door No. 3208/3, Now No. M2, C.V. Road, II Cross Banni Mantap Industrial Extension, Maadi Mohalla, Mysore bounded on the East, West, North and South by private property.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 22-1-1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE, BANGALORE**

Bangalore, the 22nd January, 1982

Ref CR No 62/31972/81-82/ACQ/B—Whereas, I,

MANJU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 185, 186, 193 and 194 situated at Banni Mantap Extn Mandi Mohalla, Mysore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mysore Doc No 1532 on 21-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri T Angamuthu Chettiar,
 T Perumal Chettiar
 T Kuppuram Chettiar,
 T Kendaswamy,
 457, Kempananjamba Agrahare,
 Mysore

(Transferor(s))

(2) Shri R P. Venkatachalam,
 R P. Krishnamurthy,
 R P. Shekar,
 R P. Manohar,
 No 609/1, Veena Sheshamma Rd 8th Cross
 K R Mohalla, Mysore

(Transferee(s))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEME

(Registered Document No 1532-I Dated 21-7-'81)
 Site Nos 185, 186, 193, 194 Banni Mantap Extn, Mandi Mohalla, Mysore

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

MANJU MADHAVAN
Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bangalore.

Date : 22-1-'82

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORI

Bangalore, the 27th January, 1982

Ref C.R. No. 62/31075/81-82/ACQ/B—Whereas, I, MANJU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

133, situated at Brigade Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar Doc. No. 914 on 18-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mir Gulam Ali Khan
23/1/365 Aliah Kotah,
Hyderabad

Transferor(s)

(2) St. Y. Fernandez,
No. 133, Brigade Rd. B'lore

Transferee (s)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 914/91-82 Dated 18-6-'81)
Residential premises No. 133, Brigade Road, Bangalore-1 Divn.
No. 60, bounded on the North by 26, Brigade Road, on the South by the Union Pharmacy and Cottage being 28, Brigade Road, on the East by Brigade Road, and on the West by 26, Brigade Rd and No. 4, King Street.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 27-1-'82.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT****COMMISSIONER OF INCOME TAX.****ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD**

Ahmedabad, the 1st February, 1982

Ref No P R No 1413 Acq 23-II/81-82—Whereas, I
G C GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25000/- and bearing

No R S No 195 (Paiki), situated at Udhna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) Shri Manohar Gopalkrishan Trikannad,
 15, Prakash SocMety,
 Athwa Lines,
 Surat

(Transferor(s))

(2) Shantaben Wd/of Yusufali Vazirali,
 Behind Udhna Rly Yard,
 Masjid Maholla,
 Udhna, Surat

(Transferee(s))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

THE SCHEDULE

Property at R S No 195 (Paiki) at Udhna registered in June, 1981

G. C. GARG
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 1st February 1982
 Seal

FORM NO. LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 1st February, 1982

Ref. No. P.R. No. 1414 Acq. 23-II/81-82—Whereas, I,
G.C. GARG
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. 1580-4 paiki, situated at Nanpura Kadarshan, Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Surat in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) Mahmad Salim Abdul Rehman;
Ismail Mustufabala
Abdulrahim Ismailabala;
Vejjalpur Broach.

(2) Surbala Dineshchandra Modi
12/89, Rani Talav Main Road
Surat.

(Transferor) (s)

(Transferee) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) of the said Act, or the said Act, or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at 1580-4 (Paiki) Kadarshan, Nanpura, Surat registered in June, 1981.

G.C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 1-2-1982

Scal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 1st February, 1982

Ref. No P.R. No 1415 Acq 23-II/81-82—Whereas, I, G.C.
GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Nondh No 4427 Chhapgar Sheri, situated at Sagrampura, Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Meghabhai Dayaben Desai,
120-Sangam Society,
Umra Jakat Naka,
Surat.

(Transferor)

(2) Mohanlal Magantal Modi,
Zunda Bazar,
Sagrampura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 4427, Chhapgar Sheri, Sagrampura duly registered in June, 1982,

G.C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act of the following persons, namely :—

Date : 1st February, 1982
Seal :

FORM INTS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD
Ahmedabad, the 1st February, 1982

Ref. No. P.R. No. 1416 Acq. 23-II/81-82—Whereas, I,

G.C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 206, situated at Rander, Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Mamiben Wd/of Gopalbhai Premabhai; Rander. (Transferor)
- (2) President & Mantri of Janta Coop. H. Socy.
Shri Suleman Adam Patel
Shri Ramubhai Khushalbhai,
Rander, Surat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at R. S. No. 206, Rander, registered in June, 1981.

G.C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
24-496GI/81

Date : 1st February, 1982.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD**

Ahmedabad, the 1st February, 1982

Ref. No. P.R. No. 1417 Acq. 23-II/81-82—Whereas, I, G.C. GARG being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. B/Ind/168, New Extension, situated at Udyognagar, Udhna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) The Udhna Udyognagar Sabakari Sangh Ltd., Central Road No. 10, Udyognagar, Udhna, Surat.

(Transferor)

(2) A.R.C. Pharmaceutical Pvt. Ltd., 89 Sardarnagar, Sumal Dairy Road, Surat-395008.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Plot No. B/Ind/168, Udhna, Surat registered in June, 1981.

G.C. Garg
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1st February, 1982.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD**

Ahmedabad, the 1st February 1982

Ref. No. P.R. No. 1418 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I,
G.C. GARG
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nondh No. 230, Ghanchi Sheri, Navapura, situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Surat in June, 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Narmadaben Ishwarlal;
Champaklal Ishwarlal,
Shashikant „
Ashokkumar „
Rasiklal „
Dakshaben „
Minaben „
Jayshri „
Mohanlal Chhabildas;
Natveril „
Thakordas „
Kantilal „
Haripura, Dhabisheri, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Vithaldas Gopaldas Panchal,
8/2252, Gopipura,
Sanghadia-Vad, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 230, Wd. No. 3, Ghanchi Sheri, pura, registered in June, 1981.

G.C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 1st February, 1982.
Seal :

FORM INTS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) The Udhna Udyognagar Sahakari Sangh;
Road No. 10, Udhna.

(Transferor)

(2) Shri Shrivdas Kanji Patel;
17-A, Ram Nivas,
Matunga Road,
Matunga, Bombay-400019.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 1st February, 1982

Ref. No. P.R. No. 1419 Acq. 23-II/81-82—Whereas,

G.C. GARG

*being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing**Plot No. B-IND-129 situated at Udhna Udyognagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in June, 1981**for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—*

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Plot No. B-IND-129, Udhna registered in June, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1st February, 1982.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 2nd February, 1982

Rcl. No. P.R. 1420 Acq. 23-II/81-82—Whereas, I, G.C. GARG being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 106-A, B, 112-B, 113-B, 115-B, 116-B, S. No. 47 situated at Umra, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Natvarilal Chhaganlal Modi;
Rani Talay, Dabgarvad, Surat.
Pravinechandra Chhaganlal Modi;
Rani Talay,
Dabgarvad, Surat.

(Transferor)

1. Shah Gotamlal Jivambhai;
Osval Mahollo,
Gopipura, Surat.
2. Piyush Babulal Shah,
35, Kalpana Society,
Adajan Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 4⁵ days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Umra, S. No. 106-A, B, 112-B, 113-B, 115-B, 116-B, and k. No. 47, registered in June, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 2nd February, 1982.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 2nd February, 1982

Ref. No PR No 1421 Acq 23-II/81-82—Whereas, I, G.C. GARG being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nondh No 3000-A, Wd No 3, Rustampura, situated at Chalamvad, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore to pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Partners of M/s. Hasmukhlal Thakordas,
1 Thakordas Chunilal,
2 Hasmukhlal Chunilal,
3 Vasantilal Chunilal,
4 Pravinchandra Chunilal,
3-1814, Silbatpura,
Surat

(Transferees)

(2) Shri Balubhai Parbhahai Rana,
Shri Manharbhai Balubhai,
Shri Pravinchandra Balubhai,
Shri Maheshbhai Balubhai,
3-3409, Navapura,
Hanuman Tekra,
Surat

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No 3000-A, Wd No 3, Rustampura, Chalamvad, registered in June, 1981

G C GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date 2nd February, 1982
Seal :

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 2nd February, 1982

Ref. No. P.R. No. 1422 Acq.. 23-II/81-82—Whereas, I,
G.C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 455, Wd. No. 6, Kalsavad situated at Manchharpura Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer 1908) in the Office of the Registering Officer

at Surat on 26-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Balvantbhai Dhirajlal Kapadia—Self & Manager of HUF and, Guardian of Minor Divyang, 407, Rushiraj Apartment, Athwa Lines, Surat.
2. Mahendrabhai Dhirajlal, self and Karta of HUF, Dadhvala Bldg., 3rd Floor, Sadashiv Cross Lane, Kandavadi, Girgam, Bombay-1.
3. Nilesh Maheshbhai Do.
4. Sureshbhai Dhirajbhai Kapadia, self and Karta & Manager of HUF, and guardian of minor Jignesh, C/o. 201, Rushiraj Apartment, Diwali bag Athwa, Surat.

5. Shirishbhai Dhirajlal Kapadia—self and Karta & Manager of HUF, Virat Apartment, Athwa Lines, Surat.

6. Nayanbhai Dhirajlal Kapadia—self and Karta & Manager of HUF, and guardian of Minor Utkash, 201, Rushiraj Apartment, Athwa, Surat.

7. Pravinkumar Dhirajlal Kapadia—self-Karta & Manager of HUF and guardian of Minor Kaushal, 5th Floor, Flat No. 17, Dalichandnagar, Athwa Gate, Surat.

8. Kanchangauri Dhirajlal Kapadia; 407, Rushiraj Apartment, Diwalibag, Surat.

9. Manjula, daughter of Dhirajlal Chunilal Kapadia; C/o. Jasvantlal Manilal, 43, Vishvaksen Society, Majura Gate, Surat.

10. Chitralekha—daughter of Dhirajlal Chunilal Kapadia; 201, Rushiraj Apartment, Diwalibag, Athwa Lines, Surat.

- (Transferor) (s)
- (2) 1. Shri Chandrakant Maganlal Arivala;
 2. Shri Jasvantlal Maganlal Arivala;
 3. Shri Dineshbhanda Maganlal
 4. Shri Harishchandra Magan Lal Arivala;
 5. Shri Dipakkumar Maganlal Arivala; Mabidharpura, Kamnath Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette** or a period of **30 days** from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within **45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette**.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 455, Wd. No. 6, Kalsavad, Manchharpura, registered in June, 1981.

G.C. GARG

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 2nd February, 1982.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 2nd February, 1982.

Ref. No. P. R. No. 1423 Acq. 23-II/81-82—Whereas, I,
G.C. GARG
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. R.S. No. 35—Hissa-1-23 situated at Navagam, Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Surat in June, 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) 1. Gordhanbhai Trikambhai Patel;
2. Pravinchandra Gordhanbhai Patel;
3. Jayprakash Gordhanbhai Patel;
4. Gajendra Gordhanbhai Patel;
5. Jashbhai Trikambhai Patel;
6. Rameshchandra Jashbhai Patel;
7. Rajendra Jashbhai Patel;
8. Kanubhai Jashbhai Patel;
Shantiniketan—123,
Sumul Dairy Road,
Surat.

(Transferor)

- (2) Shri Nalinbhai Bhailalbhai Patel;
Kaji Medan,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of the notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Navagam, R. S. No. 35—Hissa-1-B, registered
in June, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 2nd February, 1982.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Abmedabad, the 2nd February, 1982

Ref. No. P.R. No. 1424 Acq. 23-II/81-82—Whereas, I,
G.C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R.S. No. 35 Hisa-1-A & 35-Hisa-1-B, TPS. 8, F. P. 15,
Navagam, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navagam, Surat in June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

25—496GI/81

(1) Gordhanbhai Trikambhai Patel;
Pravinchandra Gordhanbhai Patel;
Jayprakash Gordhanbhai Patel;
Gajendra Gordhanbhai Patel;
Jashbhai Trikambha Patel;
Rameshchandra Jasbhai Patel;
Rajendra Jasbhai Patel;
Kanabhai Jasbhai Patel;
Shantiniketan-123,
Sumul Dairy Road,
Surat.

(Transferor)

(2) President & Mantri of Swapna Heaven Coop. Hsg. Society;
Shri Mahendra Jashbhai Patel;
Nisha Apartment,
Kaji Medan,
Surat.
Jagdishbhai Ravabhai Patel;
Sanghadiavad, Gopipura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Navagam R.S. No. 35, Hisa-1-B, 1-A, T.P. S. 8 F. P. 15, registered in June, 1981.

G.C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 2nd February, 1982.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 2nd February, 1982

Ref. No. P.R. No. 1425/Acq.23II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 347, Wd. No. 11, situated at Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in 30-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Pravinchandra Maganjal Gandhi;
Zampa Bazar,
Main Road,
Surat.
Smt. Nirajanaben Pravinchandra Gandhi;
Zampa Bazar,
Main Road, Surat.

- (2) Shri Vaishli Associates;
7-Kiran Apartments,
Nanpura,
Timlavad, Surat.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 347, Wd. No. 11, Surat duly registered in June, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 2nd February, 1982.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 2nd February, 1982

Ref. No. P.R. No. 1426 Acq. 23-II/81-82—Whereas, I, G.C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Nondh No. 1976, Wd. No. 5, Dalal Sadan situated at Gheekanta Main Road, Haripura, Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jayantilal Motiram Dalal;
Krishnabag, Bijo Palsivado,
B. P. Road, Bombay-4,
Shri Vasantilal Motiram Dalal;
5/1976, Haripura, Gheekanta, Surat.
Shri Shashikant Motiram Dalal;
A/6-7, Vigneshwar Estate,
Nanpura, Surat.

[Transferor(s)]

- (2) 1. Jagdishchandra Ramjibhai Soni;
Kubatarkhana, Dumas (Surat).
2. Narayan Mangari Damania;
Shastrynagar, Khatodara Housing Colony,
Surat-2.
3. Dr. Arunchandra Bhalchandra Vaidya;
Rammath Mahadev Pole,
Haripura, Gajjar Falia, Surat.
4. Arvind Champaklal Kapadia;
Smt. Manjulaben Jayantilal Kapadia;
Minor Vimal Khushallal Kapadia;
Haripura, Main Road., Surat.
5. Rajesh Chandulal Gandhi,
Vinodbhai Chandulal Gandhi;
Mohanlal Chandulal Gandhi,
6. Smt. Sushilaben Vinodlal Shah;
Shri Mahendra Vinodlal Shah;
Shri Bharat Vinodlal Shah;
Shri Kailash Vinodlal Shah;
C-1, Khetvadi Main Road,
Bombay-4.
7. Shri chchandra Dhansukhlal Shah;
Luhar Pole, Opp. Narminan Hall,
Surgt.

[Transferee (s)]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 1976, Wd. No. 5, Dalal Sadan Gheekanta, Haripura, Surat registered in June, 1981.

f
G.C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 2nd February, 1982.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 2nd February 1982

Ref. No. P.R. No 1427 Acq. 23-II/81-82—Whereas,
G. C. GARG
 being the Competent Authority under
 Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
 believe that the immovable property, having a fair market
 value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
 Wd. No. 10, Nondh No. 745, situated at Ambaji Road,
 Surat
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
 of 1908) in the office of the Registering Officer at
 Surat in June, 1981
 for an apparent consideration which is less than fair market
 value of the aforesaid property, and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

(1) Susmitaben Mugendra Majumdar;
 Harinkumar Mugendra Majumdar;
 Arpana R. Bhavsar,
 daughter of Mugendra Nandkrishnalal;
 12-Podar, Block,
 Shantacruz, Bombay.
 12-Podar, Block, Shantacruz,
 Bombay

[Transferor(s)]

(2) 1. Dipakkumar Prabhudas,
 2. Hareshkumar Prabhudas;
 Gopipura,
 Bhatiavad, Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for the
 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 745-A-2, Wd. No. 10, Ambaji Road,
 Surat registered in June, 1981.

G.C. GARG
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, Ahmedab ad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Date : 2nd February, 1982.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 3rd February, 1982

Ref. No. P. R. No. 1428 Acq. 23-II/81-82—Whereas, I, G.C. GARG being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Wd No. 13/60/B/1-S. No. 45 situated at Athwa Village, Surat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Jayantilal Rangildas Khandvala;
43-Rise Road,
Bombay-6.
2. Smt. Sarojben Shantilal Khandvala;
Khandvala's Street, Surat.
3. Nanubhai alias Ishvarlal Rangildas Khandvala,
46, Rise Rd. Bombay-6
4. Ashvin Shantilal Khandvala,
80, Nepean Sea Road,
Bombay-6.

5. Natimben Nanabhai alias Ishvarlal Khandvala,
46, Rise Rd, Bombay-6.
 6. Mukund alias Shar. dchandra Rangildas Khandvala;
Jivan Vihar—Manav Mandir Rd.
Bombay-6.
 7. Vandaben Mukundchandra alias Sharadchandra
Khandvala;
Jivan Vihar-Mandir Rd. Bombay-6.
 8. Minor Amit Mukund alias Sharadchandra
Khandvala;
Jivan Vihar—Manav Mandir Rd. Bombay-6
- [Transferor (s)]

- (2) 1. Shri Prasant Corporation,
1511, Prasad Chambers,
Bombay-400004.
 2. Shantichand Ravichand Jhaveri;
Victoria Garden—Post Office Bldg.,
Bhaykhalla-Bombay.
 3. Prakash Pravinchandra Jhaveri;
14, Shree Niketan,
North Avenue,
Shanta cruz, West, Bombay.
- [Transferee (s)]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Wd No. 13/60/B/1, S. No. 45, Athwa, Surat registered in June, 1981.

G.C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 3rd February, 1982.
Seal :

FORM ITNS

(1) Dahyabhai Parbhubhai Patel;
Village—Varad,
Taluka: Bardoli.

(Transferor)

(2) Smt. Asumatiben Dhansukhbhai;
Galemandi, Moti Sheri,
Surat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD**

Ahmedabad, 3rd February 1982

Ref. No. P.R. No. 1429 Acq. 23-II/81-82—Whereas, I, G.C. GARG being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TPS. 5, FP. 249-G as described in 37G situated at Surat (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Ghadod—Nondh o. 2363-3, TPS. 5, FP No. 249-G, registered in June, 1981.

G.C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3rd February, 1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD.

Ahmedabad, the 3rd February, 1982

Ref. No. P.R. No 1430 Acq. 23-II/81-82—Whereas, I
G.C. GARG
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Majura S. No. 26, Surat, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on June, 1981
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Ramilaben Amrutlal Gandhi; Navchetan Society, Majura Bhagal, Surat.

(Transferor)

(2) Partner of Morbi Tiles; Shri Gunyantrai Magatlal Dave; 17, Mahadevnagar Society, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Majura Bhagal—S. No. 26, duly registered in June, 1981.

G. C. GARG

Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3rd February, 1982.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD**

Ahmedabad, the 3rd February, 1982

Ref. No. P.R. No 1431 Acq. 23-II/81-82—Whereas, I G.C.
GARG

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Wd. No. 1, Nondh No. 1393-1394,95, TPS. 2 FP 43 Plot 31 situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on June, 1981

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Chandravadan Bhagvandas—Karta of HUF & self Sagampura, Hira Modi Sheri, Surat.
2. Pranlal Bhagvandas Do.
3. Dhansukhlal Bhagvandas—Karta of HUF & self, P. A. Holder Pranlal Bhagvandas;
4. Pravinchandra Bhagvandas self and Karta of HUF.
5. Sureshbhanda Bhagvandas—Self & Kar a of HUF.
6. Urmilaben Wd/of Kanchanlal Bhagvandas self & guardian of Minor Manish, Chetan, Devendra, Sagampura, Surat.

(Transferor)

- (1) 1. Kantilal Nagandas Chauhan;
2. Shakuntala Kantilal Chauhan; 3/B, Panch Shil Apartment, Alayani Vadi, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Wd. No. 1, Nondh No. 1393-1394-1395, TPS. 2, F. P. 43 Plot 31, registered in June, 1981.

G.C. GARG
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 3rd February, 1982.

Seal :

FORM ITNS

(1) C.U. Shah Charities,
No. 140, Vepery High Road,
Madras-3.

(Transferor)

(2) Shri S.V. Raju,
S/O Shri Subbu Raja,
No. 360, N. S.C. Bose Road,
Madras-600 001.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS.

Madras, the 8th February, 1982

Re' No : 185/June/81—Whereas, I R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 1632 (Flat Nos. situated at 116 to 128) first floor of Block 'A' in Shivalaya Buildings, Door No. 190, Commander-in-Chief Road, Egmore, Madras-8.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet, Madras, on 30-4-81.

(Document No. 745/81)
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(Land and building—Flat Nos. 116 to 128 on the first floor of Block 'A' of Shivalaya Buildings, Door No. 190, Commander-in-Chief Road, Egmore, Madras-8—Document No. 745/81)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. RAVICHANDRAN

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

26—496 GI/61

Date : 8-2-1982

Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS.

Madras the 9th February, 1982

Ref. No. : 14/June/81—Whereas, I R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 698, Poonamalle High, situated at Road, Aminjikarai, Madras-29.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sombiam, Madras on 29-4-'81.

(Document No. 1837/81)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri M. Sivashamugham,
3859, "E" Block, 13th Street,
Anna Nagar, Madras-40

(Transferors)

(2) Shri P. Jayaseelan,
F. 22, Power House Street,
ARNI (N.A. Dt.)

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant site 2 grounds and 1,200 Sq.ft. at 698, Poonamalle High Road, Aminjikarai, Madras-29—Document No. 1837/81)

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-2-82.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 10th February 1982

Ref. No. : 176/June/81—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shanmuga Nagar, situated at Andipatti village, Salem Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

J.S.R. I, Salem, on 1-6-81

(Document No. 3843/81)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

1. (1) Smt. Parvathi Ammal
W/o Shri Arumugham Pillai
(2) Shri Munusamy Pillai,
S/o Shri Arumugham Pillai
(3) Shri Jegannathan,
S/o Shri Arumugham Pillai,
Shanmuga Nagar, Andipatti village,
Salem Town.

(Transferors)

2. Shri R.S. Mani,
S/o Shri Ramasamy Gounder,
No. 3, Kumarapalayam (P. O.),
Rasipuram Taluk (Salem Dt.)

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Land in Shanmuga Nagar, Andipatti village, Salem Town—
Document No. 3843/81)

R. RAVICHANDRAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 10-2-82.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 10th February 1982

Ref. No. 177/June/81—Whereas, I, R RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shanmuga Nagar, situated at Andipatti village, Salem Town (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at J.S.R.I., Salem on 1-6-81 (Document No 3844/81)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

1. (1) Smt Purvathi Ammal,
W/o Shri Arumugham Pillai
(2) Shri Munusamy Pillai,
S/o Shri Arumugham Pillai
(3) Shri Jegannathan,
S/o Shri Arumugham Pillai,
Shanmuga Nagar, Andipatti village,
Salem Town.

(Transferor)

- 2 Shri M. Selvaraj,
S/o Shri Maria Gounder,
Kaspa Dasanayakkanpatti,
Methai Kottai Kadu,
Dasanayakkanpatti,
Salem Tk (Salem Dt)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Land in Shanmuga Nagar, Andipatti village, Salem Town—
Document No 3844/81)

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date, 10-2-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 10th February 1982

Ref No. 178/June/81—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Shanmuga Nagar, situated at Andipatti village, Salem Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.I., Salem on 1-6-1981 (Document No. 3845/81)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. (1) Smt Parvathi Ammal,
W/o Shri Arumugham Pillai
(2) Shri Munusamy Pillai,
S/o Shri Arumugham Pillai
(3) Shri Jegannatham
S/o Shri Arumugham Pillai,
Shanmuga Nagar, Andipatti village,
Salem Town.

(Transferor)

2. Shri Bala Gopal,
S/o Shri Sengottaya Gounder,
Gejal Nayakkanpatti,
Salem Tk. (Salem Dt.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land in Shanmuga Nagar, Andipatti village, Salem Town—
Document No. 3845/81)

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 10-2-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri S. Dhandapani,
210A, Sullivan St., Coimbatore-1
(Transferor)
(2) Shri Kamlani, 34/35, III St.,
Kempatti Colony, Coimbatore
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-2, MADRAS**

Madras dated the 10th February, 1982

Ref. No. F. 11620—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

TS 5/21P situated at Coimbatore (Doc. 3470/81) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at TS 5/21P, Coimbatore (Doc. 1407/81)

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-2-1982

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-6 the 10th February 1982

Ref. No. F. 16444—Whereas, I R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

8 situated at Lake View Road, Madras-33 (Doc. 3430/81) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kodambakkam on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) P. Subramaniam & S. Venkatachalam,
5, Krishnan Nair St.,
Madras-17.

(2) C. Wilson Varnaraj,
11, Sarojini St.,
Madras-17.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 8, Lake View Road, Madras-33.
(Doc 3430/81)

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Aui

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-2-1982.
Seal :

FORM ITNS

1. C. Chandran,
11/90, Sundaram St.,
Coimbatore.

(Transferee)

2. S. Dhandapani,
210A, Sullivan St.,
Coimbatore-I.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-6 the 10th February 1982

Ref. No. F. 11620—Whereas, I R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

TS 5/21P situated at Coimbatore (Doc. 3474/81) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at TS 5/21P, Coimbatore.
(Doc. 3474/81)

R. RAVICHANDRAN (i/c)
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 10-2-82.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) S. Dhandapani,
210A, Sullivan St.,
Coimbatore-1.

(Transferor)

(2) C.K. Ayyappan,
25/32A, Anumantharayar Koil St.,
Coimbatore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II MADRAS**

Madras-6, the 10th February 1982

Ref. No. 11620—Whereas, I. R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

TS5/21P situated at Coimbatore (Doc. 3473/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that this consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land at TS 5/21P, Coimbatore,
(Doc. 3473/81)

R. RAVICHANDRAN (I/c),
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
27—496GU/81

Date : 10-2-82
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) S Dhandapani, 210A
Sullivan St,
Coimbatore-1

(Transferor)

(2) V Murugesan,
220, Sullivan St,
Coimbatore

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-2 MADRAS

Madras-6 the 10th February 1982

Ref No 11620—Whereas, I R RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing

No TS5/21P situated at Coimbatore (Doc 3472/81) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land at TS No 5/21P, Coimbatore
(Doc 3472/81)

R RAVICHANDRAN (i/c)
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-2-1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) S. Dhandapani,
210A, Sullivan St.,
Coimbatore-1.

(Transferor)

(2) C.K. Ganeshan,
25/32A, Anumantharayar Koil St.,
Coimbatore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADRAS-II

Madras-6 the 10th February 1982

Ref. No. F. 11620—Whereas I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

TS 5/21P situated at Coimbatore (Doc. 3471/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at TS No. 5/21P, Coimbatore.
(Doc. 3471/81)

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range- 2 Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-2-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 MADRAS

Madras-600 006 the 16th February 1982

Ref. No. 75/June/81—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door No. 18, Kamala 2nd Street situated at Madurai-22. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tallakulam, Madurai-2, on 5-6-1981 (Document No. 3166/81)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Gowri Ammal,
W/o Late Shri M.N. Rajan,
No. 18, Kamala 2nd Street,
Madurai-2.

(Transferor)

(2) (1) Dr. T. Rajagopal, M.D.,
(2) Dr. (Mrs.) R. Govindammal, M.D.,
(3) Shri Booma Rajagopal,
Door N. 19, Sarojini Street,
Kamaraj Nagar,
Madurai-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Door No. 18, Kamala 2nd Street, Chockikulam, Madurai-2, Document No. 3166/81).

R. RAVICHANDRAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2, Madras-6.

Date : 16-2-1982.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad the 11th January 1982

Ref. No. RAC/248/81-82—Whereas, I S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agl. land situated at Marodpally Secunderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) (1) Shri Macherla Jaihind S/o M. Durgaiah
(2) Sri Macherla Pandu S/o M. Durgaiah
East Marodpally Secunderabad Cantonment,
Secunderabad.

(Transferor)

- (2) M/s Ravi Co-operative Housing Society Ltd.,
TAB No. 22 1-5-559/1 Bakaram Road,
Hyderabad 500020
President Shri K. Ashok Kumar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of Agricultural land in Survey No. 42, 43, 44, 45 & 45 UP at Marodpally village Secunderabad Cantonment (Area 2736 sq. yards) Urban Taluk Hyderabad Dt. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 3666/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 11-1-1982.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad the 11th January 1982

Ref. No. RAC/249/81-82—Whereas, I S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agl. land situated at Maredpally Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) (1) Shri Macherla Jaihind S/o

M. Durgaiah,

(2) Sri Macherla Pandu S/o,

M. Durgaiah

East Maredpally Secunderabad Cantonment,
Secunderabad.

(Transfedor)

(2) M/s Ravi Co-operative Housing Society Ltd.,
TAB No. 22 1-5-559/1, Bakaram Road,
Hyderabad-500 020.

President Sri K. Ashok Kumar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of Agricultural land in Survey No. 42, 43, 44, 45/UP at Maredpally village Secunderabad cantonment, Urban Taluk Hyderabad Dt area 2436 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 3740/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 11-1-1982.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad the 11th January 1982

Ref. No. RAC/250/81-82—Whereas, I S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agl. land situated at Mardepally Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

1. (1) Sri Macherla Jaihind S/o
M. Durgaiah,
(2) Sri Macherla Pandu S/o
M Durgaiah,
East Mardepally Secunderabad cantonment,
Secunderabad.

(Transferor)

2. M/s Ravi Co-operative Housing Society Ltd.,
TAB No. 22 1-5-599/1 Bakaram Road,
Hyderabad 500 020
President Sri K. Ashokkumar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of Agricultural land in Survey No. 42, 43, 44, 45 & 45 UP at Mardepally village Secunderabad cantonment, Urban Taluk Hyderabad district area 3592 sq. yards registered with Sub-Registrat Hyderabad vide Doc. No. 3648/81.

S. GOVINDARAJAN,
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-1-1982.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad the 19th January 1982

Ref. No. RAC/251/81-82—Whereas, I S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3-5-144/1 situated at Kind Kothi Road, Hyderabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Hyderabad on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Walida Hussain Ali Fathima Begum,
W/o Abdullah Ben Saleh,
3-5-780/4 King Bin Saleh,
3-5-780/4 King Kothi Road,
Hyderabad.

(Transferor)
(2) Shri Ahmad Bin Salam Alias Eman Ali,
S/o Nalam Bin Hasan
3-5-144/1 King kothi Road,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House No. 3-5-144/1 King kothi Road, Hyderabad area 600 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 3602/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 19-1-1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad the 19th January 1982

Ref. No. RAC/252/81-82—Whereas, I S^t GOVINDARAJAN

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Saidabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Azampura, Hyderabad on June 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

8—496GI/81

1. Shri D. Ramakrishna Rao S/o
late D. Ramachandra Rao,
Personal Assistant Bharat Heavy Plates, and vessels,
Visakhapatnam.

(Transferor)

2. Shri K.L. Narasimha Rao S/o,
Seshachalapathi Rao,
Director of Geology ONGC,
305 Shalaka Housing Society,
Maharshi Karve Road,
Near Secretariat,
Bombay-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 18 area 608 sq. yards vinayanagar Co-operative Housing society Saidabad Hyderabad Sy. No. 209, 217, & 218 in ward No. 17 Saidabad, Hyderabad 36 registered with Sub-Registrar Azampura Hyderabad vide Dec. No. 2296/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 19-1-1982.

Seal :

FORM ITNS

1. Sri A. V. Ranga Rao S/o Late A.K. Prasad Rao,

2-2-647/77/G/14,

Bagh Amberpet, Hyderabad-500013.

(Transferor)

2. Sri A. Krishna Murthy (Advocate),

1-10-243 Ashoknagar,

Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 1st February, 1982

Ref. No. RAC/253/81-82—Whereas, I S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Ashoknagar, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chikadpally on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land admeasuring 565·20 sq. mts (676 sq. yards) with house 1-10-243 Ashoknagar Hyderabad registered with Sub-registrar Chikadpally vide Doc No. 482/81.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 1-2-1982.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad the 4th February 1982

Ref. No. RAC/254/81-82—Whereas, I S. GOVINDARAJAN

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Flat No. 207 situated at Khairatabad Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s Shahajan Apartments,
6-2-974 Khairatabad,
Hydeabad,
Rep. by Sri Ahmed Haji Ebrahim,
Flat No. 505 Minor Apts., Deccan
Towers, Basheerbagh,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt Waheedunnisa W/o
Syed Abdul Khedar,
G.P.A. Sri V.S. Imam,
16-8-252 Kaladera Malakpet,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 207 Second floor M/s Shahajan Apartments No. 6-2-974 Khairatabad Hyderabad area 1106 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 3554/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-2-1982.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th February 1982

Ref. No. RAC 255/82-82—Whereas, I. S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2-3-742 situated at Bagh Amberpet, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Sri M. Satyanarayana Murthy,
S/o Late Subba Rao,
Durgabai Colony 2-2-20/A,
Bagh Amberpet,
Hyderabad

(Transferor) (s)

(2) Sri Abdul Rasheed S/o
Abdul Aziz
6-1-296 Venkatapuram,
Secunderabad.

(Transferee(s))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

House No. 2-3-742 at Bagh Amberpet Hyderabad together with land 470 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 3775/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 6-2-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 8th February 1982

Ref. No. RAC No. 256/81-82—Whereas, I S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plots at situated at Nellore Bit I, Nellore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (1) (1) Smt Anasyya Devi W/o
T.N. Raghunath Reddy,
- (2) Smt Shakuntalamma W/o
T.N. Krishna Reddy,
GPA Sri B. Gopalareddy S/o
Sundara rami Reddy
Moolapet,
Nellore Town.

(Transferor)

- (2) (1) Tangatru Venkata Ramana Reddy,
(2) T. Rami Reddy,
(3) Raghava Reddy,
(4) T. Harishchandra Reddy
Sons of Sri Laxmi Narsa Reddy,
Saraswathinagar, Dargamitta,
Nellore Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plots at Nellore town total area 6616 sq.yards situated at Nellore Bit I plot Nos. 147 to 149, 156 to 158, 152 to 153, 159 to 163 registered with Sub-Registrar Nellore vide Doc. No. 1988/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.(A.P.)

Date : 8-2-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 8th February 1982

Ref. No. RAC/257/81-82—Whereas, I S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Mill & Godown situated at Kurbala Kota, Madanapally (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Madanapally on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri T.N. Aravinda Reddy,
S/o T.N. Venkata Subba Reddy,
Gandhi Road,
Kammanapalli village,
Madanapalli post & Taluk,
Chittoor District.

(Transferor)

(2) Sri Nellore Nagarjuna Reddy,
S/o Subba Reddy,
M.D. Srinivasa Spinning Mills Pvt. Ltd.,
Srinivasanagar,
Kurabala Kota P.O. & Village,
Madanapalli Taluk,
Chittoor District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mill and Godown of ground nut factory at Kurbalakota Madanapalli Taluk built up area 6390 sq. ft and open area 710 sq yards registered with Sub-Registrar Madanapally vide Doc. No. 2861/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 8-2-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th February 1982

Ref. No. RACZ258/81-82—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3-6-111/7 situated at Himayatnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sri Mansoor Ahmeduddin,
H. No. 3-6-111/7, Himayatnagar,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Amtul Zehera Sabeeha,
H. No. 3-6-111/7, Himayatnagar,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 3-6-111/7 Himayatnagar Hyderabad area 314-34 sq yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 3442/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-2-1982.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad the 8th February 1982

Ref. No. RAC No. 79/81-82 Kakinada Squad.—Whereas, I
S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Asst. No. 6280 situated at Ongole Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ongole Town on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. (1) Sri Lingareddi Venkata Subba Reddy, S/o Ramakrishna Reddy,
(2) Sri N. Allapareddi Adinarayana Reddy, S/o Venkata Subba Reddy,
(3) Dr Lingareddy Venkata Ramana Reddy, S/o Sundararamy Reddy, (By GPA Sri Lingareddy Padmanabha Reddy,) S/o Sri Sundaramai Reddy,
(4) Sri Lingareddy Padmanabha Reddy S/o, Sundararami Reddy, Karedu Village of Kandukur Taluk, Prakaasam Distt.

(Transferors)

2. Shri D. Rama Naidu, S/o Venkateswarlu, Sure on Productions, 13, Valmiki Street, T. Nagar, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property—Cinema Hall—Ongole Town—Ongole Municipal Ward 6—T.S. Block—10 T.S. No. 461—Asst. No. 6280 was registered with the SRO, Ongole Town during the month of June, 1981 vide document no. 2505/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 8-2-1982

Seal .

FORM I.T.N.S.—

NOTICL UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad the 8th February 1982

Ref. No. RAC No. 80/81-82 Kakinada Squad—Whereas,
J. S. GOVINDA- RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Old Ward 6 situated at New ward No. 12, Kothapeta, GTR

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Guntur on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt Kondabolu Venkata Subbamma,
W/o Dr. K. Basava Punnaiah,
Old Ward No. 6,
New Ward No 12-Block No.4,
T.S. No. 394,
Kothapeta, Guntur.

(Transferor)

(2) Smt. Bommalamudi Laxmi, W/o
Dr. B. Suryanarayana,
Old Ward No. 6, New Ward No. 12,
Block No .4,
T.S. No. 394,
Kothapeta, Guntur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Second floor of the building bearing Old Ward 6, New Ward No. 12, Block No. 4—T.S. No. 394 situated at Kothapeta, Guntur was registered with the SRO, Guntur during the month of June, 81 vide document no. 6268/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 8-2-82

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
29—496GT/81

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.**

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad the 8th February 1982

Ref. N9. RAC No. 81/81-82 Kakinada Squad—Whereas, I
S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 95-1-B & 96A situated at Nallipadu Village, Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Guntur on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Nadimpalli Savitri, W/o Late Seetharamanjaneyulu,
16-2-648/4 New Malakpeta,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Bajrang Jute Mills Ltd.,
Ring Road,
Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDEULE

Land (Site) Ac. 0-50 cents under S. Nos 95-1B and 96A of Nallipadu Village, Guntur was registered with the SRO, Guntur during the month of June, 1981 vide document no. 7438/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-2-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad the 8th February 1982

Ref. No. RAC No. 82/81-82 Kakinada Squad Whereas, I
GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269D, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 95-1-B7 & 96A situated at Nallipadu Vg. Guntur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) (1) Sri Annamraju Venkataramarao,
- (2) Sethapati Rao,
- (3) Venkata Sal Siddardha and
- (4) Vijayanthi rep. by GPA, Annamraju Hanumantha Rao S/o Late Sitapati Rao, Advocate 16-21-310/14/6, Saleemnagar Colony, New Malakpet, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Sri Bajrang Jute Mills Ltd., Ring Road, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land (Site 1-00 under S. Nos 95-1B and 96A of Nallipadu Village, Guntur was registered with the SRO, Guntur during the month of June, 1981 vide document no 7439/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 8-2-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad the 8th February 1982

Ref. No. RAC No. 83/81-82 Kakinada Squad.—Whereas, S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 95-1-B 7 & 96A situated at Nallipadu Vg Gungur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Guntur on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri Annamraju Hanumantha Rao,
S/o late Seethapati Rao 16-11-310/14/6,
Saleemnagar Colony,
New Malakpetta,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri A. Srinivasa Prabakara Seetapati Rao, S/o Hanumantha Rao
16-11-310-14/6 Saleemnagar Colony,
New Malakpetta,
Hyderabad.

(2) Sri Bajrang Jute Mills Ltd.,
Ring Road,
Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land (Site) Ac. 1-00 under S.Nos 95-1B and 96A of Nallipadu Village, Guntur was registered with the SRO, Guntur during the month of June, 1981 vide document no 7440/81.

W. GOVINDARAJAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad,

Date : 8-2-1982.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad the 9th February 1982

Ref. No. RAC No 84/81-82 Kakinada Squad—Whereas, I S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 33/1 & 33/4 situated at Tangal la Mudi Village (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Eluru on June, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri Vittal Madhava Rao & Sri Vittal Venkata Rao S/o, Anandarayudu, S/o Madhavarao, Both residing at Tangellamudi, Eluru Taluk.

(Transferor)

(2) M/s East India Commercial Co. Pvt. Ltd., Eluru

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property Site (Land) Ac. 4-34 cents-T.S. No. 33/1 and 33/4 Tangellamudi Village-Eluru Municipal area-Ward No. 20 was registered with the SRO, Eluru vide document no 3559 during the month of June, 1981.

S. GOVINDARAJAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 9-2-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th February 1982

Ref. No. RAC No. 85/81-82 Kakinada Squad—Whereas,
S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 119/1A situated at Tangellamudi Vg Eluru Tq.

Amritsar,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Eluru on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Komma Raja Rajeswari, W/o,
Nageswara Rao,
Tangellamudi.(Transferor)
(2) M/s East India Commercial Co. Pvt. Ltd.,
Eluru.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property-Site (Land)—Tangellamudi Village-Eluru Municipal area-Ac. 1-61 under R.S. No. 119/1A- was registered with the SRO, Eluru during the month of June, 1981 vide document No. 3560/81.

S. GOVINDARAJAN

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-2-1982.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 9th February 1982

Ref. No. RAC. No. 86/81-82 Kakinada Squad.—Whereas I,
S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 140/1 situated at Tangellamudi Vg. Eluru Tq.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Eluru on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. Arnep alli Chinnamma, W/o Appalaswamy, Rajahmundry.

(Transferor)
2) M/s East India Commercial Co. Pvt. Ltd., Eluru.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property-Site (Land) Tangellamudi Panchayat-Eluru Municipal area Ac-2-29 cents under R.S. No. 140/1 was registered with the SRO, Eluru during the month of June, 1981 vide document no. 3569/81.

S. GOVINDARAJAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-2-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad the 9th February 1982

Ref. No. RAC No. 87/81-82 Kakinada Squad.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R.S. No. 139/3 situated at Tangellamudi Vg. Eluru Tq.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Eluru on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer **and/or**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Tentu Narasiah, S/o ,
Seethanna,
Eluru

(Transferor)

(2) M/s East India Commercial Co. Pvt. Ltd.,
Eluru.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property-Site (Land)—Tangellamudi Village—Eluru Municipal area—Ac. 1-31 cents under R.S. No. 139/3 was registered with the SRO, Eluru vide document No. 3570/81 during the month of June, 1981.

GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 9-2-1982.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad the 9th February 1982.

Ref. No. RAC No. 88/81-82 Kakinada Squad.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

141/3 situated at Tangellamudi Vg. Eluru

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Eluru on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

30—496GT/81

(1) Sri Vavilala Pedda Appa Rao,
and Sri. Vavilala Chinna Appa Rao,
Sons of late Pentayya,
Tangellamudi.

(Transferor)

(2) M/s East India Commercial Co. Pvt. Ltd.,
Eluru.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property-Site (Land)-Tangellamudi Vg.—Eluru Municipal area—Ac. 1-78 cents under R.S. No. 41/3 was registered with the SRO, Eluru during the month of June 1981 vide document no. 3573/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 9-2-1982.

Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th February 1982

Ref. No. RAC No. 89/81-82 Kakinada Squad.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

141/6 situated at Tangellamudi Vg. Eluru Tq.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Eluru on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Nandanampati Rama Rao, S/o Late Satyanarayana, Nunnavati Street, Eluru (Transferor)
- (2) M/s East India Commercial Company Pvt. Ltd., Eluru. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property-Site (Land)—Tangellamudi Village—Eluru Municipal area Ac. 1-35 cents under R.S. No. 141/6 was registered with the SRO, Eluru during the month of June, 1981 vide document no 3576/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date 9-2-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad the 9th February 1982

Ref. No. RAC No. 90/81--82 Kakinada Squad—Whereas, I S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. RS No. 120/2 situated at Tangellamudi Vg. Eluru Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Eluru on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Nerusu Seetaramaiah and Nerusu Gangarathnam being minor son and minor daughter rep. by their father Sri. Nerusu Pothuraju, S/o late Munayya and Nerusu Nagamani wife of Pothuraju, Eluru.

(Transferor)

(2) M/s East India Commercial Co. Pvt. Ltd., Eluru.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property-Site (Land)—Tangellamudi Vg—Eluru Municipal area—Ac. 5-40 cents under R.S. No 120/1, 120/2 and 120/3 was registered with the SRO, Eluru during the month of June, 1981 vide document no 3586/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-2-1982.

Seal :

FORM ITNS—

1. (1) Smt Mardaradani Gouramma, W/o late Laxmanna,
Tangellamudi Village,
Eluru Taluk

(2) Smt. Guntreddi Rangamma, W/o Rangaraao,
Tangellamudi village,
Eluru Taluk.

(Transferors)

2. M/s East India Commercial Co. Pvt. Ltd.,
Eluru.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad the 9th February 1982

Ref. No. RAC No. 91/81-82/Kakinada Aquad—Whereas, I
S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 140/3 situated at Tangellamudi Vg. Eluru Tq.*

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Eluru on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property—Site (Land) Tangellamudi Vg. Eluru Municipal area Ac. 1-45 cents under R.S. No. 140/3 with the SRO, Eluru during the month of June, 1981 vide document no 3595/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-2-1982.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITN5

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad the 9th February 1982

Ref. No. RAC No. 92/81-82—Kakmada Squad—Whereas, I S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 119/2 situated at Tangellamudi Vg. Eluru Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Eluru on June, 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Devanadoboyina Ramalakshminamma, W/o Sri D. Satyanarayana and Sri D. Satyanarayana, S/o Anjaiah, Madipalem, Visakhapatnam rep. by Power of Attorney holder Sri Megugumala Nageswara Rao, S/o late Sri Veeraraghavaiah, Tangellamudi Vg, Eluru Taluk,

(Transferee)

(2) M/s East India Commercial Co. Pvt. Ltd., Eluru

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property—Site (Land) Tangellamudi Vg. Eluru Municipal area AC-3-44 under R.S. No. 119/2 was registered with the SRO Eluru during the month of June, 1981 vide document no. 3908/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 9-2-82

Seal :

FORM ITNS**NOTICL UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad the 9th February 1982

Ref No RAC No. 93/81-82 Kakinada Squad —Whereas, I,
S GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding R. 25,000/- and bearing

No 141/4 & 119/1B situated at Tangallamudi Vg Eluru Tq (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Eluru on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereto by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- 1 (1) Chatta Kotilingamma, W/o Late Ch. Kotiha alias Kotappayya
 (2) Ch Rajeswara Rao S/o Late Ch Kotiha alias Kotappayya,
 (3) Sri Kusunuri Rajyalaxmi W/o Chinnarao,
 (4) Chatta Gangadhararao,
 (5) Chatta Yugandhararao,
 (6) Chatta Yogananda S. Nos 4,5, & 6
 are sons of late Kotiah alias Kotappayya—
 Rep by mother and guardian Kotilingamma
 (7) Chatta Someswari,
 (8) Chatta Pullamma—
 S Nos 7 & 8 are daughters of Chatta Kotiah—
 Rep by mother & guardian Kotilingamma,
 Tangallamudi Eluru T

Transferor(s)

- 2 M/s East India Commercial Co Pvt Ltd ,
 Eluru

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 20 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property—Site (Land) Tangallamudi Vg Eluru Municipal area Ac 4-60 cents under R S Nos 141/4 and 119/1B was registered with the SRO, Eluru during the month of June, 1981 vide document no 3921/81

S GOVINDARAJAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
 Acquisition Range, Hyderabad

Date 9-2-1982
 Seal

FORM NO. ITNS—

(1) The Andhra Evangelical Lutheran Church (AELC),
Guntur.
Rep by President Dr.S.W. Schmittinner,
Guntur.

(Transferor)

(2) M/s Coastal Papers Ltd.,
11-10-27, River Dale Compound,
Grand Trunk Road,
Rajahmundry—533104.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th February 1982

Ref. No. RAC No. 94/81-82 Kakinada Squad.—Whereas, I
S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11-10-23 to 11-10-31 Rajahmundry

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

All the Buildings bearing Nos 11-10-23 to 11-10-31 situated at Rajahmundry Municipal Wrd No. 7 was registered with the Rajahmundry during the month of June, 1981 vide doc. no. 3126/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely —

Date : 9-2-1982.
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE HYDERABAD**

Hyderabad, the 10th February 1982

Ref. No. RAC 259/81-82.—Whereas, I,
S. GOVINDARAJAN

being the competent authority under Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. 5-3-590 to 596 situated at Top Khana Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri T. Laxman Kumar S/o
 T. Ramuloo
 1-1-231/2/A Chikadpally,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) Kumari Padma D/o
 Pandiri Shankar Rao,
 15-2-244 Kishangunj,
 Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 5-3-590 to 596 Topkhana Hyderabad with area 141.22 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 3654/81.

S. GOVINDARAJAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-2-1982
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th February 1982

Ref. No. RAC 260/81-82—Whereas, I
S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-3-183/40/A situated at Gandhinagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
31—496 GI/81

1 Sri A. Satyanarayana Yadav S/o
Sri Mukunda Rayudu
8-3-1047 Srinagar Colony
Hyderabad-500034

(Transferor)

1. Shri P. Parameshwar yadav
S/o P. Sayanna yadav
2. Smt. P. Vimalamma yadav w/o Parameshwara yadav
- (3) Sri P. Krishnayadav S/o
Parameswar Yadav.
- (4) Sri P. Gopalyadav S/o
Parmeswara Yadav.
(For 3 & 4 GPA Smt. P. Vimalamma yadav),
23-6-768 Candulal Bela,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1-3-183/40/A Gandhinagar Hyderabad area 1207 sq. mts registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 3586/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-2-1982.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE,

Pune, the 11th February 1982

Ref. No. IAC/CAS/SR Haveli II /June 81/564/81-82—
Whereas, I R.K. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 25, Plot No. 38, situated at Happy Colony, Kothrud, Pune-29.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registered Officer at SR Haveli-II on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) (1) Jayvant Bapuji Kamat,
- (2) Subodh Bapuji Kamat,
- (3) Smt. Sudhabai R. Nadkarni,
- (4) Mrs. Usha G. Vaingankar,
- (5) Mrs. Sunanda M. Rajadhyaksha.
- (6) Malati R. Brahme.

433/11, Somvar Peth, Pune-1.

(Transferor)

- (2) Sadasuli Sahakari Griha Rachya Sanstha Ltd., 703, Ganj Peth, Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of an income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Property bearing Plot No. 38 out of S. No. 25, Happy Colony Kothrud, Pune-29 admn. about 95.55 sq. ft.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 3495 in the office of the Sub Registrar, Haveli-II in the month of June, 1981).

R.K. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 11-2-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE,

Pune, the 11th February 1982

Ref. No. IAC/CA.5/SR. Dhule/June 81/565/81-82—Whereas, I, R.K. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 571/A-1, Plot Nos 9, 10, 11, 45, 46, 47, 50 & 51 situated at Dhule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at, S.R. Dhule on June 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Shantabai Sidappa Kanade,
Agra Road,
Near Dr. Mirajkar's House,
Dhule.

(Transferor)

(2) Shri Kishanrao Kondaji Marathe,
Chairman of Pradhyupak Late Sambhappa
Mongalaikar Kamgar Sahakari Griha Nirman,
Sanstha Limited,
C/o S.K. Marathe,
Shri Shivshakti Hsg. Soc.,
Plot No. 62, 2nd Floor,
Dhule.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 571/A-1, Plot Nos. 9, 10, 11, 45, 46, 47, 50 and 51 situated at Dhule.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 2530 in the office of the Sub Registrar, Dhule in the month of June, 81).

R.K. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
: : Acquisition Range, Poona

Date : 11-2-1982

Seal :

FORM NO. ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, PUNE.

Pune, the 11th February 1982

Ref. No. IAC/CAS/SR. Dhule/June 81/566/81-82—Whereas,
I, R.K. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 571/A-1, Plot Nos 1, 2, 3, 4, 5, 6, 8 situated at Dhule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Dhule on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

(1) Sou. Mahananda Mahadev Dhole,
Agra Road,
Near Dr. Mirajkar's House,
Dhule.

(Transferor)

(2) Shri Kisanrap Kondaji Marathc,
Chairman of Pradhyapak Sambhappa Mongalaikar,
Kamgar Sahakari Girha Nirman Sanstha Ltd.,
C/o S.K. Maratha,
Shri Shivashakti Hsg. Society,
Plot No. 62, 2nd floor,
Dhule.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No 571/A-1 Plot Nos 1,2,3,4, 5, 6, 8 situated at Dhule.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 2529 in the office of the Sub Registrar, Dhule in the month of June 1981).

R. K. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 11-2-1982

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Bansilal Motilal Mutha,
Ganeshwadi,
Ahmednagar.

(Transferor)

(2) Shri Shantilal Chandanmal Bhandari,
House No. 2375 Parsha Khunt,
Ahmednagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 11th February 1982

Ref. No. IAC/CAS/SR. Ahmednagar/June 81/567/81-82—
Whereas, I R.K. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Muni, House No. 2375, & 2376 C.S. No. 1140 and 1139 situated at City Ahmednagar

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Ahmednagar on June

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property bearing C.S. No. 1140 Municipal House No. 2375 C.S. No. 1139 Municipal House No. 2376 situated at City Ahmednagar.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 1746 in the office of the Sub Registrar, Ahmednagar in the month of June, 1981).

R. K. AGGARWAL

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 11-2-1982

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Yashwant Narayan Vinchurkar,
13, Haribhakti Extension,
Baroda (G.S.)

(Transferor)

(2) Shri Manohar M. Bapaye,
Smt. Meenakshi Manohar Bapaye,
429/2, Vakilwadi,
Nasik.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, PUNE
Pune, the 15th February 1982

Ref. No. IAC/CAS/SR. Nasik/June 81/569/81-82—Whereas,

I, R.K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.T.S. No. 617/3C Plot No. 7 situated at Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nasik on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property bearing C.T.S. No. 617/3C Plot No. 7 situated at Nasik admn. 660 sq. yards.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 2711 in the office of the Sub Registrar, Nasik in June 1981).

R.K. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Poona

Date : 15-2-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Mrs. Lalo Puri & Ors.

(Transferor)

(2) Mrs. Kamala Verghese.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 5th February 1982

Ref. No. 1003/Acq. R-III/81-82/Cal.—Whereas I, M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1A situated at Ballygunge Circular Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 26-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 37 on the 9th floor of the premises No. 1A, Ballygunge Circular Road, Calcutta.

M. AHMAD

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Date : 5-2-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM NO. ITNS—

(1) Pradip Kumar Das,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Amber Properties Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA
 Calcutta, the 6th February 1982

Ref. No. 1004/Acq. R-III/81-82.—Whereas I, M. AHMAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 25 situated at Waterloo Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 24-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that undivided 1/18th share of the house property being premises No. 25 Waterloo Street, Calcutta, registered by Deed No. 5280 dt. 24-6-81 before the Registering Authority, Calcutta.

M. AHMAD
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-2-1982

Seal :

FORM ITNS

(1) Sm. Annapurna Das & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Jyotsna Laha

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA**

Calcutta, the 9th February 1982

Ref No 1005/Acq R-III/81 82.—Whereas J. M. AHMAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No 41/1A situated at Bibhutti Bandopadhyaya Sarani, Calcutta-19 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 15-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
32—496GU/81

THE SCHEDULE

All that 1K 10Ch of land together with structure situated at and being premises No 41/1A, Bibhutti Bandopadhyaya Sarani Calcutta-19

M AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 9-2-1982

Seal

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Renuka Das,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ajoy Kr. Shroff & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th February, 1982

Ref. No. 1007/Acq. R-III/81-82:—Whereas, I, M. AHMAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 32 situated at Deodar Street, Calcutta .

(and more fully described in the Schedule annexed, hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at
at Calcutta on 29-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein in are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that 4 K 2 Ch of land together with brick built house erected thereon at premises No. 32, Deodar Street, Calcutta.

M. AHMAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date : 10-2-1982.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 10th February, 1982

Ref. No. AC-45/R-II/Cal/81-82:—Whereas, I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dag No. 383, situated at Chakmari P. S. Maheshtola, 24-Pargs. (W.B.)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at D. R. Alipore, 24-Pargs. on 2-6-81.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Girish Kumar,
3, Surendra Nath Banerjee Road,
Calcutta-14.

(Transferor)

(2) Shri Inderson's Corporation,
P-49, Princep Street,
Calcutta-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Area : 27 decs. at Chakmari, P. S. Maheshtola, 24 Parganas (W.B.) More particularly described in deed No. 6253 of D. R. Alipore, 24-Pargs. of 1981.

K. SINHA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date : 10-2-82.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 10th February 1982

Ref. No. AC-46/R-II/Cal/81-82.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dag No. 283, situated at Chakmeri, P. S. Maheshtola, 24-Pargs.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at D. R. Alipore, 24-Pargs. on 2-6-81.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Harish Kumar,
3-Surendra N. Banerjee Road,
Calcutta-13.

(Transferor)

(2) Inderson's Corporation,
P-49, Princep Street,
Calcutta-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Area : 14-1/2 decs. at Chakmeri, P.S. Maheshtola, 24-Pargs, (W. B.) More particularly described in deed No. 6254 of D. R. Alipore, 24-Pargs. of 1981.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta

Date : 10-2-82.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Sh Surinder Kumar,
3, S. N. Banerjee Road,
Calcutta-14.

(Transferor)

(1) Inderson's Corporation
P-49, Princep Street,
Calcutta-13.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 10th February 1982.

Ref. No. AC-47/R-II/Cal/81-82:— Whereas, J. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Dag. No. 383, situated at Chakmeri P. S. Maheshtola Dist 24-Pargs.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at D. P. Alipore, 24-Pargs. on 2-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Area : 14/2-2 decs. at Chakmeri, P. S. Maheshtola, Dist. 24 Pargs (W. B.) More particularly described in deed No. 6255 of D. R. Alipore, 24-Pargs. of 1981.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta

Date : 10-2-82.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt Daya Rani,
Shri Deepak Prakash
21, Mandeville Gardens

(Transferor)

(2) M/s Jamuna Lal Toshniwal (P) Ltd of
89, Netaji Subhas Road,
Calcutta

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 11th February 1982

Ref No AC-89 Acq R IV/Cal-81 82 —Whereas, 1, K SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

situated at Kurseong

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 11-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land	489.00 acres
Address	Spring side Tea Garden, P. S. Kurseong, Dist Darjeeling
Deed No	4839 of 1981

K SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 11-2-1982
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGI-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 11th February, 1982

Ref. No. AC-90/Acq. R-IV/Cal/81-82. —Whereas, I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Mouja and P. S. Khardaha
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Alipore on 4-6-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(1) M/s. Associated Pigment Limited,
14, N. S. Road,
Calcutta-7.

(Transferor)

(2) M/s. Anupama Foundry of Madhusudan Mukherjee Road, P.S. Khardaha,
Dist. 24-Parg.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land : 1B. 7 Coltah 8 Chattaks 21 sq. ft.
Address : Mouja & P. S. Khardaha, Dist. 24-Parg.
Deed No. : 6382 of 1981.

K. SINHA,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition-Range-IV, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-2-1982.

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Nakul Chandra Manna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Dipak Kr. Mukherjee,
President of Mahatirtham.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 12th February, 1982

Ref. No 1008/Acq. R-III/81-82.—Whereas, I, M.
AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 108 situated at S. C. Mullick Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 19-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land containing an area of 6 K Ch3 11 sq. ft. situated at 108, S. C. Mullick Road, Calcutta, registered by Deed No. 7105.

M. AHMAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1982.

Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th February, 1982

Ref. No. AR-III/1986-3/81-82.—Whereas, I, SUDHAKAR VARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C. T. S. Nos. 39 & 46 situated at Kanjur village, Bhandup (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 2-6-81 Doc. No. S-137/81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Yogendra Pratap Singh,
Shri Ravi Datta Singh,
Dr. Dhanendra R. Jhaveri,
Dr. Mrs. Poornima D. Jhaveri,
Bhandup Om Shiva Co-op. Housing Society Ltd.
(Transferor)
- (2) Shri Bhandup Om Shiva Co-op. Housing Society Ltd.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-137/81 and as registered on 2-6-1981 with the Sub-registrar, Bombay.

SUDHAKAR VARMA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 5-2-1982.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

33—496 GI/81

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Nicholas Florence Fernandes,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Altaf Abdul Latif Furniturwala,: (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1982

Ref. No. AR-2/3199-10/81-82.—Whereas, I SUDHAKAR VARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C. S. No. C/610 situated at, Bandra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 25-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Scheduled as mentioned in the Registered Deed No. S-2535/80 and the same is registered with sub-registrar, Bombay on 25-6-1981.

SUDHAKAR VARMA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Bombay.—

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 11-2-1982.

Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) Smt. Susheela bon Jadhavji Shalia,
Smt. Manjulaben Gangji Shalia,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) 1. Shri Nandlal K. Somaiya,
2. Shri Shankarlal D. Ganatra,
3. Raghu T. Shetty.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February, 1982

No. AR-III/19992/2/81-82:—Whereas, I, SUDHAKAR VARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 1000, Plot No. 237(1) 238 situated at Mulund (West) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 18-6-81 Dog. No. S-513/79 Survey No. 171, Bissa No. 1, CTS No. 1467, 1467/1 to 6 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S. 513/79 and as registered on 18-6-1981 with the Sub-Registrar, Bombay on

SUDHAKAR VARMA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 12-2-1982.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

(1) Hoshing Soli Shroff.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 16th February, 1982

Ref. No. AR-1/4571/13/81-82:—Whereas, I, SUDHAKAR VARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C. S. No. 329 of Tardeo Division situated at Gilder Lane, Tardeo

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 23-6-81 Doc. No. Bom. 917/80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) 1. Abubaker Abdul Karim Patel
 2. Juneid Abdul Karim Patel
 3. Usman Peermohamed
 4. Abdul Samad Yusuf
 5. Suleman Noormohamed
 6. Mrs. Roshan Adam Kadiwal
 8. Dinnmohamed Ismail Maredia
 8. Usman Abdul Rahim Maredia
 9. Din Mohamed Yusuf Patel .

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom. 917/80 and as registered on 23-6-1980 with the Sub-registrar of Bombay.

SUDHAKAR VARMA,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 16-2-1982.

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 5th February, 1982

Ref. No. ASR/81-82/387:—Whereas, I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Rasulpur Teh Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Tarn Taran on June, 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Darshan Singh s/o Beant Singh,
r/o village Rasulpur Kalan, Teh.
& Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Dalip Singh s/o Jaswand Singh,
r/o Rasulpur Kalan,
Teh. & Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 33 K 2 M situated in village Rasulpur Kalan, Teh & Distt. Amritsar as mentioned in the sale deed No. 5884 dated 5-6-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 5-2-1982.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 5th February, 1982

Ref. No. ASR/81-82/388:—Whereas, I ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated at Nimak Mandi Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on Junc, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Asha Rani w/o Inderjit,
r/o Nimak Mandi,
Gali Krishna Mushki, Mohalla,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Shmt. Renu Aroar w/o Sh. Om Parkash Arora,
r/o Gali Kandharian,
Nimak Mandi,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days** from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of **30 days** from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within **45 days** from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilities the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1/2 share in one house 1·1/2 storeys (area 89·43 sq. mtrs) situated in Gali Kandharian, Nimak Mandi, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 7944, dated 26-6-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar,

Date : 5-2-1982.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th February, 1982

Ref. No. ASR/81-82/389:—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269(B) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at Nimak Mandi, Amritsar, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar, on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Asha Panu w/o Inderjit ,
r/o Krishna Gali,
Mushki Mohalla,
Nimak Mandi,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Neeru Arora w/o Sh. Sham Sunder
r/o Gali Kandharian,
Nimak Mandi,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in house 1 1/2 storey (area 89.43 sq. mtts.) situated in Gali Kandharian, Nimak Mandi, Amritsar as mentioned in the sale deed 7943/dated 26-6-81 of their registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 5-2-82.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th February, 1982

Ref. No. ASR/81-82/390:—Whereas, I ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated in bazar Sattiwala at Amritsar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income, or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Teja Chand w/o Mathura Dass,
r/o Bazar Sattiwala,
Amritsar.
(Transferor)
- (2) Smt. Shashpal Kaur w/o Sh. Harbans Singh,
1/o Katra Garbha Singh,
Amritsar.
(Transferee)
- (3) M/s. Mohinder Singh Balwinder Singh,
Adrash Band.
(Person in occupation of the
property).
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in double storey shop (area 42 sq. mtrs.) situated in Bazar Sattiwala, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 7006, dated 17-6-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 5-2-82.

Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th February, 1982

Ref. No. ASR/81-82/391.—Whereas, I, ANAND SINGH,
IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One shop situated in Bazar Sattiwala, at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Ashok Kumar s/o Dwarka Dass,
r/o Bazar Sattiwala,
Ghanta Ghar.,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Manjit Kaur d/o Sh. Bhagat Singh,
r/o Khadur Sahib,
Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) Shri Mohinder Singh Balwinder Singh,
Adrash Band.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/2 share in double storey shop (area 42 sq. mts) situated in Bazar Sattiwala, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 7005 dated 17-6-81 of the registering Authority Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Amritsar.,

Date : 5-2-1982,
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
34—496 GI/81

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA'

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th February, 1982

Ref. No. ASR/81-82/392:—Whereas, J, ANAND SINGH, IRS.
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing
 No. One plot situated in Tehsilpura at Amritsar.
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on June, 1981
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Shri Iqbal Singh s/o Amal Singh,
 r/o Lakhnau now 22,
 New Tehsilpura,
 Amritsar.
 (Transferor)
- (2) Shri Rashpal Singh s/o Dewa Singh,
 r/o Loharka Khurd,
 Teh. Amritsar.
 (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property).
- (4) Any other
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 282 sq. yds. situated in New Tehsilpura Teh. Amritsar as mentioned in the sale deed No. 7791, dated 25-6-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 5-2-1982.
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th February 1982

Ref. No. ASR/81-82/393:—Whereas, I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot situated in Vill. Tungpain at Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar, on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Inder Singh s/o Surat Singh, r/o village Tung Pain, Amritsar. (Transferor)
- (2) M/s. J. K. Prints, Dharam Singh market through Shri Kundan Kumar, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A plot measuring 1540.50 sq. yds Khata No. 1929/256 situated at Tungpain, Batala Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 6229, dated 9-6-81 of the registering Authority Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-2-1982.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th February 1982

Ref. No. ASR/81-82/394:—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot situated in Tungpain, at Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at SR Amritsar on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Inder Singh s/o Iqbal Singh,
r/o Village Tung Pain,
Amritsar.

(Transferor)

(2) M/s. Indian Textile Traders,
Dharam Singh market,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 1797·25 sq. yds, khasra No. 1929/256 situated at village Tung Pain, Batala Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 6112, dated 8-6-81 of their registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 5-2-82.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th February, 1982

Ref. No. ASR/81-82/395:—Whereas, I ANAND SINGH, I.R.S.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property situated at Vill. Kale Ghanupur Chhehra, ASR. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on June, 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Shri Moti Sagar HU, Queens Road, Amritsar, through Moti Sagar, Karta HU through Rajinder Kumar attorney. (Transferor)
- (2) M/s. Crown Woollen Mills, Batala Road, Amritsar, through Sh. Sat Pal. (Transeree)
- (3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

5/48 share of shed & building khasra No. 184/203 situated in Chhehra, Ghanupur Kale, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 7829, dated 25-6-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 5-2-1982.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 9th February, 1982

Ref. No. ASR/81-82/396:—Whereas, I, ANAND SINGH, I.R.S.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One building situated inside Sultanwind Gate at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on July 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S. Niranjan Dass Kapur s/o Sh. Anant Ram Kapur, Smt. Janak Dulari w/o Sh. Inder Nath, r/o Sultanwind Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Raman Kumar s/o Harbans Lal & Smt. Madhu, w/o Raman Kumar, r/o Rai Bahadur Rattan Chand Road & Smt. Usha w/o Sh. Joginder Pal & Sh. Joginder Pal s/o Bishan Dass r/o Mall Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) S/Shri Iqbal Singh, Mangat Singh. (Person in occupation of the Property).

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in building No. 1987/111-29 situated inside Sultanwind Gate, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 9184/dated 7-7-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 9-2-82.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th February 1982

Ref No ASR/81-82/397:—Whereas, I ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One bldg. inside Sultanwind Gate situated at Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Janak Dulari wd/o Inder Nath
r/o Sultanwind Road,
Amritsar,
Niranjan Dass s/o Anant Ram,
1/o S. W Road,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Raman Kumar s/o Harbans Lal & Madhu w/o Raman Kumar,
Taran Taran Road,
Amritsar,
Joginder Pal s/o Bishan Dass & Usha w/o Joginder Pal
1/o Mall Road,
Amritsar

(Transferee)

(3) S/Shri Iqbal Singh, Mangat Singh.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by her person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in building No. 1987/III-29 situated inside Sultanwind Gate, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 9183/dated 7-7-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 9-2-82.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th February, 1982

Ref. No. ASR/81-82/398:—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One building situated at no. 12 Sultanwind Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SL Amritsar, on 12/2/1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Niranjan Dass Kapur s/o Sh. Anant Ram & Smt. Janak Dulari wd/o Inder Nath, r/o Sultanwind Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Raman Kumar s/o Harbans Lal, Madhu w/o Raman Kumar, r/o Rattan Chand Road & Joginder Pal s/o Sh. Bishan Dass & Smt. Usha w/o Shi Joginder Pal, r/o Mall Road, Amritsar

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 above and tenants Iqbal Singh & Mangat Singh.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in one building No. 1987/III-29 situated inside Sultanwind Gate Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 8641/dated 30-6-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 9-2-1982.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 1st February 1982

Ref. No. A. P. No. 3020—Whereas, I, R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Butter Sharin (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gidherbah in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

35—496GI/81

(1) Shrimati Veero Wd/o Sh. Chanhan Singh,
R/o Village Butter Sharin,
Tehsil Muktsar
Distt., Faridkot.

(Transferor)

(2) Shri Rajan Setia S/o Sh. Bharat Bushan C/o
M/s. Rajan Setia Trust,
Muktsar,
Distt., Faridkot.

(Transferee)

(3) As s. no. 2 above.

(Person in occupation of the property),
person interested in the property.

(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & persons as mentioned in the registration sale deed No. 1119 of June, 1981 of the Registering Authority, Gidherbah.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 1-2-1982

Scal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 1st February 1982

Ref. No. A. P. No. 3021—Whereas, J. R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Kharak Singh Wala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mansa in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Baltej Kaur Wd/o Sh. Gurpinder Singh alias Rupinder Singh R/o Village Kharak Singh Wala, now at Village Narinder pura.
(Transferor)
- (2) Shri Devinder Singh S/o Sh. Ram Singh, Smt. Dalip Kaur W/o Sh. Devinder Singh, Jawala Singh S/o Sh. Mehar Singh & Smt. Inderjit Kaur wife of Sh. Hazura Singh, R/o village Rajgarh Kube Distt. Bhatinda and Sh. Mithu Singh S/o Sh. Chanan Singh and Gurdev Singh S/o Chanan Singh R/o V. Kharak Singh Wala, Distt. Bhatinda.
(Transferee)

- (3) As s. no. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & persons as mentioned in the registration sale deed No. 2832 of June, 1981 of the Registering Authority, Mansa.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 1-2-1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 1st February 1982

Ref. No. A. P. No. 3022—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Kharak Singh Wala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mansa in June, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) Shrimati Baltej Kaur Wd/o Sh. Gurpinder Singh alias Rupinder Singh R/o V. Kharak Singh Wala, Teh. Mansa, Distt. Bhatinda now at V. Narinderpura.

(Transferor)

(2) Shri Devinder Singh S/o Sh. Ram Singh, Smt. Dalip Kaur W/o Sh. Devinder Singh, Jawala Singh S/o Sh. Mehar Singh and Smt. Inderjit Kaur W/o Sh. Hazura Singh, R/o V. Rajgarh Kube Distt. Bhatinda.

(Transferee)

(3) As s. no. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & persons as mentioned in the registration sale deed No. 2833 of June, 1981 of the Registering Authority, Mansa.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 1-2-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 1st February 1982

Ref. No. A. P. No. 3024—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Mansa Kalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Mansa in October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : -

- (1) Shri Deputy Ram S/o Sh. Dhanpat Rai ..
r/o V. Adamke,
Tch. Mansa
Distt. Bhatinda. (Transferor)
- (2) Shri Krishan Kumar S/o Sh. Raunaq Ram,
r/o Water Works Road Mansa
Distt. Bhatinda. (Transferee)
- (3) As s. no. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & persons as mentioned in the registration sale deed No. 3762 of October, 1981 of the Registering Authority, Mansa.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 1-2-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sohan Lal
S/o Sh. Dhanpat Rai,
r/o V. Adamka Teg.
Mansa Distt. Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Vir Chand
s/o Sh. Raunqi Ram,
R/o Water Works Road,
Mansa Distt. Bhatinda.

(Transferee(s))

(3) S. no. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 1st February 1982

Ref. No. A. P. No. 3023—Whereas, I. R. GIRDHAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Mansa Kalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mansa on Oct., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 3757 of October, 1981 of the Registering Authority, Mansa.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date 1-2-82
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGI, JULLUNDUR,

Jullundur, the 2nd February 1982

Ref. No. A. P. No/3025—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. .

As per schedule situated at Mandi Abohar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on June, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sanjeev Kumar s/o
Sh. Harinder Rai
R/o Mandi Abohar
Now Mandi Gidarbaha.

(Transferor)

(2) Shri Vedi Parkash,
Vijay Kumar,
Satish Kumar
S/o Sh. Hans Raj
R/o H. No. 669 Gali
No. 1-A,
Mandi,
Abohar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1228 of June, 1981 of the Registering Authority, Abohar.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Jullundur

Date 2-2-1982.

Seal .

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 2nd February 1982

Ref. No. A. P. No/3026 —Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Aboha (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on June 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay any under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Jaswinder Kaur W/o Sh. Mewa Singh, r/o Street No. 5, Nanak Nagar, Abohar.

(Transferor)

(2) Shrimati Sukhpal Kaur w/o Sh. Desa Singh, r/o Vill. Ranjanwali, Teh. Fazilka.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1296 of June, 1981 of the Registering Authority Abohar.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date 2-2-1982.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE JULLUNDUR.

Jullundur, the 4th February 1982

Ref. No. A. P. No.3027--Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Abohar on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Udes Kumar
S/o Farangi Lal,
Self and G. A.,
Smt. Asha Rani,
Ramesh Kumar,
Yogesh Chander,
Sanjeev Kumar,
Parveen Kumar S/o Sh. Farangi Lal,
R/o Fazilka.

(Transferor)

(2) Shrimati Kaushalia Bai
W/o Sh. Hazari Lal
R/o Hospital Road,
Abohar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above,
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1318 of June, 1981 of the Registering Authority, Abohar.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Jullundur

Date : 4-2-1982.
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 4th February 1982

Ref. No. A. P. No/3028—Wheresas, I. R. GIRDHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Abohar on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

36—496GI/81

(1) Smt. Asha Rani,
and Parveen Kumar,
Udehs Kumar,
Yogesh Chander,
Ramesh Kumar
Sanjeev Kumar
SS/o Farangi Lal
R/o Fazilka, near Punjab National Bank,
Indro Bai,
Bhagwanti,
Sidarsh Chander,
Lalit Chander,
Saroj Rani
R/o Malout Mandi,
Teh. Mukatsar.

(Transferor)

(2) Shrimati Kaushalia Baj
W/o Sh. Hazari Lal,
R/o Hospital Road,
Abohar.

(Transferee)

(3) As per St. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1574 of June, 1981 of the Registering Authority Abohar.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 4-2-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 2nd February 1982

Ref. No. A.P. No./3229.—Whereas I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shrimati Joginder Kaur
Wd/o Bara Singh
R/o Abohar.

(Transferor)

(2) Shri Maluk Singh,
Kuldeep Singh,
Gurmeet Singh
SS/o Shri Harnam Singh
R/o Nanak Nagari,
Abohar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1532 of June, 1981 of the Registering Authority, Abohar.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 2-2 1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR**

Jalandhar, the 1st February, 1982

Ref. No. A. P. No./3030.—Whereas, I R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Karnail Singh
S/o Shri Bhagat Singh,
resident of V. Ramidi,
Tehsil Kapurthala.

(Transferor)

(2) M/s. Hans Raj Mahajan & Sons Pvt. Ltd.,
G. T. Road,
Jullundur
Through Shri Satish Kumar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the registration sale deed No. 1938 of June, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jalandhar.

Date : 1-2-1982

Seal :

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 4th February, 1982

Ref. No. A.P. No./3031.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at V. Singh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ghasita Singh alias Balvinder Singh and Buta Singh alias Joginder Singh S/o Shri Bhagat Singh R/o V. Singh Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shrimati Surinder Kaur W/o Shri Kultar Singh R/o V. Singh Teh. Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1898 of June, 81 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date : 4-2-1982

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th February 1982

Ref. No. A. P. No./3032.—Whereas, I R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on June, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Raj Kumar
S/o Shri Ram Saran Dass,
R/o Moh. Guru Nanak Pura,
Phagwara.

(Transferor)

(2) Shrimati Manjeet Kaur
W/o Shri Kulbir Singh,
Smt. Narinder Kaur
W/o Shri Balwinder Singh,
Smt. Harjeet Kaur
W/o Shri Gurcharan Singh,
S/Shri Balbir Singh,
Pritpal Singh
SS/o Shri Gurdial Singh,
R/o Vill. Ganesh Pur,
Teh. Garhshanker.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 753 of June, 1981 of the Registering Authority, Phagwara.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date : 4-2-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 4th February 1982

Ref. No. A. P. No./3033.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per schedule situated at Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phagwara on June, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Krishna Kumari
W/o Raj Kumar,
R/o Moh. Guru Nanak Pura,
Phagwara.

(Transferor)

(2) Shrimati Manjeet Kaur
W/o Kulbir Singh
Smt. Narinder Kuar
W/o Shri Balwinder Singh,
Smt. Harjeet Kaur
W/o Gurcharan Singh,
S/Shri Balbir Singh,
Pritpal Singh
SS/o Gurdial Singh,
R/o Village Ganesh Pur,
Teh. Garhshanker.

Transferee(s)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 754 of June, 1981 of the Registering Authority, Phagwara.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date : 4-2-1982

Scal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

JulJundur, the 4th February 1982

Ref. No. A.P. No./3034.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Raj Kumar
S/o Ram Saran Dass,
and Smt. Krishna Kumari
W/o Shri Raj Kumar
R/o Moh. Guru Nandan Pura,
Phagwara.

(Transferor)

(2) Smt. Manjeet Kaur
W/o Kulbir Singh
Smt. Narinder Kaur
W/o Shri Balwinder Singh,
Smt. Harjeet Kaur
W/o Shri Gurcharan Singh,
S/Shri Balbir Singh,
Pritpal Singh
SS/o Shri Gurdial Singh,
R/o Village Ganesh Pur,
Teh. Garhshanker.

(Transferee(s))

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 823 of June, 1981 of the Registering Authority, Phagwara.

R. GIRDHA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 4-2-1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th February 1982

Ref. No. A.P. No./3035.—Whereas, I R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely :—

(1) Shri Raj Kumar
S/o Ram Saran Dass,
R/o Moh. Guru Nanak Pura,
Phagwara.

(Transferor)

(2) Shrimati Manjeet Kaur
W/o Kulbir Singh,
Smt. Narinder Kaur
W/o Shri Balwinder Singh,
Smt. Harjeet Kaur,
W/o Shri Gurcharan Singh,
S/Shri Balbir Singh,
Pritpal Singh
SS/o Shri Gurdial Singh,
R/o Village Ganesh Pur,
Teh. Garhshanker.

Transferee(s)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 875 of June, 1981 of the Registering Athi Phagwara.

R. GIRDHAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 4-2-1982

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th February, 1982

Ref. No. A. P. No. 3036.—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

37—496GI/81

(1) Shri N. K. Jain,
J. K. Jain,
Vijay Kumar Jain,
R/o Jullundur Cantt.

(Transferor)

(2) M/s. Indian Auto Manufacturing Company,
34-Industrial Area, Phagwara
through Shri Surjeet Singh
S/o Shri Kirpal Singh, Partner.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 732 of June, 1981 of the Registering Authority, Phagwara.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 4-2-1982

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 4th February, 1982

Ref. No. A. P. No./3037.—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on July, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri N. K. Jain,
J. K. Jain,
Vijay Kumar Jain
SS/o Shti Tara Chand Jain
R/o Jullundur Cantt.

(Transferor)

(2) M/s. Indian Auto Manufacturing Company,
34-Industrial Area, Phagwara
through Shri Surjeet Singh
S/o Shri Kirpal Singh, Partner.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1025 of July, 1981 of the Registering Authority, Phagwara.

R. GIRDHAR

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 4-2-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th February, 1982

Ref. No. A. P. No./3038.—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur on June, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Gurbachhan Singh Sethi
S/o Shri Ganesha Singh
through Shri Manohar Singh Kumar,
9 Connaught Circus,
Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Apjeet Singh Kumar
S/o Shri Manohar Singh,
9 Connaught Circus,
Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2333 of June, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-2-1982

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th February, 1982

Ref. No. A. P. No./3039.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Sardul Singh Sethi
S/o Shri Ganesha Singh
through Shri Manohar Singh Kumar
9 Connaught Circus,
Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Gurmeet Singh Kumar
S/o Shri Manohar Singh,
9 Connaught Circus,
Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2512 of June, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 4-2-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 4th February, 1982

Ref. No. A. P. No./3040.—Whereas, I, R. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at V. Dchpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gian Singh
S/o Shri Amar Singh
R/o V. Dhepur Tehsil Jullundur.

(Transferor)

(2) Shrimati Niranjan Kaur
W/o Shri Parget Singh
R/o V. Dhepur Tehsil Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
and Shri Harbhajan Singh
S/o Shri Amar Singh,
R/o V. Dehpur,
P. O. Adda Kathar,
Teh. Jullundur.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interest in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2071 of June, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commisioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.
Date : 4-2-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th February 1982

Ref. No. A. P. No./3041.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Dehpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gian Singh
S/o Shri Amar Singh
R/o V. Dehpur,
Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Ranjit Singh
S/o Shri Parget Singh
R/o V. Dehpur,
Teh. Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property and Shri Harbhajan Singh S/o Shri Amar Singh r/o V. Dehpur P. O. Adda Kathar, Teh. Jullundur.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & persons as mentioned in the registration sale deed no. 2072 of June, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 4-2-1982

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 4th February, 1982

Ref. No. A. P. No./3042.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.,

as per schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Satnam Singh
S/o Shri Ladha Singh
R/o Kothi No. 611,
Model Town,
Jullundur,

(Transferor)

(2) Shri Vinod Kumar Chawla
S/o Shri Lakhpal Rai
C/o Jawala Petroleum,
G. T. Road, Jullundur

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & persons as mentioned in the registration sale deed No. 1416 of June, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 4-2-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 4th February, 1982

Ref. No. A. P. No./3043.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. as per schedule situated at Jullundur} (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Satnam Singh
S/o Shri Ladha Singh
r/o Kothi No. 611,
Model Town,
Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Ashwani Kumar Chawla
s/o Shri Lakhpur Rai
C/o Jawala Petroleum,
G. T. Road,
Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Persons in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1417 of June, 1981 of the Registering Authority Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 4-2-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th February 1982

Ref. No. A. P. No./3044.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

38—496GI/81

(1) Shri Satnam Singh
S/o Shri Ladha Singh
R/o Kothi No. 611,
Model Town,
Jullundur.

R. GIRDHAR (Transferor)

(2) Shri Bharat Bhushan
S/o Shri Lakhpal Rai
C/o Jawala Petroleum,
G. T. Road,
Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1418 of June, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 4-2-1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th February 1982

Ref. No. A. P. No./3045.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Village Shadipur Teh. Bholath (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bholath in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Krishan,
 Ram Sarup
 SS/o Shri Shiv Kumar
 R/o Behind Fort,
 Kartarpur.

(Transferor)

(2) Shri Paramjit Singh
 S/o Maj. Jagat Singh
 R/o Ramgarh,
 District Kapurthala.

(Transferee)

(3) Shri Hazara Singh
 S/o Shri Sohan Singh
 Village Shadipur,
 Teh. & District Kapurthala.

(Person in occupation of the property)

(4) Shri Hazara Singh
 S/o Sohan Singh
 Village Shadipur
 Teh. & District Kapurthala
 and any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 757 of June, 1981 of the Registering Authority, Bholath.

R. GIRDHAR
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Jullundur.

Date : 4-2-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th February 1982

Ref. No. A. P. No./3046.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the (said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Village Shadipur, Tch. Bholath (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering office at Bholath in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Des Raj
S/o Shri Shiv Kumar
R/o Behind Fort,
Kartarpur.

(Transferor)

(2) Shri Paramjit Singh
S/o Maj. Jagat Singh
R/o Ramgarh,
District Kapurthala.

(Transferee)

(3) Shri Hazara Singh
S/o Shri Sohan Singh
Village Shadi Pur,
Teh. & District Kapurthala.

(Person in occupation of the property)

(4) Shri Hazara Singh
S/o Shri Sohan Singh
Village Shadipur
Teh. & District Kapurthala

and any other person interested in the property

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 758 of June, 1981 of the Registering Authority, Bholath.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 4-2-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 4th February 1982

Ref No A P No /3047—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Village Shadipur Teh Bholath (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bholath in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (1) Shri Ram Sarup
S/o Shri Shiv Kumar
R/o Behind Fort,
Kartarpur.
(Transferor)
- (2) Shri Paramjit Singh
S/o Maj. Jagat Singh
R/o, Ramgarh,
District Kapurthala.
(Transferee)
- (3) Shri Hazara Singh
S/o Shri Sohan Singh
Village Shadipur,
Teh & District Kapurthala
(Person in occupation of the property)
- (4) Shri Hazara Singh
S/o Shri Sohan Singh
Village Shadipur
Teh & District Kapurthala
and any other person interested in the property.
(Person whom the undermentioned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No 759 of June, 1981 of the Registering Authority, Bholath

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-2-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

- (1) Shri Chanan Singh
S/o Shri Nikka Ram
R/o ES-114, Nakodar Road,
Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Ram Lubhaya
S/o Shri Faqir Chand
R/o W. G. 502,
Mohalla Suraj Ganj,
Jullundur.
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2373 of June, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

K. K. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-2-1982
Seal :

FROM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 10th February 1982

Ref. No. A. P. No./3049.—Whereas, I, K. K. MITTAL, being the competent authority under Section 269-B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Chanan Singh
S/o Shri Nikka Ram
R/o ES-114, Nakodar Road,
Jullundur.

(Transferor)

(2) Shrimati Kamla Rani
W/o Shri Ram Lubahaya
and Shri Ram Saroop
S/o Shri Faqir Chand
R/o W. G. 502, Mohalla Suraj Ganj,
Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2536 of June, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

K. K. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 10-2-1982

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 10th February 1982

Ref. No. A.P. No./3050.—Whereas, I, K. K. MITAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Harmit Singh
S/o Shri Inderjit Singh
R/o 516, Model Town,
Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shrimati Usha Kumari
W/o Shri Romesh Chander
R/o 6, Nursey Model Town,
Jullundur.
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2292 of June, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

K. K. MITAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-2-1982

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JUI LUNDUR

Jullundur, the 10th February 1982

Ref. No. A. P. No./3051.—Whereas, I, K. K. MITTAL being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Jullundur
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June, 1981
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Rajinder Singh
S/o Shri Inderjit Singh
R/o 516, Model Town,
Jullundur.

(Transferor)

(2) Shrimati Shanti Devi
Wd/o Shri Mangal Sain,
6, Nursery, Model Town,
Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2293 of June, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

K. K. MITTAL

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 10-2-1982

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Narinder Kaur
Wd/o Shri Inder Jit Singh
R/o 516, Model Town,
Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Suraj Parkash
S/o Shri Mangal Singh
R/o B-5, R. K. Industries,
Industrial Estate,
Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :
39—496GI/81

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2294 of June, 81 of the Registering Authority, Jullundur.

K. K. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date : 10-2-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR
Jullundur, the 11th February 1982

Ref. No. A. P. No. 3053.—Whereas, J. K. K. MITTAL being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Jaitu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaitu on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons; namely :—

(1) Shri Khushi Ram,
Shivji Ram
S/o Palt Mal
S/o Shri Hazari Mal
R/o Jaitu Mandi.

(Transferor)

(2) Shumati Lajwanti
W/o Shri Midha Mal
S/o Shri Nagina Mal
R/o Jaitu Mandi.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Person, as mentioned in the registration sale deed No. 785 of June, 1981 of the Registering Authority, Jaitu,

K. K. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 11-2-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th February 1982

Ref. No. A. P. No. 3054.—Whereas, J. K. K. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Jaitu
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaitu on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Walaiti Ram
S/o Shri Mai Mal
R/o Jaitu Mandi
and Smt. Vidya Devi
D/o Shri Des Raj
S/o Shri Mai Mal
R/o Muktsar.

(Transferor)

(2) Shri Hem Raj
S/o Shri Kaur Chand,
Smt. Darshna Rani
W/o Shri Hem Raj,
Shri Chauhan Ram
S/o Shri Nand Ram
R/o Gali Dr. Kishore Chand,
Jaitu Mandi
and Smt. Lejwanti
W/o Shri Midha Mal
R/o Chowk No. 2, Jaitu Mandi.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 806 of June, 1981 of the Registering Authority, Jaitu.

K. K. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-2-1982
Seal :

FORM ITN8**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR
 Jullundur, the 11th February, 1982

Ref. No. A. P. No. 3055.—Whereas, I, K. K. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (21 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sant Ram
 S/o Shri Dina
 S/o Shri Ram Dayal,
 C/o Harbans Lal Property dealer,
 Arya Samaj Chowk,
 Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shrimati Pushpa Rani
 W/o Shri Behari Lal,
 Shri Om Parkash
 S/o Shri Wazir Chand
 and Shri Sat Parkash
 S/o Shri Manohar Lal
 C/o M/s. Setna Mal Nathu Rani,
 Cloth Merchants,
 Bhatinda.

(Transferee)

(3) As Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1944 of June, 1981 of the Registering Authority, Bhatinda.

K. K. MITTAL
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Jullundur.

Date : 11-2-1982

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 11th February 1982

Ref. No. A. P. No. 3056.—Whereas, I, K. K. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :—

(1) Shri Sant Ram
S/o Shri Dina
S/o Shri Ram Dayal,
C/o Harlans Lal Propertie dealer,
Arya Samaj Chowk,
Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Kirpal Kumar
S/o Shri Inder Singh,
Chiranji Lal
S/o Shri Inder Singh,
Shri And Kumar
S/o Shri Chiranjit Lal
C/o M/s. Hazira Singh Inder Singh,
Tea Merchants,
Hospital Bazar,
Bhatinda,
and Shri Som Parkash
S/o Shri Balwan Singh,
S/o Shri Arjan Singh,
R/o Abhor.

(Transferee)

(3) A. P. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1883 of June, 1981 of the Registering Authority, Bhatinda.

K. K. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 11-2-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF PUNJAB

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th February 1982

Ref. No. A. P. No. 3057. Whereas, I, K. K. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have been to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1911) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

I now, that in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Lal Chand
S/o Shri Dina
S/o Shri Ramduyal
C/o Harbans Lal,
Property dealer,
Aya Samaj Chowk,
Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Bachan Dass
S/o Sj. Labhu Ram,
Shri Pardeep Kumar
S/o Shri Bachan Dass,
Shri Rajinder Kumar
S/o Shri Nathu Ram,
Shri Som Nath
S/o Shri Labhu Ram
C/o M/s. Bachan Tea Co.,
Old Satia Bazar, Bhatinda
and Smt. Pushpa Rani
W/o Shri Behari Lal
& Om Parkash
S/o Wazir Chand
and Shri Sit Parkash
S/o Shri Manohar Lal
C/o M/s. Sarna Mal Nathu Ram, Cloth Merchants,
Bhatinda
and Shri Yash Pal
S/o Shri Moti Ram
R/o Abohar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1943 of June, 1981 of the Registering Authority, Bhatinda.

K. K. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 11-2-1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th February, 1982

Ref. No. A. P. No./3058.—Whereas, I K. K. MITTAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bhatinda on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Lal Chand
S/o Shri Dina
S/o Shri Ram Dayal
C/o Harbans Lal Property dealer,
Arya Samaj Chowk,
Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Sushil Kumar
S/o Shri Krishan Kumar
C/o M/s. Rajinder Kumar, Kewal Krishan,
Tea Merchants,
Hospital Bazar,
Bhatinda and
Sudhir Kumar Jain
S/o Mohinder Pal Jain
and Smt. Usha Jain,
W/o Raj Kumar
C/o M/s. Sunder Mal,
Mohinder Pal,
Jewellers,
Bhatinda
and Som Parkash
S/o Balwant Rai
R/o Abolar.

(Transferee)

(3) As Sl. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1882 of June, 1981 of the Registering Authority, Bhatinda.

K. K. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-2-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th February 1982

Ref. No. A. P. No./3059.—Whereas, I, K. K. MITTAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Katar Singh Wala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Jagroop Singh alias Phalia
S/o Shri Hari Singh
S/o Santa Singh
R/o V. Katar Singh Wala,
Teh. & District Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Udhe Chand
S/o Karta Ram
C/o M/s. Udhe Chand Bhushan Kumar,
Engine Spare Parts,
Mangha Mandi
and Smt. Vidya Devi
D/o Shri Udhe Chand
C/o as above.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2656 of June, 1981 of the Registering Authority, Bhatinda.

K. K. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons :—

Date : 11-2-1982

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th February, 1982

Ref. No A P No/3060—Whereas, I, K. K. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Katar Singh Wala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhatinda on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
40—496GI/81

(1) Shri Bachan Singh
S/o Shri Hari Singh
S/o Santa Singh
R/o V Katar Singh Wala,
Teh. & District Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Sunildev Kumar
S/o Shri Udhe Chand
S/o Karta Ram
C/o M/s. Udhe Chand Bhushan Kumar,
Entino Spare Parts,
Mansa Mandi.

(Transferee)

(3) As S No 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2657 of June, 1981 of the Registering Authority, Bhatinda.

K. K. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 11-2-1982

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 11th February, 1982

Ref. No. A. P. No./3061.—Whereas, I, K. K. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at V. Raman
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Talwandi Saboo on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Gian Devi
D/o Shri Kirpa Ram,
S/o Multani Mal
R/o Raman Mandi,
District Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Bhagwant Rai,
Janinder Kumar
Ss/o Shri Nathu Ram,
S/o Thakur Mal
R/o Raman Mandi District Bhatinda.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1682 of June, 1981 of the Registering Authority, Talwandi Saboo.

K. K. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 11-2-1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th February, 1982

Ref. No. A. P. No./3062.—Whereas, I K. K. MITTAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Raman (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Talwandi Saboo on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Hans Raj
and Sunil Kumar
R/o Rampura Phul,
Distt. Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shrimati Atma Singh and Parkash Kaur
W/o Atma Singh
R/o Bhatinda.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1356 of June, 1981 of the Registering Authority, Talwandi Saboo.

K. K. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 11-2-1982

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th February, 1982

Ref. No. A. P. No./3063.—Whereas, I K. K. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Kuldeep Singh Nalwa
S/o Shri Balwant Singh
R/o 697, Model Town,
Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Rajesh Sehgal,
Lavkesh Sehgal
S/o Shri Salamat Rai Sehgal
R/o W. D. 190, Ali Mohalla,
Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2416 of June, 1981 of the Registering Authority, Jalandhar.

K. K. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-2-1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th February, 1982

Ref. No. A. P. No./3064.—Whereas I, K. K. MITTAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bhagwan Singh
S/o Shr Mela Singh
R/o 258/6, Central Town,
Jullundur.

(Transferor)

(2) Shrimati Balbir Kaur
W/o Shri Tirath Singh,
r/o 258/6, Cental Town,
Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1747 of June, 1981 of the Registering Authority Jullundur.

K. K. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 11-2-1982

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 11th February, 1982

Ref. No. A. P. No./3065.—Whereas, I, K. K. MITTAL being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 ('16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

i. facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Bhagwan Singh
S/o Shri Mela Singh
R/o 258/6, Central Town,
Jullundur.

(Transferor)

(2) Shrimati Balbir Kaur
W/o Shri Tirath Singh
R/o 258/6, Central Town,
Jullundur.

(Transferee)

(3) As Sl. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1916 of June, 1981 of the Registering Authority Jullundur.

K. K. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 11-2-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 12th February 1982

Ref. No. A. P. No./3066.—Whereas, J. K. K. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Jullundur on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Ram Parkash Mahay
S/o Shri Daulat Ram :
through General attorney
Shri Kapil Dutt Mahay
r/o Mahay Niwas,
Chowk Adda,
Hoshiarpur,
Jullundur.

(Transferor)

(2) Shrimati Kesari Devi
W/o Shri Daulat Ram,
R/o Railway Road,
Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2272 of June, 1981 of the Registering Authority Jullundur.

K. K. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1982

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 12th February 1982

Ref. No. A. P. No./3067.—Whereas, J K. K. MITTAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hoshiarpur on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Jawahar Lal
S/o Mangat Ram Jain
R/o Pahari Katra,
Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Shri Chaman Lal Jain,
S/o Shri Sardari Lal Jain,
R/o House No. B-IV-24/1225,
Pahari Katra,
Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in Occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1236 of June, 1981 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

K. K. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1982

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDLR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 12th February 1982

Ref. No. A. P. No./3068.—Whereas, I K. K. MITTAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hoshiarpur on June, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
41—496GI/81

(1) Shri Jawahar Lal
S/o Shri Mangat Ram Jain,
R/o Pahari Katra,
Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Shrimati Annu Jain
W/o Shri Mohinder Pal Jain,
R/o House No. B-IV-24/1225, 'Pahari Katra,
Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1270 of June, 1981 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

K. K. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 12-2-1982

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 12th February, 1982

Ref. No. A. P. No./3069.—Whereas, I, K. K. MITTAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shrimati Raj Rani
W/o Shri Palla Ram,
R/o Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Krishan Kumar
S/o Shri Hari Chand,
and Smt. Bimla Rani
W/o Shri Krishan Kumar,
R/o Moh. Tamakhuta
near Mehli Gate,
Phagwara.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the Registration sale deed No. 898 of June, 1981 of the Registering Authority, Phagwara.

K. K. MITTAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 12th February, 1982

Ref. No. A. P. No./3070.- Whereas, I, K. K. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Pritam Singh
S/o Shri Nihal Singh,
R/o 41-L, Model House,
Jullundur.

(Transferor)

(2) Shrimati Lakhwinder Kaur
W/o Shri Kuldip Iqbal Singh,
R/o 242/12, Amrit Bazar,
Kapurthala.

(Transferee)

(3) As Sl. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2561 of June, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

K. K. MITTAL

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 12-2-1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 12th February 1982

Ref. No. A. P. No./3071.—Whereas, I, K. K. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Pritam Singh
S/o Shri Nihal Singh
R/o 41-1, Model House,
Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Kuldip Iqbal Singh
S/o Shri Iqbal Singh
R/o 242/12, Amrit Bazar,
Kapurthala.

(Transferee)

(3) As Sl. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No 2595 of June, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

K. K. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 12th February, 1982

Ref. No. A. P. No. 3072.—Whereas, I, K. K. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Surinder Paul Jain
S/o Shri Babu Ram
R/o 229, Adarsh Nagar,
Jullundur.

(Transferor)

(2) M/s. Thakur Dass & Co.,
BXXXII-466, Basti Bawa Khel,
Jullundur
through Shri P. L. Kapoor,
Manager.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2598 of June, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

K. K. MITTAL

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date : 12-2-1982

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 12th February, 1982

Ref. No. A. P. No. 3073.—Whereas, I, K. K. MITTAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Lal Chand and
 Sant Ram
 S/o Shri Dina
 C/o Harbans Lal Property dealer,
 Arya Samaj Chowk,
 Bhatinda.

(Transferors)

(2) Shri Jagdish Rai
 S/o Shri Gauri Shanker
 and Yash Paul
 R/o Bhatinda.

(Transferee)

(3) As Sl. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 207 of June, 1981 of the Registering Authority, Bhatinda,

K. K. MITTAL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Jullundur.

Date : 12-2-1982

Seal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—